www.navpradesh.com

दैनिक नवप्रदेश

आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्

प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर

2 | छत्तीसगढ़

4 | अभिव्यक्ति

11 | कारोबार/खेल

बिलासपुर, बुधवार, 17 जून 2026 | शुक्ल पक्ष-द्वितीया, | विक्रम संवत -2083 / वर्ष-12 अंक- 66 | पृष्ठ-12 मूल्य-5 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का असर : एक फोन कॉल पर किसान की समस्या का 24 घंटे में समाधान

रायपुर/ नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान का प्रभावी माध्यम बन रही है। सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत सराईटीकरा निवासी किसान राजनाथ राजवाड़े का अनुभव इसका सशक्त उदाहरण है, जहां एक फोन कॉल पर प्रशासन ने महज 24 घंटे के भीतर उनकी समस्या का समाधान कर दिया।

नव प्रदेश लगातार

राजनाथ राजवाड़े आगामी खरीफ फसल के लिए खाद की व्यवस्था को लेकर चिंतित थे। खेत में बैल चराने के दौरान उन्हें मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की जानकारी मिली, जिसके ■ शेष पृष्ठ 8 पर

■ खेत में बैल चराते समय दर्ज कराई शिकायत, प्रशासन ने घर पहुंचकर खुलवाया बैंक खाता और बनवाया किसान क्रेडिट कार्ड

दफ्तर के चक्कर लगाए समस्या का समाधान

बिना किसी कार्यालय के चक्कर लगाए समस्या का समाधान मिलने से किसान ने खुशी जताई। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने के 24 घंटे के भीतर ही उनका पूरा काम हो गया। उन्हें खाद के लिए भटकना नहीं पड़ा और कृषि विभाग के अधिकारियों ने घर पहुंचकर हर संभव सहायता प्रदान की।

व्यवस्था आमजनों के लिए बेहद उपयोगी साबित

श्री राजनाथ राजवाड़े ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 की सराहना करते हुए कहा कि यह व्यवस्था किसानों और आम नागरिकों के लिए बेहद उपयोगी साबित हो रही है। उन्होंने किसानों के हित में किए जा रहे संवेदनशील और जनहितकारी प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय तथा जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

आज बेबाक

यह ठीक है कि काकरोच एक घिनौना कीड़ा है। जिसे घर में देखकर लोग जूते या चप्पल से मार देते हैं। ये गलत बात है। हर जीव -जंतु, कीड़े- मकौड़े को जीने का अधिकार है। अमेरिका रिटर्न सबसे बड़े काकरोच को भी नौटंकी करने का अधिकार है लेकिन राजस्थान में उस पर थप्पड़ बरसा दिए गए। बेचारा जेन जी को जगाने गया था लेकिन वहां कुछ जेन जी ने उसे थपड़िया कर लेटा दिया। बहुत ही बेइंसाफी है ये। घुंघरू सेठ का मुनीम रह चुका ये काकरोच भी अपने गुरु के नक्शेकदम पर चलकर बड़का नेता बनकर ही दम लेगा।

ममता चुनावी हार के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचीं

कोलकाता/नवप्रदेश। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भवानीपुर विधानसभा सीट के चुनाव नतीजे को कलकत्ता हाईकोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने कोर्ट से चुनाव परिणाम की वैधता की जांच करने की मांग की है। ममता मंगलवार को खुद याचिका दाखिल करने हाईकोर्ट पहुंचीं। उन्होंने याचिका में कहा कि चुनाव गलत तरीके से हुआ है। 12 राउंड की काउंटिंग के बाद इलेक्शन एजेंट और मुझे पीटा गया और बाहर कर दिया गया। भवानीपुर सीट पर भाजपा के शुभेंदु अधिकारी ने ममता बनर्जी को 15,105 वोटों से हराया था। ममता इस सीट से पहले तीन बार विधायक रह चुकी हैं।

बलौदाबाजार जिले के खरवे गांव में कब्र खोदकर 6 और शव निकाले गए

बलौदाबाजार/नवप्रदेश। जिले के खरवे गांव में पिछले 3 महीनों में 8 लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। आरोप है कि गांव के एक व्यक्ति ने शराब में जहर मिलाकर इन लोगों को पिलाया, जिससे उनकी मौत हुई है। मामला कसडोल थाना क्षेत्र का है। इसके बाद शनिवार को एक शव को कब्र से निकालकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया था। अब मंगलवार को 6 शवों को भी जेसीबी मशीन की मदद से कब्र से बाहर निकाला गया। इन शवों का भी पोस्टमॉर्टम कराया जाएगा। वहीं एक मृतक का दाह संस्कार किया गया था। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम और फॉरेंसिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

गरमा-गरम

सावधानी : 21 को परीक्षा, 22 जून तक एप काम नहीं करेगा, मैसेज एडिट फीचर 30 जून तक बंद

नीट री-एग्जाम तक भारत में टेलीग्राम पर रोक, केंद्र सरकार का बड़ा एक्शन

■ परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने उठाया गया कदम

नई दिल्ली/ए.। भारत सरकार ने नीट की दोबारा परीक्षा को लेकर भारत में टेलीग्राम मैसेजिंग एप के इस्तेमाल पर अस्थायी रोक लगाने का आदेश दिया है। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने मंगलवार को प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी।

एनटीए ने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने सूचना प्रौद्योगिकी कानून, 2000 की धारा 69 के तहत टेलीग्राम पर रोक लगाई है। यह रोक 22 जून 2026 तक रहेगी। हालांकि आदेश कब से लागू होगा, इसकी तारीख नहीं दी गई है। नीट री-एग्जाम 21 जून को होगा। सरकार ने एग्जाम के बाद भी टेलीग्राम को अपना मैसेज एडिट फीचर 30 जून तक बंद रखने का निर्देश दिया है। यानी भारत में टेलीग्राम पर पहले से भेजे गए मैसेज 30 जून तक एडिट नहीं हो पाएंगे। एनटीए के मुताबिक कुछ लोग टेलीग्राम का इस्तेमाल परीक्षाओं में पेपर लीक होने के फर्जी सबूत बनाने के लिए करते रहे हैं। ऐसे मामलों को रोकने और परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए यह कदम उठाया गया है।

क्या-क्या रिपोर्ट करें

- ■ एनटीए ने उम्मीदवारों से आग्रह किया है कि वे किसी भी प्रकार की भ्रामक गतिविधि को तुरंत रिपोर्ट करें।
- ■ प्रश्नपत्र या उत्तर कुंजी का एक्सेस होने का दावा करने वाली अनधिकृत वेबसाइटें या सोशल मीडिया अकाउंट्स।
- ■ पैसों के बदले पेपर लीक या गारंटीड रिजल्ट का दावा करने वाले व्यक्ति या गिरोह।
- ■ एनटीए अधिकारी या सरकारी प्रतिनिधि बनकर बात करने वाले संदिग्ध लोग।
- ■ उम्मीदवारों को डराने या गुमराह करने वाली कोई भी अन्य गतिविधि।

इंडियन एयर फोर्स की सुरक्षा में परिवहन

परीक्षा को लेकर केंद्र ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं, जिसमें इंडियन एयर फोर्स के जरिए प्रश्न पत्रों को ले जाना और दोबारा परीक्षा सुरक्षित रूप से आयोजित करने में स्थानीय अधिकारियों की मदद के लिए सीआरपीएफ और सीआईएसएफ के जवानों की तैनाती शामिल है। एनटीए ने उम्मीदवारों के लिए 15 मिनट का अतिरिक्त समय देने और उत्तर पुस्तिकाओं में रफ काम के लिए ज्यादा जगह देने की भी घोषणा की है। केंद्र सरकार का कहना है कि राज्य सरकारों और जिला प्रशासनों के आपसी सहयोग का मकसद दोबारा परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता और विश्वसनीयता को बनाए रखना है।

केंद्र सरकार ने तेज की तैयारियां

केंद्र सरकार ने 21 जून को होने वाली नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा की तैयारियां तेज कर दी हैं। मई में हुई परीक्षा को कुछ सवाल लीक होने के आरोपों के बाद रद्द कर दिया गया था। दोबारा परीक्षा की तैयारियों के बीच कैबिनेट सेक्रेटरी टी.वी. सोमनाथन ने हाल ही में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के अधिकारियों के साथ व्यवस्थाओं की समीक्षा की और चेतावनी दी कि जो कोई भी परीक्षा प्रक्रिया की निष्पक्षता को बिगाड़ने, उसमें बाधा डालने या उससे छेड़छाड़ करने की कोशिश करेगा, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

उम्मीदवारों को सलाह

सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में एनटीए ने छात्रों से कहा है, 'अफवाहों को अपनी नीट-2026 यात्रा तय न करने दें। परीक्षा से पहले पेपर किसी के पास नहीं होता। यदि आपको कोई फर्जी वेबसाइट, 'लीक पेपर' का ऑफर या कोई एनटीए अधिकारी बनकर संपर्क करे, तो उसे तुरंत रिपोर्ट करें।' उम्मीदवारों को सलाह दी गई है कि वे परीक्षा से जुड़ी किसी भी जानकारी के लिए केवल आधिकारिक एनटीए और नीट वेबसाइटों पर ही भरोसा करें।

कैसे करें रिपोर्ट?

उम्मीदवार एनटीए के समर्पित पोर्टल पर जाकर घटना का विवरण, प्लेटफॉर्म का लिंक, समय और तारीख दर्ज कर सकते हैं। साथ ही सबूत के तौर पर स्क्रीनशॉट, लिंक या डॉक्यूमेंट्स भी अपलोड किए जा सकते हैं।

एनटीए का रिपोर्टिंग पोर्टल

परीक्षा की शुचिता बनाए रखने के लिए एनटीए ने छात्रों, अभिभावकों और कोचिंग संस्थानों के लिए एक समर्पित पोर्टल भी लॉन्च किया है। इसका उद्देश्य किसी भी संदिग्ध दावे, अनधिकृत सामग्री या धोखाधड़ी की गतिविधियों की तुरंत रिपोर्ट करना है। एनटीए ने स्पष्ट किया है कि 21 जून को होने वाली परीक्षा के लिए कोई भी व्यक्ति परीक्षा से पहले प्रश्नपत्र तक पहुंच नहीं रखता है।

अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौता इधर पीछे हटने को तैयार नहीं इजरायल

नई दिल्ली/ए.। अमेरिका और ईरान के बीच पिछले कुछ महीनों से चल रहे भारी तनाव को कम करने के लिए एक बड़े शांति समझौते की रूपरेखा तैयार हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा इस डील की घोषणा किए जाने के बाद आगामी शुक्रवार को जेनेवा में इस ऐतिहासिक समझौते पर आधिकारिक रूप से हस्ताक्षर होने तय हुए हैं।

लेकिन दूसरी तरफ, अमेरिका के इस कूटनीतिक कदम पर उसके सबसे भरोसेमंद सहयोगी इजरायल ने बेहद तीखा और कड़ा

रुख अख्तियार कर लिया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को साफ शब्दों में कह दिया कि ईरान को लेकर उनकी और अमेरिकी राष्ट्रपति की सोच में बड़ा अंतर है, जिसके चलते मिडिल ईस्ट में एक नया राजनीतिक और सैन्य विमर्श शुरू हो गया है। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का गुस्सा इस ■ शेष पृष्ठ 8 पर

भारत आ रहे एलएनजी जहाज 'दिशा' ने पार किया होर्मुज

■ फारस की खाड़ी में फंसे अन्य 34 जहाजों की जगी उम्मीद

नई दिल्ली/ए.। पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच ऐतिहासिक शांति समझौते की घोषणा के बाद वैश्विक समुद्री व्यापारिक मार्गों पर लगे गतिरोध टूटने शुरू हो गए हैं। सोमवार को भारत आ रहे एक एलएनजी वाहक जहाज 'दिशा' के होर्मुज जलडमरूमध्य से सुरक्षित गुजरने के बाद फारस की खाड़ी में फंसे 34 अन्य भारतीय और विदेशी झंडे वाले जहाजों के घरेलू बंदरगाहों तक सुरक्षित और तेजी से पहुंचने की उम्मीद काफी बढ़ गई है।

जहाजरानी और उर्वरक मंत्रालय ने जारी किया जहाजों का पूरा विवरण

जहाजरानी मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने बताया कि 62,370 टन एलएनजी कार्गो लेकर आ रहा 'दिशा' जहाज होर्मुज के सबसे संवेदनशील घेरे को पार कर चुका है और इस जहाज के संभावित तौर पर आगामी 18 जून को गुजरात के दाहेज बंदरगाह पर पहुंचने की पूरी उम्मीद है। इन 16 जहाजों में से 8 जहाज यूरिया, 4 जहाज डाई-अमोनियम फॉस्फेट, 3 जहाज सल्फर और 1 जहाज अमोनिया लेकर भारत के लिए रवाना हो रहे हैं, जिससे घरेलू स्तर पर कृषि तत्वों की कमी को दूर किया जा सकेगा।

एयरफोर्स अफसर की पत्नी से रेप, 2 आरोपी गिरफ्तार

नागपुर/ए.। नागपुर में भारतीय वायुसेना के एक अफसर की 24 साल की पत्नी से रेप, ब्लैकमेलिंग और जबरन धर्मांतरण का मामला सामने आया है। मुख्य आरोपी अयाज ताज मदारे उसका स्कूल क्लासमेट है। पीड़ित के मुताबिक, अयाज उस पर आयतें पढ़कर फूंकता रहा। इसके बाद उसका रेप करता था।

धर्मांतरण से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें अयाज उसके हाथ पकड़े हुए आयतें पढ़ता दिखाई दे रहा है। वीडियो में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

पति के लौटने पर महिला ने सच्चाई बताई

महिला ने आरोप लगाया कि इसके बाद उसके साथ फिर रेप की कोशिश की गई। 12 जून को जब उसका पति ड्यूटी से घर लौटा, तब महिला ने उसे पूरी घटना बताई। इसके बाद सोनेगांव पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रेप, बार-बार यौन शोषण, ब्लैकमेल, जबरन वसूली, जबरन धर्मांतरण और महाराष्ट्र अंधश्रद्धा एवं काला जादू विरोधी कानून की धाराओं में मामला दर्ज किया है।

डीएम-एसएसपी के साथ एसआईटी मंदिर पहुंची, 42 संदिग्ध से पूछताछ

■ राम मंदिर चढ़ावा चोरी की 3 शिकायत, एफआईआर अब तक नहीं

अयोध्या/ए.। अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में मंगलवार को पुलिस के पास 3 शिकायतें पहुंची हैं। पहली- शिकायत धर्मसेना के संस्थापक संतोष दुबे ने की। दूसरी- यूपी युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष शरद शुक्ला और तीसरी- करणी सेना ने की है।

हालांकि पुलिस ने अभी तक कोई भी एफआईआर दर्ज नहीं की है। एसआईटी अब तक 42 लोगों

से पूछथाछ कर चुकी है। मंगलवार सुबह 11 बजे स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम, यानी एसआईटी जांच के लिए मंदिर पहुंची। साथ में अयोध्या डीएम शशांक त्रिपाठी और एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर भी हैं। टीम ट्रस्ट के संदिग्ध कर्मचारियों से पूछताछ कर रही है। टीम ने सोमवार को ट्रस्ट ■ शेष पृष्ठ 8 पर

डीएमएफ घोटाला: कांग्रेस नेता के घर ईडी की रेड

■ रायपुर में कारोबारी लुणावत, धमतरी में ठेकेदार दीपेश गांधी के घर दबिश

रायपुर/धमतरी/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ के 5 अलग-अलग जिलों में आज प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रेड मारी है। डीएमएफ घोटाले से जुड़े कारोबारियों और ठेकेदारों के घर छापेमारी की गई है। इनमें रायपुर, दुर्ग, धमतरी, अंबिकापुर और महासमुंद सहित कई ठिकाने शामिल है।

रायपुर के वल्लभ नगर में कारोबारी शाश्वत लुणावत, सरगुजा में कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष ■ शेष पृष्ठ 8 पर

धमतरी में ठेकेदार के परिवार वालों का मोबाइल जब्त

ईडी की टीम सुरक्षा बलों के साथ 2 गाड़ियों में धमतरी पहुंची और कोतवाली थाना क्षेत्र के आमापारा वार्ड स्थित दीपेश गांधी के निवास पर जांच शुरू की। मकान के अंदर 6 अधिकारी दस्तावेजों और अन्य रिकॉर्ड की जांच में जुटे हुए हैं। बताया जा रहा है कि जांच के दौरान टीम ने घर में मौजूद परिवार वालों का मोबाइल कब्जे में लिया है। साथ ही पैसों के लेनदेन से जुड़े रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है। दीपेश गांधी पेशे से ठेकेदार है। वह अलग-अलग सरकारी और निजी परियोजनाओं में बड़े ठेकेदारों के साथ काम करता है।

मानसून : एक अक्टूबर तक जंगल सफारी पर रोक, मानसून में वन्यजीवों की सुरक्षा और प्रजनन काल का रहता है समय

छत्तीसगढ़ में पर्यटकों के लिए बंद हुए सभी टाइगर रिजर्व और अभ्यारण्य

रायपुर/नवप्रदेश। मानसून के आगमन और वन्यजीवों के प्रजनन काल को देखते हुए, हर साल की तरह इस वर्ष भी देश के अधिकांश टाइगर रिजर्व, राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों में जंगल सफारी 15 जून से 1 अक्टूबर तक साढ़े 3 महीने के लिए पर्यटकों के लिए बंद कर दी गई है। पीसीसीएफ एवं वन बल प्रमुख अरुण पांडेय ने बताया, हर साल मानसून के पहले टाइगर रिजर्व, राष्ट्रीय उद्यान और अभ्यारण्यों को बंद कर दिया जाता है।

छत्तीसगढ़ में प्रकृति और वन्यजीवों की सुरक्षा तथा उनके प्रजनन काल को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। प्रदेश के सभी टाइगर रिजर्व, राष्ट्रीय उद्यान (नेशनल पार्क) और वन्यजीव अभयारण्यों को आज (15 जून) से पर्यटकों के लिए ■ शेष पृष्ठ 8 पर

ये प्रमुख पर्यटन स्थल रहेंगे बंद

अगले साढ़े तीन महीनों के लिए प्रदेश के इन प्रमुख संरक्षित वन क्षेत्रों में पर्यटकों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा, जिनमें अचानकमार टाइगर रिजर्व, उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व, बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य, कांगेर घाटी राष्ट्रीय उद्यान, प्रदेश के अन्य सभी अधिसूचित अभयारण्य और संरक्षित वन क्षेत्र शामिल हैं।

वन्यजीव संरक्षण हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता

वन विभाग का कहना है कि वन्यजीव संरक्षण हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता है। हर साल हजारों पर्यटक छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध टाइगर रिजर्व और राष्ट्रीय उद्यानों का भ्रमण करते हैं, लेकिन मानसून ब्रेक इस अनुभव को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाए रखने के लिए जरूरी माना जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार का यह कदम पर्यावरण संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा और सतत पर्यटन विकास की

दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में देखा जा रहा है। वन्यजीव प्रेमियों और पर्यटकों के लिए भले ही यह कुछ महीनों का इंतजार है, लेकिन पारिस्थितिकी संतुलन और वन्यजीव संरक्षण के दृष्टिकोण से मानसून का यह ग्रीन ब्रेक बेहद जरूरी और सराहनीय कदम माना जा रहा है। आगामी 2 अक्टूबर से छत्तीसगढ़ के जंगल एक बार फिर नए रोमांच के साथ सैलानियों के स्वागत के लिए तैयार होंगे।

आधी रात मालगाड़ी की चपेट में आया हाथी, इलाज के दौरान मौत

■ कमर और पिछले हिस्से में गंभीर चोट लगी, पूरी रात चलता रहा इलाज

रायगढ़/नवप्रदेश। रायगढ़ जिले में सोमवार रात मालगाड़ी के चपेट में आने से एक हाथी गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू किया, लेकिन इलाज के दौरान उसने मंगलवार सुबह दम तोड़ दिया।

घटना घरघोड़ा वन परिक्षेत्र के चारमार गांव की है। मृत हाथी की उम्र 5 साल बताई जा रही है। हादसे में हाथी की कमर के हिस्से में गंभीर चोट आई थी, जिसके

कारण वह खड़ा नहीं हो पा रहा था। इसके अलावा उसके पिछले पैर में भी गहरी चोट लगी थी। ऐसे में पूरी रात उसका इलाज चलता रहा, लेकिन उसकी जान नहीं बची। हाथी की मौत के बाद वन विभाग ने शव का पंचनामा तैयार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके बाद नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। हाथियों का दल रेलवे ट्रैक पार कर रहा था।

झोपड़ी में संचालित हो रहा गाताबाहरा और बुडरापारा का स्कूल, बच्चे कैसे गढ़ेंगे भविष्य

नगरी (नवप्रदेश)। प्रदेशभर में नए शिक्षा सत्र 2026-27 की शुरुआत के साथ स्कूलों में बच्चों की चहल-पहल लौट आई है। शिक्षा विभाग द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर आधारभूत सुविधाओं के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन नगरी विकासखंड के कई विद्यालयों की जमीनी हकीकत इन दावों से अलग नजर आ रही है। क्षेत्र के अनेक स्कूल आज भी भवन विहीन, जर्जर भवनों और मूलभूत सुविधाओं की कमी जैसी गंभीर समस्याओं से जूझ रहे हैं।

दूरस्थ एवं आदिवासी अंचलों में स्थिति और भी चिंताजनक है। खल्लारी क्षेत्र के आश्रित ग्राम गाताबाहरा तथा बुडरापारा के विद्यालयों का संचालन आज भी झोपड़ीनुमा भवनों में किया जा रहा है। नए भवन निर्माण के लिए कार्य स्वीकृत होने और प्रक्रिया आगे बढ़ने के बावजूद बच्चों को फिलहाल अस्थायी व्यवस्था में ही पढ़ाई करनी पड़ रही है। कई स्थानों पर विद्यार्थियों को खुले रंगमंच, सामुदायिक भवन या अन्य वैकल्पिक परिसरों में शिक्षा ग्रहण करनी पड़ रही है।

11 विद्यालय भवन विहीन, 94 स्कूल अति जर्जर: विकासखंड शिक्षा विभाग द्वारा जून 2026 की स्थिति में जारी अद्यतन सूची के अनुसार विकासखंड में 11 विद्यालय भवन विहीन हैं, जिनका संचालन सामुदायिक भवनों अथवा अन्य वैकल्पिक स्थानों पर किया जा रहा है। वहीं 94 विद्यालयों की स्थिति अति जर्जर बताई गई है, जबकि 111 विद्यालयों में मरम्मत कार्य की आवश्यकता है। इसके अलावा 26 विद्यालयों में आहता (बाउंड्रीवाल) निर्माण की मांग लंबित है। सूची में शामिल कई विद्यालय ऐसे हैं जहां भवन की छतें अत्यंत खराब स्थिति में पहुंच चुकी हैं।

बरसात के मौसम में पानी टपकने से कक्षाओं का संचालन प्रभावित होता है। कुछ स्कूलों में छतों को सहारा देने तथा वर्षा से बचाने के लिए अस्थायी रूप से पॉलीथीन शीट लगाकर शिक्षण कार्य संचालित किया जा रहा है, जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है।

वैकल्पिक व्यवस्था में संचालित हो रही पढ़ाई: शिक्षा विभाग के अनुसार विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में स्थित कुल 10 से अधिक विद्यालय ऐसे हैं, जिनके पास स्वयं का भवन उपलब्ध नहीं है। इन विद्यालयों का संचालन अतिरिक्त कक्षों, सामुदायिक भवनों, पंचायत परिसरों अथवा अन्य शैक्षणिक परिसरों में किया जा रहा है।

स्थायी भवन निर्माण की दिशा में प्रयास जारी: विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने बताया कि भवन विहीन एवं जर्जर विद्यालयों की जानकारी उच्च अधिकारियों को भेजी गई है तथा स्थायी भवन निर्माण एवं आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर भवन निर्माण प्रस्तावों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है।

जिला साहू संघ चुनाव में अंजू दिनेश साहू की शानदार जीत

राजनांदगांव/नवप्रदेश। जिला साहू संघ के त्रिस्तरीय चुनाव रविवार 14 जून को शांतिपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए।

चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद महिला उपाध्यक्ष पद पर श्रीमती अंजू दिनेश साहू ने 639 मत प्राप्त कर शानदार जीत दर्ज की। उनकी इस जीत से समर्थकों एवं समाजजनों में हर्ष का माहौल है। चुनाव परिणाम सामने आते ही समाज के विभिन्न मंडलों एवं ग्रामीण क्षेत्रों से उन्हें बधाइयों का सिलसिला शुरू हो गया। समर्थकों ने उनकी जीत को समाज सेवा, सक्रियता और संगठन के प्रति समर्पण का परिणाम बताया। महिला उपाध्यक्ष पद पर मिली इस महत्वपूर्ण सफलता को साहू समाज के लिए एक सकारात्मक और प्रेरणादायक उपलब्धि माना जा रहा है। विजय के पश्चात श्रीमती अंजू दिनेश साहू ने अपनी सफलता का श्रेय जिला साहू संघ के समस्त पदाधिकारियों, समस्त तहसील साहू संघ के पदाधिकारियों, मंडल साहू समाज के पदाधिकारियों, ग्रामीण साहू समाज के पदाधिकारियों, आजीवन सदस्य मतदाताओं तथा प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी समाजजनों को दिया।

नए सत्र की शुरुआत के एक दिन पूर्व स्कूल को मिले 20 प्राचार्य

नगरी / नवप्रदेश। मगरलोड के वनांचल में स्थित सेजेस सिंगपुर की जहाँ पर नए शैक्षिक सत्र के ठीक एक दिन पूर्व स्कूल को बीस -बीस प्राचार्य मिल गए। कहानी कुछ चौकाने वाली है कि एक स्कूल को इतने सारे प्राचार्य कैसे मिल गए जबकि किसी भी स्कूल में प्राचार्य का एक ही पद स्वीकृत होता है। दरअसल यह सब सम्भव हो पाया है सेकण्ड लाइन लीडरशिप तैयार करने के लिए। सेजेस सिंगपुर में नए सत्र की शुरुआत के एक दिन पूर्व स्कूल के प्राचार्य डॉ. विश्वम्भर प्रसाद चन्द्रा ने स्कूल स्टाफके साथ लम्बी बैठक की। बैठक में वर्ष भर में किये जाने वाली शैक्षिक गतिविधियों पर न केवल कार्य योजना बनाई गई अपितु योजना के क्रियान्वयन हेतु रणनीति भी बनाई गई। एक एक योजना के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु शिक्षकों को न केवल प्रभारी बनाया गया अपितु स्टाफके बीस सदस्यों को प्राचार्य की जिम्मेदारी भी प्राचार्य ने सौंप दी गई। उन्होंने यह जिम्मेदारी सौंपते हुए स्टाफसे कहा कि यहाँ कार्यरत सभी शिक्षक प्राचार्य हैं। स्कूल हित में सभी को निर्णय लेने का हक है। उनकी अनुपस्थिति में विद्यालय का कोई भी कार्य नहीं रुकना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी शिक्षक परिवार के सदस्य हैं और सभी को परिवार के मुखिया की तरह सोचने की जरूरत है। इस क्रम में विद्यालय में चौदह प्रकार की समिति का न केवल गठन किया गया अपितु समिति के परिणाम मूलक क्रियान्वयन हेतु जिम्मेदारी भी सौंपी गई जिसे सभी शिक्षकों ने सहर्ष स्वीकार किया। शिक्षकों में से गोविंद नेताम, आर बी मारकोले, कल्याण कौशल,रीना ध्रुव,मोनिका रावटे, आर के साहू, प्रेम साहू,खिलेश्वर साहू ने प्रतिक्रिया में विद्यालय की इस गतिविधियों की प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह हमारे लिए सीखने सिखाने का बेहतर अवसर है। जब संस्था प्रमुख के द्वारा हम पर विश्वास कर हमें प्राचार्य की जिम्मेदारी दी जाती है तब हमें और भी बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है।

पीएमश्री स्कूल नगरी में कक्षा 9वीं के 79 में से 37 छात्र-छात्राएं फेल

नगरी/ नवप्रदेश। धमतरी जिले के नगरी विकासखंड अंतर्गत संचालित शासकीय श्रृंगी ऋषि एक्सीलेंस इंग्लिश मीडियम स्कूल (पीएम श्री स्कूल) में शैक्षणिक व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। वही विद्यालय में अंग्रेजीमाध्यम के साथ-साथ हिंदी माध्यम की पढ़ाई भी संचालित होती है, लेकिन हिंदी मीडियम कक्षा 9वीं के परीक्षा परिणाम ने शिक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कक्षा 9वीं में कुल 79 विद्यार्थियों में से 37 छात्र-छात्राएं अनुत्तीर्ण और कुछ पूरक हो गए हैं, जिससे पालकों और विद्यार्थियों में भारी नाराजगी देखी जा रही है।बताया जा रहा है कि कई विषयों का पाठ्यक्रम समय पर पूर्ण शायद नहीं कराया होगा जबकि परीक्षाएं समय पर हुआ ऐसे में विद्यार्थियों को पर्याप्त तैयारी का अवसर नहीं मिला वहीं परीक्षा परिणाम आने के बाद छात्र-छात्राओं के चेहरों पर निराशा साफदेखी जा रही है। कुछ पालकों का कहना है कि यदि समय पर पाठ्यक्रम पूरा कराने के बाद और नियमित पुनरावृत्ति (रिवीजन) कराई जाती, तो इतनी बड़ी संख्या में विद्यार्थी असफल नहीं होते।कुछ पालकों ने आरोप लगाया कि शासन द्वारा फरवरी माह तक पाठ्यक्रम पूर्ण कर रिवीजन कराने के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे, लेकिन विद्यालय स्तर पर इसका सही तरीके से पालन नहीं किया गया। इस संबंध में कई बार पालकों द्वारा बैठक में और व्यक्तिगत रूप से भी स्कूल प्रबंधन को अवगत कराया गया, किंतु अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। इसका परिणाम आज कक्षा 9वीं के परीक्षा परिणाम में सामने आया, जहां लगभग आधे विद्यार्थी असफल हो गए।उल्लेखनीय है कि नगरी एवं आसपास के दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों से 20 से 40 किलोमीटर दूर के ग्रामीण इलाकों से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं इस विद्यालय में अध्ययन करने आते हैं। कई विद्यार्थी छात्रावास में रहकर पढ़ाई करते हैं, जबकि छात्रावास सुविधा सीमित होने के कारण कुछ विद्यार्थी किराए के मकानों अथवा रिश्तेदारों के यहां रहकर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। कई पालक अपने बच्चों के बेहतर भविष्य और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की उम्मीद में उन्हें मुख्यालय में छोड़कर जाते हैं।ऐसी स्थिति में अधूरी पढ़ाई और कमजोर परीक्षा परिणाम ने पालकों की चिंता और बढ़ा दी है। उनका कहना है कि बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

पवार ट्रेडर्स और कृषि केंद्र बेलरगांव में 30 टन खाद जब्त, बिक्री पर रोक

■ बेलर अंचल कई कृषि केंद्रों को नियमों उल्लंघन करने पर नोटिस जारी

नगरी/ नवप्रदेश। खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ किसानों के लिए उर्वरकों की मांग बढ़ने लगी है। इसी बीच धमतरी जिले के नगरी विकासखंड अंतर्गत बेलरगांव अंचल में खाद के भंडारण एवं विक्रय मेंअनियमितताओं की शिकायत मिलने पर कृषि विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। जांच के दौरान बेलरगांव स्थित पवार ट्रेडर्स एवं कृषि केंद्र में मिस ट्रेडिंग (अनियमित विक्रय) के मामले में लगभग 30 टन खाद जब्त कर उसके विक्रय पर तत्काल रोक लगा दी गई।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को बेलरगांव क्षेत्र में एक निजी कृषि केंद्र द्वारा बड़ी मात्रा में जैविक खाद का भंडारण किए जाने की सूचना कृषि विभाग को प्राप्त हुई थी। मौके पर पहुंची टीम ने पाया कि कई खाद की बोरियों पर बैच नंबर तथा अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) अंकित नहीं था, जिससे खाद की गुणवत्ता एवं वैधता को लेकर संदेह की स्थिति निर्मित हो गई।

कृषि विकास अधिकारी नगरी लाकेश कुमार साहू ने बताया कि मामले की जानकारी उच्च अधिकारियों को भेजी गई थी, जिसके बाद उपसंचालक कृषि धमतरी मोनेश साहू के निर्देशन में संयुक्त जांच दल का गठन कर शनिवार को बेलरगांव, भुरसीडोंगरी एवं घुरावड़ स्थित विभिन्न कृषि केंद्रों का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान घुरावड़ स्थित के.के. कृषि केंद्र में वितरण रजिस्टर में अनियमितता पाए जाने पर संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। एक अन्य कृषि केंद्र में नामपट्ट, मूल्य सूची एवं लाइसेंस सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित नहीं पाए जाने पर भी नोटिस जारी किया गया। भुरसीडोंगरी स्थित मां कर्मा कृषि केंद्र में कृषि व्यवसाय के लिए स्वीकृत परिसर में हार्डवेयर दुकान संचालित होने का मामला सामने आया, जिसे विभाग ने गंभीरता से लेते हुए नोटिस जारी किया है।

बेलरगांव स्थित पवार ट्रेडर्स एवं कृषि केंद्र में मिस ट्रेडिंग के मामले में लगभग 30 टन खाद जब्त कर उसके विक्रय पर रोक लगाने की कार्रवाई की गई। वहीं जय किसान कृषि केंद्र बेलरगांव में भी मिस ट्रेडिंग खाद की जब्ती की कार्रवाई की गई तथा मूल्य विवरण सूची प्रदर्शित नहीं करने पर नोटिस जारी किया गया।

कृषि विभाग की टीम ने क्षेत्र के सभी प्रमुख कृषि केंद्रों का निरीक्षण कर दस्तावेजों एवं खाद भंडारण की जांच की। कृषि विभाग के अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

रंजना साहू की अनुशंसा पर डिपोपारा सामुदायिक भवन विकास के लिए 15.97 लाख की स्वीकृति

धमतरी / नवप्रदेश। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं धमतरी की पूर्व विधायक श्रीमती रंजना डीपेंद्र साहू की अनुशंसा एवं सतत प्रयासों से धमतरी नगर निगम क्षेत्र के सोरिद वार्ड स्थित डिपोपारा सामुदायिक भवन के विकास कार्यों के लिए 15 लाख 97 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस स्वीकृति से क्षेत्र के नागरिकों को सामुदायिक भवन में बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। स्वीकृत राशि से सामुदायिक भवन परिसर में बोर खनन, शौचालय निर्माण, बाउंड्रीवॉल तथा शेड निर्माण जैसे महत्वपूर्ण विकास कार्य कराए जाएंगे। इन सुविधाओं के विकसित होने से भवन का उपयोग सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों के लिए और अधिक सुविधाजनक एवं उपयोगी हो सकेगा। श्रीमती रंजना साहू ने बताया कि डिपोपारा क्षेत्र के रहवासियों द्वारा लंबे समय से सामुदायिक भवन में आवश्यक सुविधाओं के विस्तार की मांग की जा रही थी।

क्षेत्रवासियों की इस आवश्यकता को गंभीरता से लेते हुए उन्होंने शासन स्तर पर विषय को प्रमुखता से रखा और लगातार प्रयास किए, जिसके परिणामस्वरूप यह स्वीकृति प्राप्त हुई है। उन्होंने कहा कि अपने विधायक कार्यकाल में उन्होंने क्षेत्रवासियों को सामुदायिक भवन की सौगात दी थी, और अब उसके विकास एवं सुविधाओं के विस्तार के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इस महत्वपूर्ण स्वीकृति के लिए श्रीमती साहू ने छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री एवं नगरीय प्रशासन मंत्री माननीय श्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया।

कन्हैया साहू 'अमित' को मिला उत्तराखंड में बाल साहित्य सम्मान

भाटापारा / नवप्रदेश। नगर के शिक्षक एवं बाल साहित्यकार कन्हैया साहू 'अमित' को उनकी बाल साहित्य कृति 'बाल कथा कल्याणी' के लिए प्रतिष्ठित 'बृजमोहन पांडेय बाल साहित्य सम्मानङ्क2026' से सम्मानित किया गया। यह सम्मान बाल साहित्य संस्थान, अल्मोड़ा द्वारा 12 जून को डीडीहाट, जिला पिथौरागढ़ (उत्तराखंड) में आयोजित गरिमामय समारोह में प्रदान किया गया।

बाल प्रहरी बाल साहित्य सम्मान के लिए देशभर के बाल साहित्यकारों से पुस्तकों की प्रविष्टियाँ आमंत्रित की गई थीं। इस वर्ष प्रतियोगिता में 55 बाल साहित्य कृतियाँ सम्मिलित हुईं। चयन प्रक्रिया की विशेषता यह रही कि अल्मोड़ा जनपद के तीन विद्यालयों के 165 बाल पाठकों से इन पुस्तकों का अध्ययन कराकर मूल्यांकन कराया गया। इसके अतिरिक्त 280 बाल पाठकों ने भी इन कृतियों का पठन किया।

सोढ़ूर में फिर सक्रिय हुआ तेंदुआ, बछड़े का किया शिकार, ग्रामीणों में दहशत

नगरी / नवप्रदेश। धमतरी जिले के नगरी विकासखंड के अंतिम छोर स्थित सोढ़ूर क्षेत्र में कुछ महीनों के अंतराल के बाद एक बार फिर तेंदुए की सक्रियता बढ़ने लगी है। तेंदुए द्वारा पालतू पशुओं का शिकार किए जाने की घटनाएं सामने आने से ग्रामीणों में भय और असुरक्षा का माहौल व्याप्त है। ताजा मामले में तेंदुए ने ग्राम सरपंच जीवन नाग के घर के आश्रम पारा मेचका से लगभग करीब 200 मीटर की दूरी पर एक छोटे बछड़े का शिकार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। ग्रामीणों के अनुसार

क्षेत्र में यह तेंदुए द्वारा किया गया पांचवां शिकार बताया जा रहा है।ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुआ अक्सर सड़क किनारे बैठे गाय, बैल एवं अन्य पालतू पशुओं को अपना निशाना बना रहा है। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और निगरानी के लिए ट्रैप कैमरा लगाया। अगले दिन सुबह लगभग 9 बजे कैमरे में कैद तस्वीरों और घटनास्थल के निरीक्षण से यह स्पष्ट हुआ कि मृत बछड़े को तेंदुआ घसीटकर दूसरी जगह ले गया था। ट्रैप कैमरे में तेंदुए की स्पष्ट तस्वीरें भी दर्ज हुई हैं, जिससे उसकी मौजूदगी की पुष्टि हो गई है। ग्राम सरपंच जीवन नाग ने बताया कि लगातार हो रही शिकार की घटनाओं से ग्रामीणों में डर का माहौल है। लोग रात के समय घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं तथा बच्चों और पशुओं की सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं।

हमर ठीहा सियान गुड़ी का शुभारंभ

नगरी / नवप्रदेश। नगर पंचायत नगरी स्थित यादव भवन में इंदु फ्यूचर विंग्स फाउंडेशन द्वारा वरिष्ठ नागरिकों के लिए संचालित विशेष डे-केयर सेंटर ÷हमर ठीहा ङ्क सियान गुड़ी÷ का शुभारंभ नगर पंचायत अध्यक्ष बलजीत छाबड़ा के करकमलों से किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों एवं नगर के वरिष्ठजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में एकल परिवार व्यवस्था, रोजगार के लिए युवाओं का बड़े शहरों की ओर पलायन तथा व्यस्त जीवनशैली के कारण अनेक वरिष्ठ नागरिक दिन के समय अकेलेपन और उपेक्षा का सामना कर रहे हैं। ऐसे समय में ÷हमर ठीहा ङ्क सियान गुड़ी÷ जैसी पहल वरिष्ठजनों के लिए एक नया सहारा और आत्मीय मंच साबित होगी। फाउंडेशन द्वारा संचालित इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षित, सम्मानजनक एवं पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराना है।

निषाद समाज को मिली 15 लाख के सामुदायिक भवन की सौगात

■ विधायक दीपेश साहू ने किया लोकार्पण, हाईमास्ट लाइट का भी शुभारंभ

बेमेतरा / नवप्रदेश। नगर पालिका परिषद बेमेतरा अंतर्गत निषाद समाज को एक महत्वपूर्ण सौगात मिली है। समाज के लिए निर्मित नवीन सामुदायिक भवन का लोकार्पण मंगलवार को विधायक दीपेश साहू के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

15 लाख रुपये की लागत से निर्मित इस भवन के साथ क्षेत्र में

बेहतर प्रकाश व्यवस्था हेतु हाईमास्ट लाइट की भी स्थापना की गई है। कार्यक्रम में नगर पालिका परिषद बेमेतरा के अध्यक्ष विजय सिन्हा अध्यक्षता कर रहे थे। समारोह में निषाद समाज के जिला अध्यक्ष दिलीप निषाद, भाजपा शहर अध्यक्ष युगल देवांगन, लोक निर्माण विभाग सभापति पंचू साहू, पार्षद खिलेश्वरी शिव पाटिल, भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष एवं निषाद समाज संगठन सचिव रेवाराम निषाद सहित जनप्रतिनिधि, समाज के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे। लोकार्पण समारोह के दौरान ÷एक पेड़ मां के नाम÷ अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण भी किया गया। उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का संकल्प लिया।

विडंबना: दोनों छात्रावास में 80 अधिक शीट खाली, 2025 में 163 छात्र ही उपस्थित रहे

250 सीटर अजजा बालक व बालिका छात्रावास में सीटें खाली

■ नगरी अंचल कई छात्रावासों में शीट खाले थे

नगरी/नवप्रदेश। नगरी विकासखंड मुख्यालय में शासन द्वारा आदिवासी समाज के गरीब एवं दूरस्थ वनांचल क्षेत्रों के विद्यार्थियों की शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 250 सीटर अनुसूचित जनजाति बालक एवं बालिका छात्रावास का निर्माण किया गया है। इस छात्रावास का मुख्य उद्देश्य यह है कि विकासखंड के अंतिम छोर के गांवों से आने वाले छात्र यहां रहकर बेहतर वातावरण में अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें और शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ सकें।

शासन की मंशा है कि आर्थिक रूप से कमजोर एवं दूरस्थ क्षेत्रों के छात्र आवासीय सुविधा के अभाव में शिक्षा से वंचित न रहें। इसी उद्देश्य से नगरी मुख्यालय में विशाल छात्रावास भवन तैयार किया गया, ताकि छात्र सुरक्षित वातावरण में रहकर नियमित अध्ययन कर सकें। लेकिन वर्तमान स्थिति यह है कि छात्रावास की सभी सीटें अभी तक पूर्ण रूप से नहीं भर पाई हैं।

जानकारी के अनुसार वर्ष 2025 में 250 सीटर छात्रावास में केवल 163 छात्र ही उपस्थित रहे, जबकि लगभग 87 सीटें खाली पड़ी रहीं। इतनी बड़ी संख्या में सीटें रिक्त रहने से शासन की मंशा पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि दूरस्थ गांवों में सही जानकारी पहुंचाई जाए और विद्यार्थियों के पालकों को छात्रावास की सुविधाओं के बारे में बताया जाए, तो अधिक संख्या में छात्र यहां प्रवेश ले सकते हैं।ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों का कहना है कि वनांचल क्षेत्र के कई ऐसे गांव हैं, जहां आज भी छात्र शिक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कई बच्चे लंबी दूरी तय कर स्कूल पहुंचते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित होती है। ऐसे में छात्रावास की खाली सीटों को भरना बेहद आवश्यक है, ताकि जरूरतमंद छात्रों को इसका सीधा लाभ मिल सके। स्थानीय समाजसेवियों ने भी प्रशासन से मांग की है कि नए शिक्षा सत्र में छात्रावास की सभी सीटों को भरने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए।

गांव-गांव में सूचना पहुंचाई जाए तथा पात्र विद्यार्थियों का शीघ्र प्रवेश सुनिश्चित किया जाए, जिससे शासन की महत्वाकांक्षी योजना का पूरा लाभ आदिवासी समाज के बच्चों को मिल सके।अब देखना यह होगा कि नए सत्र में 250 सीटर अनुसूचित जनजाति बालक छात्रावास की सभी सीटें भर पाती हैं या फिर इस वर्ष भी बड़ी संख्या में सीटें खाली रह जाती हैं। यह न केवल प्रशासन के लिए चुनौती है, बल्कि शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण विषय भी।

साईको सोशल काउंसलर पद पर वॉक-इन-इंटरव्यू 30 जून को

बेमेतरा / नवप्रदेश। महिला एवं बाल विकास विभाग, नवा रायपुर अटल नगर के निर्देशों के परिपालन में भारत शासन एवं छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना सखी वन स्टॉप सेंटर, बेमेतरा के संचालन हेतु सेवाप्रदाता की नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए पात्र महिला आवेदकों से वॉक-इन-इंटरव्यू के माध्यम से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।जिला कार्यक्रम अधिकारी, महिला एवं बाल विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार सखी वन स्टॉप सेंटर का संचालन नवीन वित्तीय मापदंड एवं मानव संसाधन प्रावधानों के अनुरूप किया जा रहा है। केंद्र में दैनिक कार्यों के संचालन एवं संबंधित दायित्वों के निर्वहन के लिए साईको सोशल काउंसलर के एक पद पर नियुक्ति की जाएगी।

रहस्यमयी बुखार से एक वर्ष से जूझ रही युवती को सिम्स में मिला नया जीवन

बिलासपुर/नवप्रदेश। लगभग एक वर्ष से लगातार बुखार, कमजोरी एवं रात में अत्यधिक पसीना आने जैसी गंभीर समस्याओं से परेशान एक युवती को सिम्स अस्पताल के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग में सही निदान एवं उपचार मिलने से राहत मिली है। कई निजी अस्पतालों एवं जिला अस्पताल में उपचार के बावजूद बीमारी का कारण स्पष्ट नहीं हो पा रहा था, लेकिन सिम्स में की गई उन्नत ब्रांकोस्कोपी जांच से बीमारी की वास्तविक वजह सामने आ गई।

ब्रांकोस्कोपी जांच में पहली बार सामने आया टीबी का कारण

गोंडपारा निवासी 24 वर्षीय युवती 12 जून को सिम्स के रेस्पिरेटरी मेडिसिन विभाग की ओपीडी में पहुंची। मरीज की जांच डॉ. प्रतीक कुमार, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष,के निदेशन मे डॉ. अनिल कुमार डनसेना, सहायक प्राध्यापक, के द्वारा ब्रोंकोस्कोपी किया गया। डॉ. आकांक्षा गुप्ता, वरिष्ठ रेजिडेंट एवं उनकी टीम भी साथ रहे। प्रारंभिक परीक्षण में मरीज ने बताया कि वह पिछले लगभग एक वर्ष से बार-बार बुखार आने, कमजोरी महसूस होने तथा रात में अत्यधिक पसीना आने जैसी समस्याओं से पीड़ित थी। कई स्थानों पर उपचार कराने के बाद भी उसकी स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ। चिकित्सकों द्वारा एक्स-रे एवं सीटी स्कैन जांच कराई गई, जिसमें फेफड़ों के विभिन्न हिस्सों में निमोनिया के लक्षण दिखाई दिए। बीमारी के कारणों की पुष्टि के लिए बलगम की जांच कराई गई, लेकिन रिपोर्ट निगेटिव आई। इसके बाद विशेषज्ञों ने ब्रांकोस्कोपी करने का निर्णय लिया। दूरबीन आधारित इस आधुनिक जांच प्रक्रिया के माध्यम से फेफड़ों के प्रभावित हिस्सों की गहन जांच की गई तथा वहां से नमूने लेकर सीबीनाट जांच हेतु भेजे गए। जांच रिपोर्ट में तपेदिक (टीबी) की पुष्टि हुई। बीमारी की सही पहचान होने के बाद तत्काल उपचार प्रारंभ किया गया और मरीज की स्थिति में सुधार होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

टीबी आज भी देश में महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य चुनौतीः डॉ. मूर्ति

सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि टीबी आज भी देश में एक महत्वपूर्ण जनस्वास्थ्य चुनौती है। कई बार यह बीमारी सामान्य लक्षणों और रहस्यमयी बुखार के रूप में सामने आती है तथा प्रारंभिक जांचों में पकड़ में नहीं आती। ऐसे मामलों में ब्रांकोस्कोपी एवं सीबीनाट जैसी उन्नत जांच तकनीकें रोग की पहचान में अत्यंत उपयोगी सिद्ध होती हैं। उन्होंने कहा कि समय पर सही निदान से मरीजों को गंभीर जटिलताओं से बचाया जा सकता है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को लंबे समय तक बुखार, कमजोरी, वजन घटना, लगातार खांसी या रात में पसीना आने जैसी शिकायतें हों तो उसे हल्के में नहीं लेना चाहिए। ऐसे लक्षण टीबी सहित कई गंभीर बीमारियों के संकेत हो सकते हैं। समय पर विशेषज्ञ चिकित्सक से परामर्श एवं आवश्यक जांच कराने से बीमारी का शीघ्र निदान और सफल उपचार संभव है। सिम्स अस्पताल में उपलब्ध आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं एवं विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम जटिल रोगों के निदान एवं उपचार में निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रही है, जिससे क्षेत्र के मरीजों को उच्च स्तरीय स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

नवीन शिक्षण सत्र के पहले ही दिन यातायात की पाठशाला, सुरक्षा मानको व मापदंडों की पालन करने विद्यार्थियों को दी गई समझाइश

छोटी सी चूक गंभीर दुर्घटना का कारण, सड़क में हमेशा पूरी सावधानी बरतेंः एएसपी करियारे

बिलासपुर/नवप्रदेश। विद्यालयो के नवीन शिक्षण सत्र का 16 जून से शुभारंभ हुआ। स्कूलों के खुलते ही यातायात बिलासपुर के द्वारा शैक्षणिक संस्थानों में यातायात के प्रति देश के भावी नागरिक अर्थात विद्यार्थियों को जागरूक करना प्रारंभ कर दिया है। बिलासपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं उप पुलिस महानिरीक्षक रजनेश सिंह के दिशा निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक यातायात रामगोपाल करियारे के विशेष मार्गदर्शन में आज नवीन शिक्षण सत्र के प्रथम दिवस से ही स्थानीय ड्रीमलैंड हायर सेकेंडरी स्कूल सरकंडा में 'यातायात की पाठशाला' का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में यातायात के एडिशनल एसपी रामगोपाल करियारे ने कहा कि प्रायः सड़क में हमारी छोटी सी चूक गंभीर सड़क दुर्घटना का रूप ले लेती है इसलिए सड़क में हमें हमेशा पूरी पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। सुरक्षा मानकों के प्रति हमेशा हमें गंभीर होना चाहिए। यातायात के नियमों के प्रति हमेशा शत प्रतिशत निष्ठावान होना चाहिए। इसी क्रम में यातायात के मास्टर ट्रेनर पूर्व सब इंस्पेक्टर उमाशंकर पांडे ने विद्यार्थियों के बड़े समूह को सड़क में चलने के नियम, यातायात संकेत, सड़क दुर्घटना के कारण निवारण तथा गुड सेमीरिटन अर्थात राहवीर योजना के संबंध में बारीकी से बताया। साथ ही आईटीएमस के संबंध में भी विद्यार्थियों को समझाते हुए कहा कि यदि बेटे-बेटियां ठान ले तो सड़क दुर्घटना में काफी हद तक गिरावट आ सकती है। क्योंकि माता-पिता अपने बेटे-बेटियों के प्रति बहुत ही संजीदा होते हैं उनका कहा हर माता-पिता आवश्यक मानते हैं इसलिए यातायात अंतर्गत दुर्घटना को रोकने में उनकी अहम भूमिका हो सकती है। यातायात पुलिस बिलासपुर की यातायात की पाठशाला के माध्यम से जिले के समस्त नागरिकों को सड़कों पर चलते हुए सदैव सुरक्षा मानकों एवं मापदंडों के पालन करने हेतु छात्र-छात्राओं के माध्यम से विशेष संदेश देने का प्रयास किया गया। इस दौरान समस्त नागरिकों से अपील भी की गई कि सड़कों पर चलते हुए सदैव यातायात नियमों का पालन करें, वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट अवश्य लगावे, शराब एवं नशे का सेवन कर कदापि वाहन न चलावे, मोबाइल का उपयोग करते हुए वाहन ना चलावे, तेजी एवं लापरवाही पूर्वक वाहन ना चलावे, सड़कों पर स्टंट बाजी या खतरनाक ड्राइविंग से बचें, रॉन्ग साइड या गलत लेन में वाहन ना चलावें, सुरक्षा संकेत व सिग्नल का पालन अवश्य करें, तय गति सीमा से अधिक गति से वाहन ना चलाएं, माल वाहक वाहनों में यात्री सवारी न करें तथा अन्य अनेक यातायात नियमों की पालन करने हेतु छात्र-छात्राओं को प्रेरित करते हुए आम नागरिकों के लिए संदेश प्रसारित की गई।

छात्र-छात्राओं को बनाया गया ब्रांड एंबेसडर

इस दौरान स्कूल के समस्त छात्र-छात्राओं को यातायात पुलिस बिलासपुर के द्वारा ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करते हुए अपने आसपास यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के बारे में यातायात पुलिस बिलासपुर को सूचित करने तथा विशेष करके शराब सेवन कर वाहन चलाने वालों एवं अन्य लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाने वालों की जानकारी प्रदान करने के संबंध में छात्र-छात्राओं को जागरूक किया गया। स्कूलों में विशेष करके नाबालिग बच्चों के द्वारा बिना लाईसेंस एवं बिना ड्राइविंग अनुभव के वाहन चालन की प्रवृत्ति पर रोक लगाई जाने हेतु छात्र-छात्राओं को विशेष रूप से इसके दुष्परिणामों के बारे में अवगत कराई गई तथा नाबालिगों के द्वारा उल्लंघन किए जाने की स्थिति में उनके माता-पिता को भी यातायात नियमों की उल्लंघन एवं अन्य आपराधिक प्रकरण में न्यायालय के न्यायिक प्रक्रियाओं का सामना करना पड़ सकता है इस संबंध में व्यापकता एवं विस्तार के साथ समझाइश दी गई। कार्यक्रम में यातायात सड़क सुरक्षा समिति के वरिष्ठ सदस्य अशोक श्रीवास्तव, संस्था की प्राचार्य निवेदिता सरकार एवं दिव्या राजपूत सहित बड़ी संख्या में शिक्षिकाएँ उपस्थित रही। छात्र-छात्राओं को कार्यक्रम के समापन से पूर्व हमेशा यातायात नियम के प्रति निष्ठावान होने की शपथ भी दिलाई गई।

बिना वजह 6 साल की देरी प्रताड़ना के समानः हाईकोर्ट

एफआईआर और चार्जशीट खारिज, महिला पत्रकार को मिला न्याय

बिलासपुर/नवप्रदेश। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने कहा कि बिना किसी ठोस वजह के जांच और चार्जशीट में 6 साल से अधिक की देरी करना आरोपी को प्रताड़ित करने जैसा है। यह संविधान के आर्टिकल 21 के तहत मिलने वाले जल्द सुनवाई के अधिकार का सीधा उल्लंघन है। इस टिप्पणी के साथ ही डिवीजन बेंच ने महिला पत्रकार के खिलाफ दर्ज एफआईआर और चार्जशीट को निरस्त कर दिया है।

दरअसल बिलासपुर के सरकंडा निवासी याचिकाकर्ता श्रिया पांडेय साल 2018 में एक न्यूज चैनल में बतौर रिपोर्टर काम कर रही थीं। तब पुलिसकर्मियों का आंदोलन चल रहा था। इस दौरान 20 जून 2018 को पुलिस अफसरों ने आंदोलनकारी पुलिसकर्मियों की पत्नी को महिला थाने में बैठा लिया था। आरोप है कि जब उन्होंने पुलिस से इस मामले में जानकारी मांगी, तो पुलिसकर्मियों ने सहयोग करने के बजाय उनके साथ मिसबिहेव किया। बाद में पुलिस ने उनके खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा डालने (धारा 186, 353), मारपीट (धारा 323) और मिलीभगत (धारा 34) के तहत झूठा केस दर्ज कर दिया था। पुलिसिया कार्रवाई के खिलाफ श्रिया पांडेय ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई थी। इस मामले की सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने पाया कि घटना 2018 की है, जबकि पुलिस ने चार्जशीट नवंबर 2024 में पेश की। इस 6 साल की लंबी देरी का पुलिस विभाग के पास कोई संतोषजनक जवाब नहीं था। सभी पक्षों को सुनने के बाद फैसले में हाईकोर्ट ने कहा कि केस डायरी और चार्जशीट देखने से साफ है कि पूरा मामला सिर्फ पुलिसकर्मियों और उनके जुड़े हुए गवाहों के बयानों पर टिका है, मौके पर कोई भी स्वतंत्र गवाह मौजूद नहीं था।

आपसी विवाद में पत्थर से कुचलकर युवक की हत्या, 2 सगे भाई गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। मंगलवार सुबह युवक का खून से लथपथ शव मिला। इस मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो सगे भाई हैं। जांच में सामने आया है कि आपसी विवाद और गाली-गलौज के चलते युवक की बेरहमी से पत्थर मारकर हत्या की गई थी। मामला सिरगिट्टी थाना क्षेत्र के वार्ड नंबर-46 नयापारा गणेश नगर का है।

दरअसल सुबह स्थानीय लोगों ने गणेन नगर में रहने वाले इरफान बघीरा 26 वर्ष का शव गली में पड़ा देखा था। आसपास भारी खून फैला हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। मौके से पुलिस को दो बड़े सीमेंटनुमा पत्थर भी मिले थे, जिनसे वार कर हत्या किए जाने की आशंका जताई गई थी। इरफान के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से कई अहम सबूत एकत्र किए। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ-साथ स्थानीय लोगों से पूछताछ भी शुरू की। पुलिस जांच में सामने आया है कि इरफान बघीरा और नदीम खान, नईम खान के बीच गाली-गलौज को लेकर विवाद हुआ था। यही विवाद बाद में हिंसक झगड़े में बदल गया। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दोनों भाईयों को गिरफ्तार किया है।

खड़े ट्रक से चार टायर डिस्क पार, जांच में जुटी पुलिस

बिलासपुर/नवप्रदेश। हिर्री थाना क्षेत्र के ग्राम झल्फा स्थित विश्वकर्मा गैरेज में खड़े एक ट्रक के चार टायर डिस्क सहित चोरी होने का मामला सामने आया है। वाहन मालिक की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 303(2) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार प्रार्थी दीपक सिंह मरकाम पिता रूपचंद्र मरकाम 36 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 08 महमंद, थाना तोरवा, जिला बिलासपुर ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनका छह चक्का ट्रक क्रमांक सीजी 04 पीएच 0757 दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद मरम्मत के लिए ग्राम झल्फा स्थित विश्वकर्मा गैरेज में खड़ा किया गया था। प्रार्थी के मुताबिक, 9 जून की रात करीब 8 बजे उन्होंने गैरेज जाकर ट्रक को देखा था। इसके बाद 10 जून की सुबह करीब 9 बजे गैरेज संचालक अनुप विश्वकर्मा ने फोन कर बताया कि ट्रक के चारों टायर डिस्क सहित गायब हैं। सूचना मिलने पर उन्होंने मौके पर पहुंचकर जांच की, जहां ट्रक के चार टायर नहीं मिले। चोरी हुए टायर जेके कंपनी के 9/20 साइज के थे, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 80 हजार रुपये बताई गई है। शिकायत के आधार पर हिर्री पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू कर दी है।

आयोजनः जनप्रतिनिधियों, चिकित्सक और शिक्षाविदों ने बच्चों को नियमित अध्ययन, अनुशासन और उज्ज्वल भविष्य के लिए किया प्रेरित

उत्साह के साथ मनाया गया शाला प्रवेशोत्सव

सीपत/नवप्रदेश। बहुद्देशीय उच्चतर माध्यमिक शाला खम्हरिया में मंगलवार को नए शिक्षा सत्र के शुभारंभ अवसर पर शाला प्रवेशोत्सव हर्षोल्लास एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। विद्यालय परिसर बच्चों की मुस्कान और उत्साह से गुलजार नजर आया।

कार्यक्रम में ग्राम की उपसरपंच बुधवारा देवी साहू, आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. गरिमा पटेल तथा विद्यालय के संचालक अहमद मोमिन विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा का महत्व बताते हुए नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं संस्कारों के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उपसरपंच बुधवारा देवी साहू ने कहा कि विद्यालय ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखता है। अभिभावकों और शिक्षकों के संयुक्त प्रयास से बच्चे जीवन में बड़ी सफलताएं प्राप्त कर सकते हैं। सभी बच्चों को नियमित रूप से विद्यालय आकर मन लगाकर पढ़ाई करनी चाहिए। आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. गरिमा पटेल ने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ अच्छा स्वास्थ्य भी सफलता की कुंजी है। बच्चों को संतुलित आहार, स्वच्छता और नियमित दिनचर्या अपनानी चाहिए, ताकि वे शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहकर बेहतर प्रदर्शन कर सकें। संचालक अहमद मोमिन ने कहा कि शाला प्रवेशोत्सव केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों को नई उड़ान देने का अवसर है। विद्यालय परिवार प्रत्येक विद्यार्थी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, संस्कार और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर प्राचार्य बलराम यादव, एन.के. मरावी, राजेश कुमार, श्रिया यादव, अलका, राजकुमारी गंधर्व, केपी वस्त्रकार, एस.एल. टेंगवर, प्रधानपाठिका शोभा केवट, ईशा, सरिता ठाकुर, सत्या केवट, शशि श्रीवास, तृप्ति उपस्थित थे।

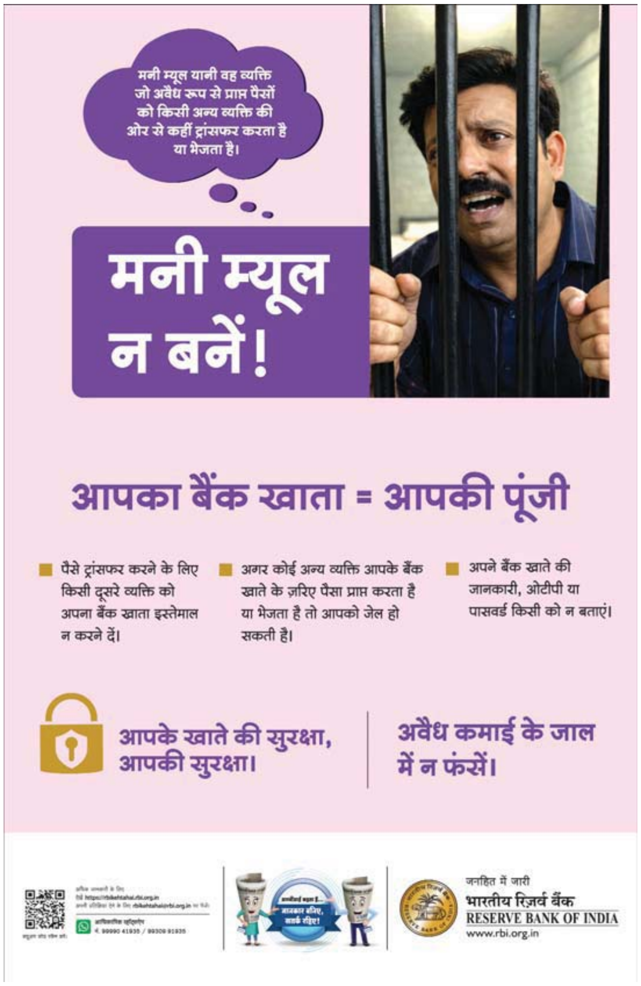

सुविचार

अगर कोई आपसे खुश नहीं है तो इसकी परवाह मत करो। आप दुनिया में किसी का मनोरंजन करने नहीं अपनी जिंदगी अपने हिसाब से जीने के लिए आए हैं।

शांति समझौता ; संशय दूर होना जरूरी

अमेरिका और ईरान के बीच पिछले चार माह से चल रही लड़ाई के भीषण युद्ध में तब्दील होने की आशंका के बीच दोनों देशों में शांति समझौते पर सहमति बनना भारत सहितआधी दुनिया को भारी राहत देने वाली पहल है। बशर्ते इसे लेकर अभी भी जो संशय है वह दूर हो और यह समझौता हस्ताक्षरित हो जाए। जो 19 जून को जिनेवा में होना प्रस्तावित है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस चौदह सूत्रीय सहमति पत्र का खुलासा करते हुए कहा है कि अमेरिका और ईरान के बीच समझौता पूरा हो चुका है जिस पर अब सिर्फ हस्ताक्षर होना बाकी है। इसके बाद होर्मूज को सभी जहाजों के लिए खोल दिया जाएगा। जहां पिछले साढ़े तीन महीने से तेल व गैस से भरे सैंकड़ों जहाज फंसे हुए हैं। तेल व गैस की आपूर्ति न होने की वजह से आधी दुनिया में तेल व गैस की किल्लत मची हुई है। नतीजतन वहां महंगाई परवान चढ़ रही है और उनकी अर्थव्यवस्था लड़खड़ाने लगी है। इन देशों के लिए गेहूं के साथ घुन पीसने वाली कहावत चरितार्थ हो रही थी। अब होर्मूज के खुल जाने से तेल और गैस की आपूर्ति पूर्ववत होने लगेगी। हालांकि इसमें भी महीनों का समय लगेगा। बहरहाल अमेरिका को बढ़ते वैश्विक दबाव के आगे झुकना पड़ा और ईरान की अधिकांश शर्तों पर सहमति देनी पड़ी। इसके पूर्व डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को लगातार धमकी देकर उसे झुकाने की भरपूर कोशिश की थी लेकिन ईरान ने अमेरिका के दबाव के आगे नतमस्तक होने से न सिर्फदो टूक शब्दों में इंकार किया बल्कि अमेरिका के वार पर पलटवार करके यह साबित कर दिया कि वह आर पार की लड़ाई के लिए तैयार है। आखिरकार मरता क्या नही करता की तर्ज पर डोनाल्ड ट्रंप को ही झुकना पड़ा। चौदह सूत्रीय समझौते को देखकर ही लगता है कि इसमें अमेरिका का नहीं बल्कि ईरान का पलड़ा भारी रहा है। अब यदि सब कुछ ठीक रहा और डोनाल्ड ट्रंप अपनी जुबान पर काबू रख पाए तो यह समझौता हस्ताक्षरित भी हो जाएगा और कम से कम छह माह तक तो मिडिल ईस्ट में शांति बनी रहेगी जब तक ईरान के परमाणु कर्यक्रम को लेकर दोनों के बीच समझौता नहीं हो जाता। इस समझौते को लेकर संशय इसलिए भी है कि इजराइल इस समझौते के सख्त खिलाफहै। इजराइल के प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू ने स्पष्ट कहा है कि इजराइल इस समझौते को मानने के लिए बाध्य नहीं है। हम अमेरिका के गुलाम नहीं है जो इस समझौते पर अपनी सहमति की मुहर लगा दें। इजराइल आपनी संप्रभुता की रक्षा करने के लिए स्वतंत्र है। इजराइल का कहना है कि वह लेबनान, सीरिया और गाजा पट्टी से अपनी सेना नहीं हटाएगा और वहां के इजराइल विरोधी आतंकवादियों के खिलाफ अपना अभियान जारी रखेगा। इस बात को लेकर डोनाल्ड ट्रंप और बैंजामिन नेतन्याहू के बीच कई बार तीखी बहस हो चुकी है। फिर भी नेतन्याहू अपने फैंसले पर अडिग हैं क्योंकि इजराइल में जल्द ही चुनाव होना है ऐसे में इस समझौते पर हामी भरने का खामियाजा नेतन्याहू को चुनाव में भुगतना पड़ सकता है। बहरहाल उम्मीद की जानी चाहिए कि इस समझौते पर जो संशय के बादल मंडरा रहे हैं वह छटे और मिडिल ईस्ट में शांति स्थापित हो।

सदगुरू बोधामृतम

सदगुरू ऋतेश्वर

जीवन में कितने शास्त्रों, शब्दों का संग्रह किया गया है यह महत्वपूर्ण नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि हमारे दैनिक जीवन में, सामाजिक जीवन में, छोटे से किसी कार्य में हम उसका प्रकाश कर पाए की नहीं। स्मति सदा ईश्वर की रखना और विस्मति सदा दूसरों की भूल की रखना। 15 जब तक आज्ञा चक्र पर गुरु का ध्यान करते हुए इस आज्ञा चक्र को खोलकर त्रिनेत्र नहीं खोलोगे, तब तक न चिन्मय वश्न्दावन का दर्शन होगा और न ही राधा माधव का दर्शन होगा। कि वार कि धर्मानुकुल आचरण किसी परिस्थिति में मत छोड़ना और न कभी आचरण करने में संशय करना।शास्त्र कहता है, कर्मों के फल को मिटाया नहीं जा सकता किन्तु उन फल के प्रति हमारी प्रतिक्रिया कैसी है यह वर्तमान में हमें निर्णय करना है।

आज का इतिहास

नई दिल्ली(वार्ता)। 1917 - महात्मा गांधी ने साबरमती आश्रम में हृदय कुंज को अपना आवास बनाया। 1963: अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने स्कूलों में बाइबिल के आवश्यक पठन पर पाबंदी लगाई। 1947 बर्मा ने खुद को गणतंत्र घोषित किया। 1994 - उत्तरी कोरिया अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को अपने देश में बने रहने देने को सहमत। 1980 : अमेरिका ने अपनी 160 परमाणु मिसाइल को ब्रिटेन में रखने का ऐलान किया, ताकि किसी भी संकट की स्थिति में इनका इस्तेमाल किया जा सके। 1999 - लेकेव जुमा द. अफ्रीका के उपराष्ट्रपति नियुक्त, कारगिल में चल रहे युद्ध के मद्देनजर आई.एस.आई. द्वारा कारगिल जेहाद फ़ंड की स्थापना। 2001 - नेपाल शाही परिवार हत्या प्रकरण में डॉक्टर ने कहा कि दीपेन्द्र के खून में शराब का अंश नहीं था। 2002 कराची में अमेरिकी वाणिज्य दूतावास पुनः खोला गया। 2003 फ्रांस में 165 ईरानी आतंकवादी गिरफ्तार। 2004 - मंगल पर पृथ्वी की चट्टानों से मिलते-जुलते पत्थर मिले। बगदाद में सेना की भर्ती केन्द्र पर विस्फोट में 42 मरे तथा 127 घायल। 2008 - देश में विकसित हल्के लड़ाकू विमान 'तेज़स' का बंगलौर में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। रूस ने 2012 तक अपने विनाशकारी रासायनिक हथियारों का जखीरा नष्ट करने की दिशा में क़दम बढ़ाया। कनाडा सरकार ने तमिल वर्ल्ड मूवमेंट संगठन को आतंकवादी समूहों की सूची में डाला। 2012 - साइना नेहवाल तीसरी बार इंडोनेशिया ओपन चैंपियन बनीं। 2017 ङ्क पुर्तगाल में जंगल की आग से 64 लोगों की मौत।

एफटीए विकसित भारत के लिए नई व्यापार संरचना का निर्माण कर रहे हैं

राजेश अग्रवाल

'विकसित भारत' का विज़न हासिल करने के लिए अगले दो दशकों तक आर्थिक विकास की उच्च दर बनाए रखना ज़रूरी है। भारत का विशाल घरेलू बाजार इस विकास के लिए एक महत्वपूर्ण इंजन है, लेकिन केवल इसी पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। वैश्विक प्रतिस्पर्धी पैमाने और वास्तविक तकनीकी परिवर्तन हासिल करने के लिए, भारत मुक्त व्यापार समझौतों (एफ्टीए) के नेटवर्क के माध्यम से वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ मजबूती से एकीकृत हो रहा है। जहां डब्ल्यूटीओ समझौते नियम-आधारित वैश्विक व्यापार प्रणाली के लिए आधारशिला प्रदान करते हैं, वहीं एफ्टीए इच्छुक साझेदारों को डब्ल्यूटीओ आधारशिला पर आगे बढ़ाते हुए रुचि के अन्य क्षेत्रों में अधिक गहराई से एकीकरण करने में सक्षम बनाते हैं। आर्थिक एकीकरण और साझेदार देशों के अनुसार नियम बनाने के महत्वपूर्ण चालक के रूप में वर्तमान में लागू 384 अधिसूचित एफ्टीए अपनी उपयोगिता रेखांकित करते हैं। ये एफ्टीए महत्वपूर्ण बाजार तक पहुंच बनाने और भारतीय व्यवसायों को वैश्विक भू-राजनीतिक उथल-पुथल के अनिश्चित हालात से बचाने के लिए संस्थागत रूपरेखा (ब्लूप्रिंट) हैं।

वैश्विक आर्थिक अवसरों तक पहुंच भी उन भारतीय व्यवसायों के लिए जरूरी है, जो बड़े पैमाने पर काम करके वैश्विक चैम्पियन के तौर पर उभरना चाहते हैं। लेकिन फायदा केवल बड़े व्यवसायों तक सीमित नहीं है; एफ्टीए स्टार्ट-अप, एमएसएमई, किसानों, मछुआरों और भारतीय प्रतिभा के लिए भी महत्वपूर्ण अवसर के द्वार खोलते हैं, जो अपनी क्षमताओं का विश्व स्तर पर लाभ उठाना चाहते हैं। ये

बाध्यकारी प्रतिबद्धताएँ टैरिफ, सेवा बाजार तक पहुंच और पारदर्शी व्यापार नियमों को शामिल करती हैं, जिससे भारतीय व्यवसायों को लंबी अवधि के निवेश के लिए भरोसेमंद वातावरण मिलता है।

भारत की व्यापार बातचीत की रणनीति काफी विकसित हो चुकी है, और इसका ध्यान उन पूरक अर्थव्यवस्थाओं पर है, जो वस्तु और सेवाओं के लिए मुख्य निर्यात बाजार के रूप में काम करती हैं। हाल के मुक्त व्यापार समझौतों का एक मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय संघ, यूके और ऑस्ट्रेलिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों में समान अवसर प्राप्त हों। यह समानता विशेष रूप से वस्त्र, परिधान और जूते जैसे श्रम-गहन क्षेत्रों के लिए जरूरी है, जहां ऐतिहासिक रूप से भारतीय उत्पादों पर भारी टैरिफ लगता रहा है, जबकि प्रतिस्पर्धियों को शुल्क मुक्त पहुँच मिलती है। कनाडा, इज़राइल और ईएईयू और एमईआरसीओएसयूआर जैसे समूहों के साथ भी भारत व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है।

सेवाएँ भारत की निर्यात रणनीति और इसके एफ्टीए वार्ताओं के केंद्र में हैं। सीमापार डिजिटल डिलीवरी पर पक्के वादे करके, हाल के एफ्टीए, तेजी से बढ़ते वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) इकोसिस्टम, तकनीकी स्टार्टअप्स और डिजिटल नवोन्मेषियों के बीच निवेशकों के भरोसे को बढ़ाने में मदद करते हैं।

डिजिटल डिलीवरी सेवाओं के अलावा, एफ्टीए ने भारत को वार्ताओं में नए तरीके अपनाने का मौका दिया है, जिससे ऐसी बाध्यकारी प्रतिबद्धताएँ हासिल हुई हैं, जो भारतीय प्रतिभा, खासकर युवाओं के आवागमन को बढ़ाती हैं। मुख्य उपलब्धियों में शामिल हैं - छात्र और पेशेवरों के लिए आवागमन प्रावधान और साइड-लेटर, भारत-यूके दोहरा योगदान समझौता (डीसीसी) जैसे फ्रेमवर्क, जो अस्थायी कार्य के लिए दोहरी सामाजिक सुरक्षा कराधान को रोकते हैं, और योग जैसे खास क्षेत्रों में आवागमन अधिकार।

भारत के नई पीढ़ी के एफ्टीए की एक विशेषता व्यापार और निवेश के बीच गहरे संबंध को मान्यता देना है। प्रमुख वैश्विक बाजारों तक पहुंच प्रदान करके और प्रमुख निर्माण सामग्री के आयात को आसान बनाकर, यह नेटवर्क बढ़ती मांग के साथ मिलकर भारत को निर्माण और निवेश के लिए बेहद आकर्षक गंतव्य बनाता है।

हाल के समझौते और आगे बढ़ते हुए बाजार तक पहुंच को निवेश परिणामों से सीधे जोड़ते हैं। इसका प्रमुख उदाहरण है, भारत-ईएफ्टीए समझौता, जिसमें यह शर्त रखी गयी है कि ईएफ्टीए देशों को भारतीय बाजार तक पहुंच तभी मिलेगी, जब वे 100 बिलियन डॉलर के एफ्डीआई का वादा करेंगे और भारत में दस लाख नौकरियां पैदा करेंगे। भारत-न्यूजीलैंड एफ्टीए में भी ऐसे ही प्रावधान हैं, जिनके तहत लंबे समय के निवेश के वादे के बदले भारत के विशाल उपभोक्ता बाजार तक पहुंच की सुविधा दी गयी है।

आधुनिक व्यापार अब केवल टैरिफ तक सीमित नहीं है; इसके लिए 21वीं सदी के आयामों को समझना और नियमों पर ध्यान देना जरूरी है, जैसे व्यापार में तकनीकी बाधाएं (टीबीटी), स्वच्छता और पादप-स्वच्छता से जुड़े उपाय (एसपीएस), और व्यापार सुगमता (टीएफ)। भारत के अगली पीढ़ी के एफ्टीए इन रूपरेखाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं।

अक्सर, टैरिफ़ की तुलना में उत्पाद मानक और अन्य नियामक आवश्यकताएँ बाजार तक पहुँचने में ज़्यादा बड़ी रुकावटें पैदा करती हैं। भारत के एफ्टीए में नियामक समन्वय और सहयोग के प्रावधान भारतीय निर्यातकों के संदर्भ में इन बाधाओं को कम करने के लिए व्यवस्थित व संस्थागत तरीके प्रदान करते हैं।

जब परीक्षा व्यवस्था स्वयं परीक्षा में असफल होने लगे ?

डॉ नीलम महेंद्र

रात के दो बजे हैं। देश के किसी छोटे शहर में एक विद्यार्थी अभी भी जाग रहा है। मेज पर खुली हुई पुस्तकें हैं, दीवार पर समय-सारिणी चिपकी है और मोबाइल फोन महीनों से लगभग निष्क्रिय पड़ा है। घर के बाकी सदस्य सो चुके हैं, पर उसकी आँखों में नींद नहीं, भविष्य है।

वह अकेला नहीं है।

भारत में हर वर्ष लगभग चार करोड़ विद्यार्थी विभिन्न बोर्ड, प्रवेश और प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठते हैं। केवल सीबीएसई बोर्ड परीक्षाओं में 40 लाख से अधिक और नीट जैसी राष्ट्रीय परीक्षा में 20 लाख से अधिक विद्यार्थी भाग लेते हैं। इन संख्याओं के पीछे केवल आँकड़े नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की आकांक्षाएँ, त्याग और संघर्ष छिपे हुए हैं।

इसीलिए भारत में परीक्षा कभी केवल परीक्षा नहीं रही। यह योग्यता और अवसर के बीच का सबसे महत्वपूर्ण पुल रही है।

लेकिन आज यही पुल दरकता हुआ दिखाई दे रहा है। पिछले कुछ वर्षों में पेपर लीक, भर्ती परीक्षाओं का रद्द होना, तकनीकी विफलताएँ, मूल्यांकन संबंधी विवाद और परीक्षा प्रबंधन पर उठते प्रश्न यह संकेत दे रहे हैं कि समस्या किसी एक संस्था या एक परीक्षा तक सीमित नहीं है। हम एक गहरे संस्थागत संकट के सामने खड़े हैं,विश्वास के संकट के सामने।

स्वतंत्र भारत की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यह रही कि उसने शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के माध्यम से सामाजिक गतिशीलता का रास्ता बनाया। किसी गाँव का साधारण छात्र डॉक्टर बन सकता है। किसी किसान की बेटी प्रशासनिक अधिकारी बन सकती है।

किसी मजदूर का बेटा राष्ट्रीय संस्थानों तक पहुँच सकता है। इस व्यवस्था की सफलता का आधार केवल पाठ्यक्रम नहीं, बल्कि विश्वास है।

यदि किसी परीक्षा में बैठा विद्यार्थी यह मानता है कि उसकी मेहनत ही सफलता का निर्धारण करेगी, तब वह वर्षों तक संघर्ष करता है। लेकिन यदि उसे यह लगने लगे कि परिणाम योग्यता से अधिक व्यवस्था की कमजोरियों पर निर्भर हैं, तो पूरी प्रणाली का नैतिक आधार कमजोर पड़ने लगता है।

यही कारण है कि परीक्षा प्रणाली पर संकट केवल शिक्षा का संकट नहीं होता; वह सामाजिक न्याय और लोकतांत्रिक अवसर का संकट भी बन जाता है।

पिछले दशक में सरकारों ने डिजिटल तकनीक को पारदर्शिता का पर्याय मान लिया है। ऑनलाइन आवेदन, डिजिटल मूल्यांकन, कंप्यूटर आधारित परीक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित विश्लेषण को आधुनिकता की पहचान माना गया।

लेकिन एक मूल प्रश्न अक्सर अनुत्तरित रह जाता है,क्या तकनीक स्वयं भरोसा पैदा करती है? नहीं!

तकनीक केवल एक उपकरण है। उसका चरित्र उस व्यवस्था से तय होता है जो उसे संचालित करती है। यदि टेंडर प्रक्रिया अपारदर्शी हो, यदि साइबर सुरक्षा की स्वतंत्र जाँच न हो, यदि शिकायतों को गंभीरता से न लिया जाए और यदि तकनीकी परियोजनाओं की निगरानी केवल कागजों पर हो, तो अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर भी अविश्वास पैदा कर सकता है। सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली को लेकर उत्पन्न विवाद इसी व्यापक समस्या की ओर संकेत करता है। प्रश्न केवल तकनीकी नहीं हैं। प्रश्न यह हैं कि इतने बड़े पैमाने पर लागू होने वाली प्रणाली के लिए निगरानी तंत्र कितना सक्षम था, जोखिम मूल्यांकन कितना गहन था और जवाबदेही कितनी स्पष्ट थी।

जब एक छात्र व्यवस्था से बड़ा दिखाई देने लगे तो क्या ही खा जाए!

हाल के घटनाक्रम का सबसे असाधारण पक्ष यह नहीं कि विवाद हुआ।

असाधारण पक्ष यह है कि अनेक प्रश्न एक छात्र द्वारा सार्वजनिक रूप से उठाए गए। यह घटना प्रतीकात्मक है।

यह बताती है कि सूचना के इस युग में नागरिक अधिक जागरूक हो रहा है, लेकिन साथ ही यह भी बताती है कि संस्थागत सतर्कता कहीं न कहीं कमजोर पड़ी है। सवाल यह नहीं कि किसी छात्र ने प्रश्न क्यों उठाया। सवाल यह है कि वे प्रश्न पहले किसी निगरानी समिति, किसी तकनीकी ऑडिट या किसी प्रशासनिक समीक्षा में क्यों नहीं उठे?

जब व्यवस्था के बाहर खड़ा व्यक्ति व्यवस्था के भीतर बैठे लोगों से अधिक सजग दिखाई देने लगे, तब समस्या व्यक्ति की नहीं, प्रणाली की होती है।

भारत में चिकित्सा शिक्षा केवल एक पेशा नहीं, सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक सुरक्षा का माध्यम भी मानी जाती है। यही कारण है कि लाखों विद्यार्थी वर्षों तक नीट की तैयारी करते हैं।

कोचिंग उद्योग का आकार अब हजारों करोड़ रुपये तक पहुँच चुका है। अनेक परिवार अपनी आय का बड़ा हिस्सा बच्चों की तैयारी पर खर्च करते हैं। कुछ विद्यार्थी घर छोड़कर कोटा, दिल्ली, पटना, प्रयागराज और हैदराबाद जैसे शिक्षा केंद्रों में वर्षों तक रहते हैं।

ऐसे में यदि परीक्षा की निष्पक्षता पर प्रश्न उठते हैं, तो उसका प्रभाव केवल परिणामों पर नहीं पड़ता।

उसका प्रभाव मनोविज्ञान पर पड़ता है। एक छात्र अपनी मेहनत पर संदेह नहीं करता, लेकिन वह व्यवस्था पर संदेह करना शुरू कर देता है। और किसी भी राष्ट्र के लिए इससे अधिक खतरनाक स्थिति नहीं हो सकती।

प्रशासनिक विफलता की चार परतें

इन घटनाओं को केवल तकनीकी त्रुटि मान लेना वास्तविक समस्या से आँखें मूँद लेना होगा। पहली समस्या है,जमीनी वास्तविकता से दूरी।

निर्णय अक्सर उन कमरों में लिए जाते हैं जहाँ आँकड़े पहुँचते हैं, अनुभव नहीं। दूसरी समस्या है,अनुपालन संस्कृति। हमारे यहाँ यह देखने की प्रवृत्ति अधिक है कि नियमों का पालन हुआ या नहीं; यह देखने की प्रवृत्ति कम है कि परिणाम सही निकला या नहीं।

पाठकों की बात — पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

किरणो ने जब सूर्य की,छुए भोर के गाल । खिली रात की चाँदनी, ...हुई शर्म से लाल ।। मैने उनका प्यार से,पूछ लिया क्या हाल । नजरे नीची हो गई,... हुई शर्म से लाल।। मैने उनकी उम्र के,पूछ लिए क्या साल । लगी चबाने ओढनी,हुई शर्म से लाल।। हुई शर्म से लाल वो,मुख पर रखा रुमाल । मैने उनके छू लिए, सहज जरा क्या गाल।। चूमा पिय नें हाथ जब, खाकर बाटी दाल। हँसता पाया सास को, हुई शर्म से लाल।

- रमेश शर्मा वशिष्ठ

तुम्हें चाहूँ ,इतना चाहूँ कि बस चाहती ही रहूं तुम्हें सोचूँ ,इतना सोचूँ कि बस सोचती ही रहूं न रहे फासला कोई दरम्यान तेरे मेरे..'अर्चना ' खो जाऊँ इतना खो जाऊँ कि बस खोती ही रहूं.....!!!!!

- खण्डेलवाल अर्चना

बच्चे अपने बचपन के साथ जीते हुए ही अच्छे लगते हैं.... भले ही सरकार बहुत सारी योजनाएँ चला रही है... शिक्षक उन योजनाओं के अनुसार क्रियाएँ क्रियान्वित भी करवा रहे हैं... पर बच्चों का बचपन यथावत चलता ही रहता है.... नज़र न लगे मेरे इन मासूम बच्चों को... हाँ नहीं तो। **- अलका अग्रवाल**

जिसने जब जब भी किया,गुरूओं का अपमान। कभी नहीं वो पा सका,इस दुनिया में मान।। अगर किसी चाणक्य का,हुआ कहीं अपमान। नन्द वंश की ही तरह,छिनती है पहचान।। धनानन्द को जब हुआ,पद का बहुत गुरूर। विष्णु गुप्त ने कर दिया,उसे ताज से दूर।। एक गुरू ने कर दिया,इक शासन का अन्त। मिटा दिया कौटिल्य ने,एक बड़ा धनवन्त।। **- शालिनी शर्मा**

जरा सोचिए! कहते हैं कि व्यक्ति से बड़ा परिवार ,परिवार से बड़ा समाज और समाज से बड़ा देश होता है । अब कल्पना कीजिए उस देश की जिसमें व्यक्ति को व्यक्ति न समझकर उसके साथ चुनाव में वोट देने वाली एक इकाई मात्र जैसा व्यवहार किया जाता हो ।

- रामकिशोर उपाध्याय

शब्द नहीं है किन्तु संवाद करना है, दिशा विहीन ही हो विवाद करना है, ना तू जी सके ना मैं ही जिवित रहूं- किताब में लिखा है तो जेहाद करना है,, सोच समझ जैसे सब अधीन हो गई, जिसने जो कहा बस वही करना है, पढ़ पोथी लकीर पीट ले अक्षर का, ना जाना सत्य क्या? प्रतिवाद करना है।

- ललित उपाध्याय

एक गीतांश प्रस्तुत है बहुत रो चुके है हम अश्कों से अपने नयन धो चुके हैं। बहुत रो चुके हैं, बहुत रो चुके हैं। मुहब्बत की राहों में चलते हैं कितने । मगर क्या सभी को मुहब्बत है हासिल? कई हाथ होंगे सफर में जो छूटे। कुछ एक पाँव जिनको मिली होगी मंजिल। पता ही नहीं है लकीरों में क्या है? तुम्हें पाया पा कर के हम खो चुके हैं। हम अश्कों से अपने नयन धो चुके हैं। बहुत रो चुके।

- कवियित्री डा. शोभा किरण

राशि फल

पं. देवव्रत शर्मा

मेष : आज दिन का अधिकांश भाग सोच विचार में ही व्यर्थ होगा। आपके मन मे योजनाए तो कई लगी रहेंगी लेकिन आलस्य अधिक रहने से किसी भी योजना को साकार रूप नही दे सकेंगे।

वृषः आज का दिन आपके लिये संतोषजनक रहेगा। आज आप जल्दी से किसी कार्य को करने के मूड में नही रहेंगे प्रातः काल से ही आराम से काम करने के चक्कर मे दिनचार्य धीमी चलेगी।

मिथुनः आज दिन भर आपके ऊपर चंचलता हावी रहेगी। परिजनों की किसी भी बात को गंभीर ना लेकर मजाक में उड़ा देंगे इससे घर का माहौल खराब होगा। सेहत थोड़ी नरम रहेगी।

कर्कः आज के दिन आपको विषम परिस्थितियों का सामना करना पड़ेगा। पारिवारिक कलह मामूली बात से आरम्भ होकर गंभीर रूप ले सकती है इससे बचने के लिये आज घर मे कम ही समय बिताये।

सिंहः आज का दिन आपके लिए यादगार रहेगा। दिन के आरंभ में थोड़ी सुस्ती रहेगी इसके बाद मस्ती के मूड में रहेंगे परिवार का वातावरण भी आज सहयोगी रहेगा।

कन्याः आज के दिन आपका स्वभाव अत्यंत आलसी रहेगा परन्तु फिर भी जिस भी कार्य को करेंगे उसमे सफलता अवश्य ही मिलेगी। घरेलू कार्यो के साथ ही व्यावसायिक कार्य भी एकसाथ करने में थोड़ी दुविधा बनेगी।

तुलाः आज के दिन आपका अधिकांश समय दुविधा में बीतेगा। कार्य क्षेत्र और गृहस्थ में तालमेल बैठाने में असफल रहेंगे एक काम करने के लिए किसी अन्य काम के बिगड़ने का डर सताएगा।

वृश्चिकः आज के दिन प्रातः काल से ही स्वास्थ्य संबंधित समस्या लगी रहेगी खराब स्वास्थ्य के कारण जल्दी से किसी कार्य का मन नही बनेगा लेकिन सामाजिक व्यवहारों के लिए समय निकालना ही पड़ेगा।

धनुः आज का दिन भी प्रसन्नता दायक रहेगा। घर मे धन धान्य की वृद्धि होगी। सुख सुविधा पर आज अधिक खर्च करेंगे। संध्या के समय किसी समाचार से बेचैनी रहेगी।

मकरः आज आपका मतलबी व्यवहार किसी ना किसी से मतभेद बढ़ायेगा। दिन के आरंभ में कार्यो के प्रति लापरवाही दिखाएंगे एकदम सर पर आने पर ही करेंगे।

कुंभः आज आपका मानसिक संतुलन बराबर नही रहेगा दो कामो को एक साथ करने के प्रयास में गलती होने की संभावना है। धार्मिक कार्यो में रुचि तो रहेगी।

मीनः आज आपका अभिमानी स्वभाव कुछ ना कुछ गड़बड़ ही कराएगा। स्वयं को अन्य लोगो की तुलना में अधिक बुद्धिमान समझना आपसी संबंधों में खटास लाएगा। लोग स्वार्थवश आपकी खुशामद करेंगे।

QUIZ TIME

1) किस देश ने फिटनेस और एकता को बढ़ावा देने के लिए 'वॉक टू मार्स' अभियान शुरू किया है?

2) देश में पहली बार किस राज्य ने सभी महिला कर्मचारियों के लिए हर महीने एक दिन का सवेतन मासिक धर्म अवकाश मंजूर किया है?

3) उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के आवास का नया नाम क्या है?

4) भारत की वह एकमात्र नदी कौन सी है जो कर्क रेखा को दो बार काटती है?

5) हाल ही में किस राज्य में एक्टिनिडिया इंडिका नामक कीवी की एक नई जंगली प्रजाति की खोज की गई है?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) संयुक्त अरब अमीरात (2) कर्नाटक (3) लोक भवन (4) माही नदी (5) अरुणाचल प्रदेश

पहेली

शब्द सामर्थ्य - 071

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सहायक है, मानव बुद्धि का विकल्प नहीं : डेका

■ समर्थ भारत कॉन्क्लेव 2026 का उद्घाटन किया राज्यपाल ने

रायपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल श्री रमेन डेका आज डॉ सी.वी. रमन विश्वविद्यालय बिलासपुर एवं आईसेक्ट इंडिया ग्रुप के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित दो दिवसीय समर्थ भारत कॉन्क्लेव 2026 के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर श्री डेका ने कहा कि आज दुनिया तेजी से बदल रही है और इसके साथ तकनीक भी निरंतर विकसित हो रही है। ऐसे समय में तकनीक का उपयोग मानव कल्याण, सामाजिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए होना चाहिए।

'एआई और अन्य नई तकनीकों का उपयोग नवाचार तथा समाज हित में करें'

राज्यपाल ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधुनिक युग की एक महत्वपूर्ण तकनीक है, जो चिकित्सा, कृषि, अर्थव्यवस्था और शिक्षा सहित अनेक क्षेत्रों में मानव की सहायक बन सकती है, लेकिन यह मानव बुद्धि, संवेदनशीलता और नैतिक मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती। तकनीक को जीवन में सहायक के रूप में अपनाया जाना चाहिए न कि उसे किसी खतरे के रूप में स्थान दिया जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे एआई और अन्य नई तकनीकों का उपयोग नवाचार तथा समाज हित के कार्यों में करें। अपने संबोधन में उन्होंने इंटरनेट के बढ़ते उपयोग पर भी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इसके सकारात्मक प्रभावों के साथ-साथ नकारात्मक पहलुओं पर भी ध्यान देना आवश्यक है। डिजिटल एडिक्शन न हो यह कोशिश करनी चाहिए।

'आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग समय की मांग'

राज्यपाल ने कहा कि मानव सभ्यता का विकास सदैव नवाचार और वैज्ञानिक खोजों के माध्यम से हुआ है। जिस प्रकार अग्नि की खोज ने मानव जीवन को नई दिशा दी, उसी प्रकार आधुनिक विज्ञान और तकनीक भविष्य के भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण और ग्रामीण विकास जैसे क्षेत्रों में आधुनिक तकनीकों का व्यापक उपयोग समय की मांग है। स्टार्टअप और नवाचार केवल आर्थिक प्रगति के साधन नहीं, बल्कि समाज की समस्याओं के समाधान का प्रभावी माध्यम भी हैं। नवाचार के जरिए दिव्यांगजनों के जीवन को सरल बनाया जा सकता है, युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं तथा समाज को नई संभावनाओं से जोड़ा जा सकता है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और इको-फ्रेंडली जीवनशैली को अपनाने पर जोर दिया। पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल देते हुए राज्यपाल ने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा, जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली को अपनाना आज की आवश्यकता है।

'राज्यपाल ने एआई कौशल रथ को दिखाई हरी झंडी'

कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर प्रदीप कुमार घोष ने एआई के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला। कॉन्क्लेव में पद्मश्री श्री अजय मांडवी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने भी अपना प्रेरक उदबोधन दिया। इस अवसर पर राज्यपाल ने एआई कौशल रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रथ प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जाकर विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा आम नागरिकों को एआई की उपयोगिता, संभावनाओं और रोजगार के अवसरों की जानकारी देगा, विशेष कर ग्रामीण युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और जेनरेटिव एआई की निशुल्क व्यवहारिक शिक्षा देने के लिए यह अत्याधुनिक मोबाइल लैब तैयार किया गया है।

न्यूज गैलरी

राज्यपाल डेका को जगदलपुर के ट्री मैन ने भेंट की मियाजाकी आम

रायपुर-जगदलपुर/नवप्रदेश। राज्यपाल रमेन डेका से आज यहां लोकभवन में जगदलपुर के ट्री मैन श्री संपत झा ने सौजन्य मुलाकात की। इस अवसर पर श्री झा ने राज्यपाल को दुनिया की सबसे मंहगी आम प्रजातियों में शामिल मियाजाकी आम भेंट की। राज्यपाल ने मियाजाकी आम की खेती को बस्तर क्षेत्र के लिए बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह न केवल किसानों की आय बढ़ाने मे सहायक सिद्ध हो सकती है बल्कि छत्तीसगढ़ को अंतरर्राष्ट्रीय फल बाजार में नई पहचान भी दिला सकती है। उन्होंने इस विशेष प्रजाति की खेती को बढ़ावा देने, इसकी पैदावार मे वृद्धि करने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी मार्केटिंग के प्रयास करने हेतु प्रोत्साहित किया।

कृषक उन्नति योजना से बदली किसान किशुन सिंह की तस्वीर

रायपुर/नवप्रदेश। राज्य सरकार की कृषक उन्नति योजना किसानों की आर्थिक मजबूती का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है। सूरजपुर जिले के ग्राम बसदेई निवासी किसान श्री किशुन सिंह की सफलता इसकी एक प्रेरक मिसाल है। योजना के तहत प्राप्त प्रोत्साहन राशि का उपयोग कर उन्होंने न केवल अपनी खेती को बेहतर बनाया, बल्कि परिवार की आवश्यकताओं और बच्चों की शिक्षा पर भी निवेश किया। किशुन सिंह के पास 1.62 हेक्टेयर कृषि भूमि है। उन्होंने खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर 50 क्विंटल धान का विक्रय किया, जिसके आधार पर उन्हें कृषक उन्नति योजना के अंतर्गत 40 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्राप्त हुई। इस अतिरिक्त आय ने उनके कृषि कार्यों को नई गति प्रदान की। किशुन सिंह ने प्राप्त राशि से उन्नत किस्म के बीज और कीटनाशक दवाइयों की खरीद कर खेती की उत्पादकता बढ़ाने की दिशा में कदम उठाया। साथ ही घरेलू जरूरतों की पूर्ति और बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर भी खर्च किया, जिससे परिवार को आर्थिक राहत मिली। किसान का कहना है कि कृषक उन्नति योजना किसानों को खेती में अधिक निवेश करने का अवसर देती है। अतिरिक्त आय मिलने से कृषि लागत का प्रबंधन आसान होता है और परिवार की जरूरतें भी बेहतर ढंग से पूरी हो पाती हैं। प्रदेश में कृषक उन्नति योजना किसानों की आय बढ़ाने, कृषि निवेश को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। किशुन सिंह जैसे हजारों किसान इस योजना से लाभान्वित होकर आत्मनिर्भरता और समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं।

योग दिवस के अवसर पर बिहारपुर-चांदनी में पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर

रायपुर/नवप्रदेश। 12 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर इस वर्ष की थीम योग फॉर हेल्दी एजिंग (स्वस्थ आयु के लिए योग) को ध्यान में रखते हुए आयुष विभाग द्वारा सूरजपुर जिले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) बिहारपुर-चांदनी सूरजपुर में पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह योग प्रशिक्षण शिविर 17 जून 2026 से 21 जून 2026 तक शासकीय आयुर्वेद औषधालय, बिहारपुर- चांदनी, जिला सूरजपुर में आयोजित होगा। शिविर का उद्देश्य आमजन को योग के प्रति जागरूक करना तथा स्वस्थ एवं निरोग जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। शिविर में योग विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम, ध्यान एवं स्वास्थ्यवर्धक योग क्रियाओं का प्रशिक्षण दिया जाएगा। साथ ही बढ़ती आयु में शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में योग की भूमिका के बारे में भी जानकारी प्रदान की जाएगी। आयुष विभाग ने क्षेत्र के नागरिकों, युवाओं, महिलाओं एवं वरिष्ठजनों से अधिक से अधिक संख्या में योग शिविर में भाग लेकर योग को अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की है। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विशेष योग सत्र का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने की तैयारी की जा रही है। योग शिविर के माध्यम से स्वस्थ समाज के निर्माण एवं जन-जन तक योग के लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे लोग शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से स्वस्थ रह सकें।

शिक्षा के साथ संस्कारों का समावेश हमारी प्राथमिकता : मुख्यमंत्री साय

■ भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा का समन्वय कर रही है राज्य सरकार : साय

■ स्कूली शिक्षा में भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक मूल्यों की पुनर्स्थापना का संत समाज ने किया स्वागत

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में दक्षिण कौशल पीठाधीश्वर श्री स्वामी राजीव लोचन दास जी महाराज, निर्वाणी अखाड़ा के श्री महंत सुरेंद्र दास जी महाराज, शदाणी दरबार से श्री उदय लाल जी तथा कबीर आश्रम सोनपैरी के श्री देवकर साहब जी ने सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर संत-महात्माओं ने छत्तीसगढ़ के विद्यालयों में भारतीय संस्कृति, आध्यात्मिक मूल्यों एवं नैतिक शिक्षा से जुड़े पारंपरिक श्लोकों और मंत्रों को पुनः शामिल किए जाने के निर्णय का स्वागत करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

संतों ने कहा कि पूर्व में विद्यालयों में विद्यार्थियों को गुरु ब्रह्मा, गुरु विष्णु, गुरु देवो महेश्वर जैसे मंत्रों एवं भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं से परिचित कराया जाता था, जिससे बच्चों में संस्कार, अनुशासन और नैतिक मूल्यों का विकास होता था। समय के साथ ये परंपराएं शैक्षणिक वातावरण से धीरे-धीरे विलुप्त होती गईं, किंतु अब राज्य सरकार द्वारा इन्हें पुनः स्थापित करने की पहल अत्यंत स्वागतयोग्य है। संत समाज ने कहा कि विद्यालयों में शांतिपाठ, सरस्वती वंदना, भोजन मंत्र तथा अन्य प्रेरणादायी वैदिक एवं सांस्कृतिक प्रार्थनाओं का समावेश बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे नई पीढ़ी भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और नैतिक मूल्यों से जुड़ सकेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों के विकास का आधार भी है। हमारी सरकार बच्चों को आधुनिक शिक्षा के साथ-साथ भारतीय संस्कृति, परंपराओं और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। विद्यालयों में शांतिपाठ, सरस्वती वंदना, भोजन मंत्र एवं अन्य प्रेरणादायी प्रार्थनाओं के समावेश से विद्यार्थियों में अनुशासन, सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास और सांस्कृतिक चेतना का विकास होगा। यह पहल नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ते हुए एक संस्कारित, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रदेश के सभी ग्राम पंचायतों में 24 जून को होगी ग्रामसभा

आवास प्लस 2.0 की स्थायी प्रतीक्षा सूची सहित विभिन्न विषयों पर होगी चर्चा

रायपुर/नवप्रदेश। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्राम पंचायतों को ग्राम सभाओं के माध्यम से ग्रामीण विकास, पंचायतों की वित्तीय स्थिति, आवास योजनाओं, रोजगार, सामाजिक मुद्दों और स्थानीय विकास कार्यों जैसे जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा एवं निर्णय लेने का अधिकार दिया गया है। छत्तीसगढ़ के सभी ग्राम पंचायतों में 24 जून 2026 को ग्राम सभाओं का आयोजन किया जाएगा। ग्राम सभाओं में आवास प्लस 2.0 की स्थायी प्रतीक्षा सूची सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा की जाएगी। ग्राम सभा में विशेष रूप से आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण से प्राप्त सिस्टम जनरेटेड स्थायी प्रतीक्षा सूची (पीडब्ल्यूएल) का अवलोकन एवं वाचन किया जाएगा। ग्राम सभा द्वारा शासन की मार्गदर्शिका एवं एसओपी के अनुसार पात्र हितग्राहियों की प्राथमिकता सूची तैयार की जाएगी तथा ग्रामीणों से प्राप्त दावे-आपत्तियों को नियमानुसार प्राप्त कर निराकरण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। ग्राम सभा से अनुमोदन के बाद स्थायी प्रतीक्षा सूची को आवास सॉफ्टवेयर में अपलोड किया जाएगा।   ग्राम सभा में पूर्व बैठक के निर्णयों के पालन प्रतिवेदन, पंचायतों के आय-व्यय की समीक्षा एवं अनुमोदन, विभिन्न योजनाओं से स्वीकृत कार्यों की प्रगति, तथा अन्य विकासात्मक विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। ग्राम सभाओं में विकसित भारत, रोजगार एवं आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी जी राम जी) के संबंध में भी ग्रामीणों को जानकारी दी जाएगी तथा इसके क्रियान्वयन पर चर्चा होगी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने 5 गांवों में लगाई चौपाल

■ ज्योति कलश भवन, सामुदायिक भवन एवं खाद्यान्न भंडारण भवन का किया लोकार्पण

रायपुर/नवप्रदेश। उप मुख्यमंत्री तथा स्थानीय विधायक श्री अरुण साव ने लोरमी के खेकतरा, कुम्हरौली, मोहतरा कुर्मी, पीपरखुंटा और औराबांधा में जनचौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने इन गांवों में 56 लाख रुपए के विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने जनचौपाल में ग्रामीणों से आत्मीय संवाद कर उनके सुझावों को गंभीरता से सुना। उन्होंने इस दौरान मोदी सरकार और साय सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने गांववालों को इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित भी किया।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने खेकतरा में महामाया मंदिर में ज्योति कलश भवन का लोकार्पण कर ग्रामवासियों को समर्पित किया। उन्होंने औराबांधा में नवनिर्मित सामुदायिक भवन एवं खाद्यान्न भंडारण भवन का लोकार्पण किया।

श्री साव ने पांचों गांवों के युवाओं को क्रिकेट किट भी प्रदान किया। उन्होंने युवाओं को खेल गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रोत्साहित किया।

13 जुलाई से शुरू होगा विधानसभा मानसून सत्र

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ विधानसभा का मानसून सत्र 13 जुलाई से 17 जुलाई 2026 तक आयोजित किया जाएगा। विधानसभा सचिवालय द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार सत्र के दौरान कुल पांच बैठकें होंगी, जिनमें राज्य से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

राष्ट्रीय राजमार्ग-130 के चौड़ीकरण के लिए प्रभावित क्षेत्रों में भूमि लेन-देन पर रोक

रायपुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय राजमार्ग-130 (कटघोरा-शिवनगर-अम्बिकापुर) के उन्नयन एवं फोरलेन निर्माण कार्य को सुचारू और समयबद्ध रूप से पूरा करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने प्रभावित क्षेत्रों में भूमि के क्रय-विक्रय, हस्तांतरण, खाता विभाजन तथा व्यपवर्तन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाने के आदेश जारी किए हैं।

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की परियोजना कार्यान्वयन इकाई, बिलासपुर द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार जिले में प्रस्तावित बायपास, री-अलाइनमेंट और मुख्य मार्ग के चौड़ीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रारंभ की जानी है। भूमि अर्जन के दौरान लगातार हो रहे क्रय-विक्रय, नामांतरण और खाता विभाजन से स्वामित्व सत्यापन, हिस्सेदारी निर्धारण और मुआवजा तय करने में जटिलताएं उत्पन्न होने की आशंका को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की घोषणा पर त्वरित अमल

रायपुर/नवप्रदेश। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में आयोजित सुशासन तिहार केवल जनसंवाद का मंच नहीं, बल्कि जनआकांक्षाओं को शीघ्रता से पूरा करने का प्रभावी माध्यम बनकर उभरा है। आम नागरिकों की समस्याओं और मांगों के त्वरित निराकरण के लिए राज्य शासन एवं जिला प्रशासन द्वारा लगातार संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य किया जा रहा है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय द्वारा सरगुजा प्रवास के दौरान ग्रामीणों की मांगों पर की गई घोषणाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान कर अमल में लाया गया है। उल्लेखनीय है कि 03 मई 2026 को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय सुशासन तिहार के अंतर्गत सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड स्थित ग्राम पंचायत सिलमा के शांतिपारा पहुंचे थे। जन चौपाल में ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए उन्होंने क्षेत्र की आवश्यकताओं और समस्याओं की जानकारी ली तथा विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं की थीं। मुख्यमंत्री की घोषणाओं के अनुरूप जिला प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न निर्माण कार्यों को स्वीकृति प्रदान की है। ग्राम सिलमा में डीएमएफ एवं मनरेगा के अभिसरण से 18.30 लाख रुपये की लागत से नवीन पंचायत भवन, डीएमएफमद से 2.50 लाख रुपये की लागत से मुक्तिधाम तथा मनरेगा मद से 11.63 लाख रुपये की लागत से नवीन पीडीएस भवन निर्माण को मंजूरी दी गई है। इसी प्रकार ग्राम कुनकुरीकला में डीएमएफएवं मनरेगा के अभिसरण से 18.30 लाख रुपये की लागत से नवीन पंचायत भवन निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवसः संभावित राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम सरगुजा जिले में आयोजित होगा

मुख्य सचिव ने ली उच्च स्तरीय बैठक, स्वस्थ आयु के लिए योग थीम निर्धारित

रायपुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ में आगामी 21 जून को 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस वर्ष योग दिवस की थीम ÷स्वस्थ आयु के लिए योग÷ निर्धारित की गई है। आयोजन को व्यापक और सफल बनाने के लिए राज्य के मुख्य सचिव विकासशील ने आज मंत्रालय (महानदी भवन) में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक ली और तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का संभावित राज्य स्तरीय मुख्य कार्यक्रम सरगुजा जिले में आयोजित होगा। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को इसके लिए सभी आवश्यक और पुख्ता तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक जन-भागीदारी

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने निर्देश दिए कि भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के अनुरूप राज्य के सभी जिलों में योग कार्यक्रमों का आयोजन किया जाए। राज्य की प्रत्येक ग्राम पंचायत के प्रमुख स्थलों पर अनिवार्य रूप से योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित करने के लिए सभी कलेक्टर्स को निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए आयुष विभाग और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को आपस में बेहतर समन्वय के साथ काम करने को कहा गया है। जिला स्तर पर अधिक से अधिक जन-सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं।

नीट परीक्षार्थियों का रखा जाएगा विशेष ध्यान

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा कि 21 जून को ही नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) द्वारा नीट (NEET) की पुनः परीक्षा भी आयोजित की जा रही है। इसे ध्यान में रखते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि योग दिवस के आयोजनों के कारण नीट परीक्षा केंद्रों और परीक्षार्थियों को किसी भी तरह की असुविधा या तकलीफ न हो।

आयुष विभाग के अधिकारियों के अनुसार, भारत सरकार द्वारा इस बार व्यापक जनभागीदारी के निर्देश हैं। 14 जून 2026 से सुबह 6.15 बजे से 7.35 बजे तक ऑनलाइन योग अभ्यास सत्र के माध्यम से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया जा रहा है। आम नागरिकों की सहभागिता बढ़ाने के लिए टोल-फ्री नंबर 1800-315-7008 जारी किया गया है, जिस पर मिस्ड कॉल देकर आसानी से पंजीयन कराया जा सकता है। अधिकारियों ने बताया कि आयुष मंत्रालय द्वारा योग संगम पोर्टल-2026 प्रारंभ किया गया है। जिसके माध्यम से विभिन्न संस्थाएं, विभाग, शैक्षणिक संस्थान, स्थानीय निकाय, स्वायत्तशासी संस्थाएं, सार्वजनिक उपक्रम योग संस्थान एवं सामुदायिक संगठन दिनांक 21 जून 2026 को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रमों के लिए पंजीयन एवं कार्यक्रम के उपरांत विवरण एवं फोटोग्राफ अपलोड किये जा सकते है।

आयुक्त बस्तर संभाग के माध्यम से मुख्यमंत्री सहित चार मंत्रियों के नाम सौंपा ज्ञापन

■ 998-99 एलवी संवर्ग को पुरानी पेंशन देने की मांग तेज

■ देय तिथि से सेवा गणना कर केंद्रीय सिविल सेवा पेंशन नियम 1972 के तहत लाभ देने की मांग

जगदलपुर/नवप्रदेश। प्रदेश शिक्षक कल्याण संघ ने 1998-99 एलवी संवर्ग के शिक्षकों को पुरानी पेंशन योजना का लाभ देने की मांग को लेकर आयुक्त बस्तर संभाग के माध्यम से मुख्यमंत्री, वित्त मंत्री, शिक्षा मंत्री एवं शिक्षा सचिव के नाम ज्ञापन सौंपा। संघ ने मांग की है कि वर्ष 1998 से 2004 के पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों की सेवा की गणना उनकी वास्तविक नियुक्ति तिथि से करते हुए पुरानी पेंशन, जीपीएफ तथा अन्य सभी देय सुविधाएं प्रदान की जाएं।

संघ का कहना है कि 1998-99 में शिक्षा विभाग द्वारा आवंटित पेंशन योग्य पदों पर उनकी नियुक्ति हुई थी, वर्ष 2001 में नियमितीकरण किया गया तथा 2018 में शासकीयकरण हुआ। इसके बावजूद उनकी पूर्व सेवा अवधि को मान्यता नहीं दी जा रही है। संघ ने आरोप लगाया कि 2004 के पूर्व नियुक्त अन्य कर्मचारियों को नियुक्ति तिथि से पुरानी पेंशन एवं अन्य लाभ दिए गए हैं, जबकि एलवी संवर्ग के शिक्षकों को इससे वंचित रखा गया है।

ज्ञापन में कहा गया है कि सेवानिवृत्त शिक्षकों की आर्थिक स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है और वर्तमान में कार्यरत शिक्षकों के सामने भी भविष्य में ऐसी ही स्थिति उत्पन्न होने की आशंका है। संघ ने इसे भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 के विपरीत बताते हुए शासन से शीघ्र निर्णय लेने की मांग की है। संघ का कहना है कि छत्तीसगढ़ सिविल सेवा पेंशन नियम 1976 तथा केंद्रीय सिविल सेवा पेंशन नियम 1972 के प्रावधानों के अनुरूप उन्हें उनका वैधानिक अधिकार मिलना चाहिए। इस दौरान प्रदेश शिक्षक कल्याण संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजकिशोर तिवारी,प्रदेश महासचिव डेसनाथ पांडे,प्रांतीय सह सचिव चन्द्रभूषण ठाकुर,संभागीय अध्यक्ष अमलेस ठाकुर, प्रांतीय कोषाध्यक्ष मीरा ठाकुर,संगठन मंत्री माया वैद्य,जिला अध्यक्ष कृष्णा बघेल,नेत्री पाढ़ी,मसूराम मंडावी, कुशनु बघेल,अनंत राम मेश्राम,नीरा दामले,वृंदा ध्रुव,आशानिधि आनंद, संतोष बीसाई,कैलाश बाकड़े,रमा किरार, केशव मंडन एवं खगेश्वर नेगी सहित अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

शासन से शीघ्र आदेश जारी करने की मांग

प्रदेश शिक्षक कल्याण संघ के प्रांतीय आह्वान पर संभागीय अध्यक्ष के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि इस विषय को लेकर कई बार मुख्यमंत्री, मंत्रियों तथा जनप्रतिनिधियों के समक्ष मांग रखी जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है। संघ ने मांग की है कि 1998-99 एलवी संवर्ग के शिक्षकों की सेवा की गणना उनकी देय तिथि से करते हुए पुरानी पेंशन सहित सभी सकल लाभ प्रदान करने संबंधी आदेश शीघ्र जारी किए जाएं।

न्यूज गैलरी

नारायणपुर में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के नवीन शाखा भवन का लोकार्पण

जगदलपुर/नारायणपुर/नवप्रदेश। नारायणपुर में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित के नवीन शाखा भवन का लोकार्पण समारोहपूर्वक संपन्न हुआ। नवीन भवन के शुरू होने से क्षेत्र के किसानों और खाताधारकों को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा विभिन्न वित्तीय सेवाओं का लाभ अधिक सुगमता से मिल सकेगा। लोकार्पण अवसर पर आयोजित किसान सम्मेलन में किसानों को राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न कृषि और कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में कृषि उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि के उद्देश्य से उन्नत किस्म के बीजों का वितरण भी किया गया। वक्ताओं ने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने तथा सहकारी व्यवस्था का अधिकतम लाभ लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में उपस्थित किसानों ने नवीन शाखा भवन के संचालन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। बैंक प्रबंधन ने भरोसा दिलाया कि किसानों को ऋण, बचत और अन्य बैंकिंग सेवाएं पहले से अधिक प्रभावी ढंग से उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम में मंत्री केदार कश्यप, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष दिनेश कश्यप,जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा,छत्तीसगढ़ लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष रुपसाय सलाम,जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम,नगर पालिका अध्यक्ष भूपेंद्र बघेल,भाजपा किसान मोर्चा बस्तर जिला सह कोषाध्यक्ष प्रकाश रावल,जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुंवर सिंह धुव,मनोज सिंह एवं संजय पांडे सहित भाजपा पदाधिकारी, बैंक अधिकारी-कर्मचारी और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे। आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर-नवीन शाखा भवन के लोकार्पण से नारायणपुर क्षेत्र के किसानों और आम उपभोक्ताओं को बेहतर बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध होंगी। किसान सम्मेलन में सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ उन्नत बीजों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में सहकारिता को मजबूत करने,किसानों की आय बढ़ाने तथा आधुनिक कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया।

निर्माण श्रमिकों के रिकॉर्ड होंगे आधार से सत्यापित

बीजापुर/नवप्रदेश। छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के हितों की सुरक्षा, पारदर्शिता बढ़ाने तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से आधार आधारित ई-केवाईसी प्रक्रिया शुरू की जा रही है। इसके पूर्व जिले के सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के पंजीयन अभिलेखों का आधार कार्ड में दर्ज जानकारी से मिलान कर आवश्यक संशोधन एवं अद्यतन करने के लिए विशेष अभियान संचालित किया जा रहा है।

श्रम निरीक्षक सोपान कर्णेवार ने बताया कि इस अभियान को 30 जून 2026 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं। अभियान के तहत सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को अपने मूल आधार कार्ड के साथ निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) में उपस्थित होना होगा। वहां सीएससी संचालक (वीएलई ऑपरेटर) द्वारा श्रमिक की पहचान का सत्यापन कर श्रमिक रजिस्ट्रेशन अपडेशन मॉड्यूल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूरी की जाएगी।सत्यापन के उपरांत श्रमिकों की जानकारी को आधार कार्ड में उपलब्ध प्रमाणित विवरण के अनुरूप अद्यतन किया जाएगा। इस प्रक्रिया में श्रमिकों के हिंदी एवं अंग्रेजी में नाम, जन्मतिथि, लिंग (जेंडर) तथा मोबाइल नंबर जैसे महत्वपूर्ण विवरणों में आवश्यक संशोधन किए जाएंगे। इससे श्रमिकों का डाटाबेस अधिक सटीक और अद्यतन होगा तथा भविष्य में ई-केवाईसी एवं विभिन्न योजनाओं के लाभ वितरण में किसी प्रकार की परेशानी नहीं आएगी। संशोधन आवेदन के लिए आधार कार्ड की छायाप्रति, श्रमिक का सहमति पत्र (कंसेंट लेटर), ई-साइन तथा मोबाइल ओटीपी प्रमाणीकरण अनिवार्य रखा गया है।

आश्रम-छात्रावासों की व्यवस्थाओं को लेकर समीक्षा बैठक संपन्न

बीजापुर / नवप्रदेश। कलेक्टर श्री विश्वदीप की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में जिले के आश्रम-छात्रावासों के सुचारू संचालन, विद्यार्थियों की सुरक्षा, स्वच्छता एवं शैक्षणिक गुणवत्ता को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत, शिक्षा विभाग, आदिवासी विकास विभाग एवं विभिन्न विकासखंडों के अधिकारी उपस्थित रहे।बैठक में नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए राज्य शासन के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री विश्वदीप ने कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं बेहतर आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। समीक्षा के दौरान परीक्षा परिणामों में सुधार, छात्रावास भवनों के मरम्मत एवं निर्माण कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने, शौचालय एवं स्नानागारों की नियमित साफ-सफाई बनाए रखने तथा रसोईघरों में स्वच्छता मानकों का पालन सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को भोजन गुणवत्ता की नियमित जांच एवं भोजन चखना पंजी का संधारण करने के निर्देश भी दिए गए।बैठक में वर्षा ऋतु के मद्देनजर जलभराव एवं मौसमी बीमारियों से बचाव के उपायों की समीक्षा की गई। छात्रावास परिसरों में नालियों की सफाई, पानी जमा न होने देने तथा मच्छरजनित रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम उठाने को कहा गया। साथ ही विद्यार्थियों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, प्राथमिक उपचार व्यवस्था एवं स्वास्थ्य विभाग से समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए।

अनुसूचित क्षेत्रों में जनपद पंचायत में सीईओ का प्रभार विभागीय अफसरों को ही दिया जाना है

शासन के आदेश के बाद भी बीजापुर के तीन जनपद पंचायतों में प्रभारी अफसरों का कब्जा

■ बीजापुर जिले के तीनों प्रमुख जनपद पंचायत भोपालपटनम, भैरमगढ़ और बीजापुर में विभागीय व्यवस्था पूरी तरह सवालों के घेरे

बीजापुर/नवप्रदेश। राज्य शासन के प्रमुख सचिव द्वारा 11 अप्रैल 2025 को जारी स्पष्ट निर्देशों के बावजूद बीजापुर जिले के तीनों प्रमुख जनपद पंचायत भोपालपटनम, भैरमगढ़ और बीजापुर में विभागीय व्यवस्था पूरी तरह सवालों के घेरे में है। शासन के निर्देशों के अनुसार अनुसूचित क्षेत्रों में जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीईओ का प्रभार विभागीय अधिकारियों को ही दिया जाना चाहिए, लेकिन जिले में अब भी डिप्टी कलेक्टर और डीडी पंचायत जैसे अन्य विभागों के अधिकारी इन पदों पर काबिज हैं।

जानकारी के मुताबिक भैरमगढ़ जनपद पंचायत में डिप्टी कलेक्टर अभिषेक तंबोली और भोपालपटनम जनपद पंचायत में डिप्टी कलेक्टर आदित्य कुंजाम को प्रभार सौंपा गया है, जबकि बीजापुर जनपद पंचायत में डीडी पंचायत हिमांशु साहू को जिम्मेदारी दी गई है। इसे शासन के निर्देशों की खुली अनदेखी माना जा रहा है।

प्रमुख सचिव ने अपने आदेश में स्पष्ट कहा था कि सहायक आयुक्त आदिवासी विकास का पद प्रत्येक जिले में स्वीकृत प्रथम श्रेणी का पद है। इसी प्रकार अनुसूचित क्षेत्रों की 85 जनपद पंचायतों में मुख्य कार्यपालन सीईओ जनपद पंचायत के पद विभागीय रूप से स्वीकृत है।जिनका चयन छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के माध्यम से किया जाता है, ये अधिकारी अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्गों की विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है।

इसके बावजूद जिले में बिना शासन की अनुमति प्रभार परिवर्तन किए जाने से प्रशासनिक विवाद बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। शासन ने अपने आदेश में यह भी चेतावनी दी थी कि ऐसे मामलों से न्यायालयीन विवाद की स्थिति निर्मित होती है तथा स्थापना संबंधी मामलों के निराकरण में बाधाएं आती हैं।

सूत्रों के मुताबिक शासन की अनुमति लिए बिना किए गए इन प्रभार परिवर्तनों को लेकर विभागीय अधिकारियों में भी नाराजगी है। अब सवाल उठ रहा है कि जब शासन ने स्पष्ट निर्देश जारी कर दिए हैं, तब भी बीजापुर जिले में आदेशों का पालन क्यों नहीं हो रहा।

सीईओ के होने के बावजूद उन्हें प्रभार नहीं: बीजापुर में वर्तमान में तीन सीईओ मौजूद है। जिन्हें सीईओ के प्रभार से हटाकर जिला पंचायत, एसी ट्राइबल व जनपद पंचायत कार्यालय उसूर में अटैच किया गया है। पीके साहू को जिला पंचायत, सुरेश देवांगन को उसूर जनपद व आरके आर्य को एसी ट्राइबल में अटैच कर रखा गया है। जबकि शासन से इनकी पोस्टिंग सीईओ भैरमगढ़ व सीईओ भोपालपटनम के लिए किया गया था।

जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे ने जानकारी देते हुए बताया की जो सीईओ है उन्होंने स्वास्थ्यगत कारणों से सीईओ के पद से मुक्त करने के लिए मुझे आवेदन दिया है जिस वजह से उनकी जगह पर डिप्टी कलेक्टर को चार्ज दिया गया है।

पर्यावरण संरक्षण की अनूठी मिसाल

नेतानार में युवाओं ने हटाई जहाज लाटा घास

जगदलपुर/नवप्रदेश। ग्राम सभा नेतानार ने सामुदायिक भागीदारी और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए बिजलीपारा स्थित निस्तार क्षेत्र एवं मरघट स्थल में विशेष श्रमदान अभियान चलाया। सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन समिति और स्थानीय युवाओं के संयुक्त प्रयास से क्षेत्र में तेजी से फैल रही आक्रामक खरपतवार क्रोमोलेना, जिसे स्थानीय भाषा में जहाज लाटा घास कहा जाता है,को हटाया गया।अभियान में युवाओं और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर पूरे क्षेत्र की साफ-सफाई की। इस पहल का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण है, बल्कि खाली हुई भूमि का उपयोग दीर्घकालिक सामुदायिक हित में करना भी है। ग्रामीणों का मानना है कि इससे क्षेत्र की जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय संसाधनों का बेहतर संरक्षण हो सकेगा।क्षेत्र की साफ-सफाई की। इस पहल का उद्देश्य न केवल पर्यावरण संरक्षण है, बल्कि खाली हुई भूमि का उपयोग दीर्घकालिक सामुदायिक हित में करना भी है। ग्रामीणों का मानना है कि इससे क्षेत्र की जैव विविधता को बढ़ावा मिलेगा और स्थानीय संसाधनों का बेहतर संरक्षण हो सकेगा।ग्राम सभा के

अनुसार, साफ की गई भूमि पर जल्द ही बांस, कटहल, जपरा (लाल सिंदूर) सहित विभिन्न उपयोगी एवं फलदार पौधों का रोपण किया जाएगा। इससे हरित आवरण बढ़ेगा, वन संपदा समृद्ध होगी और भविष्य में ग्रामीणों को विभिन्न वन उपजों का लाभ प्राप्त होगा। ग्राम सभा ने वन संरक्षण और पर्यावरण संवर्धन के लिए ऐसे सामूहिक अभियान आगे भी जारी रखने का संकल्प लिया है।सामुदायिक प्रयास बना प्रेरणा

अभियान में ग्राम सभा सदस्य सोनू नाग सहित सहदेव, कमल, मोतीराम,बलदेव,जयदेव, लजलदेव,सोनसाय,जुलपू,कोया, समलू,रामसाय,देवनाथ,जयसिंह, जानिक ,सीताराम, फुलसिंह,पतीराम,धनीराम, सुंदरू,दिपेश,मंगलसाय,मोती, सुखराम, पंकज और तुलाराम सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुए। ग्रामीणों का यह प्रयास अन्य गांवों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन रहा है।

हल्बा समाज के गौरव पुन्नूराम प्रधान का 62वां जन्मदिवस धूमधाम से मनाया गया

कांकेर / नवप्रदेश। हल्बा समाज के वरिष्ठ समाजसेवी, खेल प्रतिभाओं के मार्गदर्शक एवं जिला सचिव पुन्नूराम प्रधान का 62वाँ जन्मदिवस उनके निज निवास पर बड़े ही हर्षोल्लास, आत्मीयता एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर हल्बा समाज के अधिकारी-कर्मचारी, युवा प्रकोष्ठ, महिला प्रकोष्ठ, खेल प्रेमी, समाज के वरिष्ठजन एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कार्यक्रम में उपस्थित समाजजनों ने श्री प्रधान को पुष्पगुच्छ भेंट कर जन्मदिवस की शुभकामनाएँ दीं तथा उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु एवं सुखमय जीवन की कामना की। सभी वक्ताओं ने उनके समाज के प्रति समर्पण, नेतृत्व क्षमता एवं निरंतर सेवा भावना की मुक्तकंठ से सराहना की।

वक्ताओं ने कहा कि पुन्नूराम प्रधान केवल एक सामाजिक कार्यकर्ता ही नहीं, बल्कि शिक्षा, खेलकूद एवं युवा विकास के क्षेत्र में प्रेरणास्रोत व्यक्तित्व हैं। उनके निवास पर वर्षों से संजोए गए सैकड़ों सम्मान, पुरस्कार, पदक एवं स्मृति चिह्न उनके अथक परिश्रम, उपलब्धियों और समाज के प्रति समर्पण की जीवंत गाथा प्रस्तुत करते हैं। उन्होंने अनेक युवाओं को खेल, शिक्षा एवं सामाजिक नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की है।इस अवसर पर समाज के सदस्यों ने कहा कि आज के समय में ऐसे अनुभवी एवं समर्पित व्यक्तित्व समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव, मार्गदर्शन एवं नेतृत्व का लाभ आने वाली पीढ़ियों को निरंतर मिलता रहे, यही समाज की अपेक्षा है।कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने एक स्वर में उनके स्वस्थ, सक्रिय एवं दीर्घायु जीवन की मंगलकामना करते हुए समाजहित एवं जनकल्याण के कार्यों में निरंतर सक्रिय बने रहने का आग्रह किया।शुभकामना संदेश पुन्नूराम प्रधान स्वस्थ रहें मस्त रहें, दीर्घायु हों तथा अपने अनुभव, नेतृत्व और प्रेरणादायी व्यक्तित्व से समाज को निरंतर नई दिशा प्रदान करते रहें।

प्रधानमंत्री स्वनिधि लोन महोत्सव का आयोजन बड़ी संख्या में उपस्थित हुए शहरी पथ विक्रेता

कांकेर / नवप्रदेश। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत् पथ एवं फुटकर विक्रेताओं को स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पुराना कम्युनिटी हॉल में प्रधानमंत्री स्वनिधि लोन महोत्सव मेले का आयोजन किया गया। मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन कुमार मेरिया ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य पथ विक्रेताओं, शहरी गरीबों एवं असंगठित श्रमिकों को वित्तीय समावेश, डिजिटल सशक्तीकरण एवं सामाजिक सुरक्षा लाभों से जोड़ना है। मेले में बड़ी संख्या में पथ एवं फुटकर विक्रेताओं ने अपने व्यवसाय के विस्तार के लिए ऋण आवेदन जमा किए। अग्रणी बैंक सहित विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों के काउंटर लगाए गए, जहां आवेदकों को ऋण प्रक्रिया, पात्रता और अन्य आवश्यक जानकारियां प्रदान की गई।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने निकाय क्षेत्र के सभी पथ और फुटकर विक्रेताओं से अपील की है कि आवश्यक दस्तावेजों के साथ शिविर में उपस्थित होकर प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना का लाभ उठाएं और अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए ऋण सुविधा प्राप्त करें। शिविर संचालन के सफल संचालन के लिए मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है। शिविर में ऋण प्राप्त करने के इच्छुक हितग्राहियों से आधार कार्ड, बैंक पासबुक, पैन कार्ड की छायाप्रति और पासपोर्ट आकार का फोटो जमा करने को कहा गया।

लोक कल्याण मेला शिविर का आयोजन 16 से 23 जून तक: मुख्य नगर पालिका अधिकारी पवन मेरिया ने बताया कि कांकेर के न्यू कम्युनिटी हॉल में 16 जून को लोक कल्याण मेला शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार 19 जून को नगर पालिका परिषद सभाकक्ष में तथा 23 जून को पुराना कम्युनिटी हॉल कांकेर में प्रातः 10.30 बजे से दोपहर 02 बजे तक किया जाएगा तथा 24 जून को नगर पालिका परिषद सभाकक्ष में प्रातः 11 बजे से दोपहर 02 बजे तक पुरस्कार वितरण एवं सम्मान समारोह आयोजित किए जाएंगे।

सिनेमा के माध्यम से पर्यावरण स्वच्छता, सामाजिक दायित्व एवं नैतिक शिक्षा के विकास की पहल

पैराडाइज स्कूल में स्कूल सिनेमा शिक्षक प्रशिक्षण आयोजित

कांकेर / नवप्रदेश। सोमवार को पैराडाइज हायर सेकेंडरी स्कूल में छात्रों में नैतिक मूल्यों संस्कारों एवं सदगुणों तथा सामाजिक दायित्वों के विकास के उद्देश्य से पैराडाइज हायर सेकेण्डरी स्कूल द्वारा ÷पैराडाइज ऑन स्कूल सिनेमा÷ कार्यक्रम की शुरूआत की गई है। इस कार्यक्रम के प्रभावी संचालन हेतु विद्यालय में सभी शिक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया।प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञ प्रशिक्षण जसपाल सिंह ने शिक्षकों को स्कूल सिनेमा चैनल के संचालन, नैतिक एवं प्रेरणादायक कहानियों पर आधारित फिल्मों के प्रदर्शन तथा विद्यार्थियों के साथ संवादात्मक शिक्षण की जानकारी दी। स्कूल सिनेमा के माध्यम से कक्षा पहली से आठवी तक के विद्यार्थियों के लिए अलग-अलग दिनों में नैतिक शिक्षा की कक्षाएं आयोजित किये जाएंगे।प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थियों को फिल्मों के साथ एक वर्कबुक भी प्रदान की जाएगी। जिसमें फिल्म से जुड़े प्रश्न अभ्यास एवं नैतिक गतिविधियों शामिल रहेंगी। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में ईमानदारी, अनुशासन, वैज्ञानिक सोच, स्वच्छता, करूणा, सहयोग और सामाजिक जिम्मेदारी जैसे आदि गुणों का विकास किया जाएगा।पैराडाइज स्कूल द्वारा आधुनिक स्कूल सिनेमा शिक्षण पद्धति के माध्यम से बच्चों को नैतिक शिक्षा प्रदान करना इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। कहानियों और प्रेरणादायक फिल्मों के माध्यम से विद्यार्थी नैतिक मूल्यों को आसानी से समझ सकेंगे तथा उन्हें अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित होंगे। प्रशिक्षण के पश्चात अब विद्यालय के शिक्षक स्वयं इस स्कूल सिनेमा नैतिक शिक्षा सत्रों का संचालन करेंगे। विद्यालय प्रबंधक को विश्वास है कि यह अनूठा पहल विद्यार्थियों के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।इस विशेष ÷नैतिक शिक्षा÷ से प्रेरित ÷स्कूल सिनेमा प्रशिक्षण कार्यक्रम को सपन्न कराने मे प्राचार्य रश्मि रजक का मार्गदर्शन रहा एवं कोऑर्डिनेटर ऐश्वर्या साहू, वरिष्ठ शिक्षक प्रीति झा, रूबी खान, पवित्र बराई, शिक्षक दीपांजली गोगोई, वर्षा रामानी, एस. मर्सी, तीरथ साहू, संगीता भारती, सरिता मिश्रा, रिया सोनी, रचना शर्मा, कृष्णापद कुंभकार, टाकेश्वर साहू, सुकदेव सरकार, लक्ष्मीनारायण नामदेव, पेंकटेश पटेल, रामेश्वरी साहू, शांतिलीना नेताम, संतोष कुमार ठाकुर, पार्वती गजबल्ला, मनीषा साहू, सलमा खान, प्रीतिलता सोरी, शिखा मेहरा, पूजा खरे, नंदनी साहू, नेहा राठौर, लीना जैन, दीक्षा राठौर, मामानी कुंभकार, रितु, झरना, मंजू साहू, मनीष बाखला आदि शिक्षकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

राशन वितरण में पारदर्शिता लाने खाद्य विभाग का बड़ा फैसला

ओटीपी से राशन वितरण पर रोक बायोमेट्रिक सत्यापन से ही मिलेगा

बीजापुर / नवप्रदेश। सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और राशन विरतण में हो रही अनियमितताओं पर रोक लगाने के लिए खाद्य विभाग ने बड़ा निर्णय लिया है। अब प्रदेश सहित बीजापुर जिले की सभी उचित मूल्य की राशन दुकानों मे निःशक्तजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को छोड़कर अन्य सभी हितग्राहियों को केवल बोयामेट्रिक सत्यापन के माध्यम से ही राशन प्राप्त होगा।

विभाग द्वारा ओटीपी आधारित राशन वितरण व्यवस्था को प्रभावी रूप से बंद करने के निर्देश जारी किया गया हैं। खाद्य विभाग को लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही थी कि कुछ राशन दुकानदार हितग्राहियों से फोन पर ओटीपी लेकर उनके नाम पर राशन का उठाव दर्ज कर देते थे, लेकिन वास्तविक रूप से खाद्यान्न का वितरण नहीं किया जाता था। इसके बदले संबंधित कार्डधारियों के खातें में कुछ राशि ऑनलाईन भेज दी जाती थी। इससे राशन के बदले नकद भुगतान की समानांतरण व्यवस्था विकसित हो गई थी जिससे सार्वजनिक वितरण प्रणाली की पारदर्शिता प्रभावित हो रही थी।

विभाग के अनुसार हाल के समय में राशन वितरण में एक नई प्रवृत्ति सामने आई थी, जिसमें कुछ हितग्राही स्वयं राशन दुकान तक नहीं पहुँचते थे और दुकानदार को फोन पर ओटीपी बता देते थे। इसके बाद दुकानदार उनके नाम पर राशन वितरण दर्ज कर देता था, जबकि खाद्यान्न दुकान में ही रोक लिया जाता था।

एक जुलाई से लागू होगी नई ग्रामीण रोजगार योजना, सरगुजा में दो दिवसीय प्रशिक्षण का शुभारंभ

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। विकसित भारत रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन ग्रामीण योजना के सफल संचालन एवं प्रभावी क्रियान्वयन के उद्देश्य से सरगुजा संभाग स्तरीय दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का शुभारंभ आज जिला पंचायत सभाकक्ष, अम्बिकापुर में किया गया।

यह कार्यशाला 15 एवं 16 जून 2026 को आयोजित की जा रही है, जिसमें सरगुजा संभाग के छह जिलों के प्रतिनिधि सहभागिता कर रहे हैं। गौरतलब है कि विकसित भारत रोजगार गारंटी एवं आजीविका मिशन ग्रामीण योजना आगामी 1 जुलाई 2026 से प्रदेश में क्रियान्वित की जाएगी। योजना के सफल संचालन और जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए यह प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई है। कार्यशाला में सरगुजा संभाग अंतर्गत जिला सरगुजा, सूरजपुर, बलरामपुर-रामानुजगंज, जशपुर, कोरिया जिला तथा मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान योजना के प्रभावी संचालन, ग्राम पंचायतों की भूमिका तथा विकसित भारत के संकल्प को जमीनी स्तर पर मूर्त रूप देने के लिए आवश्यक बिंदुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। कार्यशाला में प्रतिभागियों को योजना के उद्देश्य, क्रियान्वयन प्रक्रिया, जनसहभागिता बढ़ाने के उपाय एवं बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही ग्राम स्तर पर रोजगार और आजीविका के अवसरों को सुदृढ़ करने

के लिए पंचायतों की जिम्मेदारियों को भी स्पष्ट किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत सरगुजा के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह योजना ग्रामीण विकास और रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपील की कि प्रशिक्षण में दी जा रही जानकारियों को गंभीरता से आत्मसात करें और अपने-अपने क्षेत्रों में योजना के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के नए अवसर सृजित होंगे तथा विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में ग्राम पंचायतों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। उन्होंने प्रतिभागियों को भविष्य में जनहितकारी कार्यों को उत्कृष्ट रूप से क्रियान्वित करने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण कार्यशाला में विभिन्न जिलों के सहायक परियोजना अधिकारियों द्वारा मास्टर ट्रेनर के रूप में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त कर कार्यक्रम अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण आगामी दिनों में योजना के सुचारू संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

न्यूज गैलरी

शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालक पर 10 हजार रुपए का जुर्माना

सक्ती/नवप्रदेश। जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से यातायात पुलिस द्वारा लगातार सघन वाहन जांच

अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी वाय. एन. शर्मा एवं यातायात शाखा के अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा ब्रीथ एनालाइजर यंत्र की सहायता से वाहन चालकों की जांच की जा रही है। इस दौरान शराब सेवन कर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कड़ी कार्रवाई की जा रही है। जानकारी के अनुसार, 13 मई 2026 को चन्द्रर-चन्दली मेन रोड एनएच-153 पर जांच के दौरान वाहन क्रमांक ष्टत्त 10 क्ष्ह 2300 के चालक प्रशांत कुमार अग्रवाल (43 वर्ष), निवासी सावित्री नगर, रायगढ़ को शराब पीकर वाहन चलाते हुए पाया गया। यातायात पुलिस ने मौके पर विधिवत कार्रवाई करते हुए पंचनामा तैयार किया तथा वाहन को जप्त कर लिया। इसके बाद प्रकरण को माननीय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, सक्ती के न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। सुनवाई के बाद न्यायालय ने चालक को मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत दोषी पाते हुए 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का हुआ समापन, नागरिकों ने सराहा

सक्ती/नवप्रदेश। केंद्र में मोदी सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर कलेक्टर अमृत विकास तोपनों के निर्देशन में सक्ती जिले में छत्तीसगढ़ शासन जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित तीन दिवसीय छायाचित्र प्रदर्शनी का रविवार को समापन हुआ। प्रदर्शनी में पिछले 12 वर्षों के दौरान देश में हुए विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं और सुशासन की पहल को छायाचित्रों एवं डिजिटल माध्यमों से प्रदर्शित किया गया, जिसे जनप्रतिनिधियों से लेकर आम नागरिकों तक ने सराहा। जिला पंचायत परिसर में 12 जून से 14 जून तक आयोजित प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर विभिन्न योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी ली। प्रदर्शनी स्थल आकर्षण का केंद्र बना और प्रदर्शनी स्थल पर पहुची कई महिलाओं ने उत्साहपूर्वक सेल्फी भी ली। जिला पंचायत अध्यक्ष द्रौपती कीर्तन चंद्रा, जिला पंचायत सदस्य विद्या सिदार, टीकेश्वर गबेल आदि जनप्रतिनिधियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए कहा कि प्रदर्शनी में पिछले 12 वर्षों में बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य, डिजिटल सेवाओं और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में हुए बदलावों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया है। इस पहल ने विकास यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने के साथ ही शासन की योजनाओं के प्रति लोगों की जागरूकता बढ़ाने का कार्य किया है।

15 जुलाई तक जिले में चलेगा सघन कुष्ठ खोज अभियान

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कुष्ठ मुक्त जिला एवं छुपे हुए रोगियों की पहचान एवं कुष्ठ रोग के प्रति समाज में फैली हुई भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पी.एस.मार्को के निर्देशन में जिला कुष्ठ अधिकारी डॉ.पी. के. सिन्हा के मार्गदर्शन में जिले के सभी विकासखण्डों एवं शहरी क्षेत्रों में 15 जून से शुरू सघन कुष्ठ खोज अभियान 15 जुलाई 2026 तक चलाया जा रहा है। जिला कार्यालय से सिविल सर्जन सह डॉ. रेलवानी एवं जिला स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अधिकारी डॉ.बी.सी.पैकरा की उपस्थिति में जागरूकता रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत 15 जुलाई 2026 तक जिले के सभी विकासखण्डों के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में चयनित सर्वे दल द्वारा घर-घर जा कर सभी व्यक्तियों का कुष्ठ के लक्षणों के आधार पर जांच किया जाना है। कुष्ठ के संभावित आने पर उस व्यक्ति का चिकित्सा अधिकारी के द्वारा पुष्टि कर उपचार प्रारंभ किया जाएगा। इस अभियान के अतंर्गत विकासखण्डों में की जा रही गतिविधियों के मॉनिटरिंग एवं सुपरविजन हेतु जिला स्तर से एक-एक नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं तथा विकासखण्ड हेतु विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी को जिम्मेदारी दी गई। जिला कुष्ठ अधिकारी ने बताया कि कुष्ठ कोई छुआछूत की बीमारी नहीं है, यह संक्रमित व्यक्ति के खासने, छिकने से उसके संपर्क में आने से शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने से हो सकती है। कुष्ठ का ईलाज संभव है, अतः इससे घबराएं नहीं जांच दल आने पर अपना जांच अवश्य करवाएं।

जिला स्तरीय बैठक व कार्यकारिणी हुई गठित

लैलूंगा/रायगढ़/नवप्रदेश। 14 जून। सूत सारथी समाज जिला रायगढ़ द्वारा जिला स्तरीय बैठक, जिला कार्यकारिणी गठन, सामाजिक जनगणना प्रपत्र विमोचन एवं प्रतिभावान छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का भव्य आयोजन लैलूंगा स्थित मंगलम भवन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न ब्लॉकों से बड़ी संख्या में समाजजन एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के पूर्व जिला अध्यक्ष दिलीप सारथी जी ने की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सूत सारथी समाज के नव-निर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष योगेश सारथी (राजनांदगांव) एवं प्रदेश महासचिव विक्रम सिंह सेंगर जी (दुर्ग) उपस्थित रहे।साथ में प्रदेश कार्यकारिणी से लक्ष्मी प्रसाद सारथी (प्रदेश कोषाध्यक्ष), हेमलता सारथी (प्रदेश प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य), ममता सारथी (पूर्व महिला जिला अध्यक्ष रायपुर), शंकर सारथी (पूर्व जिला सचिव, रायपुर) , बल्लू सारथी (पूर्व जिला अध्यक्ष बिलासपुर),

शिव सारथी जी, श्री राजेंद्र सारथी जी एवं कामिनी सारथी उपस्थित रहे।युवा प्रकोष्ठ रायपुर से मनीष सारथी एवं दीपक सारथी की विशेष सहभागिता रही। मुख्य अतिथियों के प्रथम जिला रायगढ़ आगमन पर समाजजनों द्वारा उनका भव्य स्वागत किया गया। अतिथियों के स्वागत में नगाड़ों की गूंज, आतिशबाजी एवं पुष्पवर्षा के साथ फूल-मालाओं से अभिनंदन किया गया। स्वागत के पश्चात सभी अतिथियों द्वारा सूत समाज के आराध्य पूज्य सुमंत महाराज एवं सूत जी महाराज के छायाचित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। बैठक में सर्वसम्मति से जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें जिला अध्यक्ष देशीराम सारथी (चोटीगुड़ा, घरघोड़ा), जिला उपाध्यक्ष सुरेश सारथी (शाहपुर), जिला सचिव सुंदरलाल सारथी (केवली) तथा जिला कोषाध्यक्ष शिवनाथ सारथी (गीतकालो) को मनोनीत किया गया। नवगठित पदाधिकारियों का समाजजनों द्वारा अभिनंदन कर उन्हें शुभकामनाएं दी गईं। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष योगेश सारथी एवं प्रदेश महासचिव विक्रम सिंह सेंगर जी के द्वारा रायगढ़ जिला सामाजिक जनगणना प्रपत्र का विधिवत विमोचन किया गया।उन्होंने कहा कि समाज की वास्तविक सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक स्थिति के आंकड़े एकत्रित कर समाज के विकास के लिए ठोस योजनाएं बनाई जा सकेंगी।कार्यक्रम में समाज के प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति करने एवं समाज का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया।

प्रदेश अध्यक्ष योगेश सारथी ने अपने उद्बोधन में समाजजनों को एकजुट रहकर संगठन को मजबूत बनाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि समाज की उन्नति का मूल आधार शिक्षा, संगठन एवं आपसी समरसता है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से समानता और भाईचारे की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया तथा युवाओं एवं विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने समाज हित में संचालित किए जाने वाले आगामी कार्यक्रमों एवं योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि प्रदेश स्तर पर समाज की सामाजिक, शैक्षणिक एवं आर्थिक प्रगति के लिए विभिन्न योजनाएं तैयार की जा रही हैं। उन्होंने सामाजिक जनगणना, संगठन विस्तार, युवा एवं महिला सशक्तिकरण, प्रतिभा सम्मान तथा समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान हेतु सामूहिक प्रयासों पर विशेष जोर दिया। साथ ही नवगठित जिला कार्यकारिणी से समाज के विकास एवं संगठन की मजबूती के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। जिले के सभी ब्लॉकों के पदाधिकारियों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही, जिनमें लैलूंगा ब्लॉक अध्यक्ष प्रीतराम सारथी , घरघोड़ा ब्लॉक अध्यक्ष मेघनाथ सारथी , कापू ब्लॉक अध्यक्ष करमसाय सारथी , तमनार ब्लॉक अध्यक्ष छतरसाय सारथी एवं खरसिया ब्लॉक अध्यक्ष सुमित सारथी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। महिला संगठन की ओर से लैलूंगा ब्लॉक महिला अध्यक्ष श्रीमती दुर्गेशनंदिनी सारथी जी , घरघोड़ा ब्लॉक महिला अध्यक्ष शारदा सारथी एवं घरघोडा ब्लॉक सचिव कमला सारथी जी, कापू ब्लॉक महिला सचिव किरण सारथी एवं खरसिया बोतल्दा से किरण सारथी की सक्रिय सहभागिता रही। महिला पदाधिकारियों ने कार्यक्रम की व्यवस्था एवं संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति से पूर्व प्रदेश युवा उपाध्यक्ष गौतम कुलदीप , प्रदेश युवा उपाध्यक्ष शंभू सारथी , रायगढ़ जिला युवा अध्यक्ष आकृत सारथी तथा प्रदेश चुनाव समिति सदस्य मधु सारथी जी उपस्थित रहे। साथ में किशोर सारथी, संतोष सारथी ,युध्दराम सारथी , हेतराम सारथी , किशन सारथी, मुकेश सारथी, कृष्णा सारथी, सपन सारथी,ऋषि सारथी, समेत रायगढ़ जिला के समस्त ब्लॉक पदाधिकारीगण एवं युवा संगठन का विशेष योगदान रहा।

फर्जीवाड़ा: नगर पंचायत बम्हनीडीह का मामला: नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने कहा पहले जांच फिर होंगे यहां से रिलीव

सीएमओ पर लाखों का घोटाला कर स्थानांतरण कराने का आरोप, लोगों में आक्रोश

जांजगीर-चांपा/नवप्रदेश। जांजगीर-चांपा जिले के नगर पंचायत बम्हनीडीह के सीएमओ पर लाखों रुपए के घोटाले का आरोप नगर की जनता लगा रही है नगरवासीयो का आरोप है की सीएमओ ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए सिदार घाट मुक्त धाम मरम्मत एवं सौंदर्यीकरण के नाम पर लाखों रुपए निकाल कर हजम कर लिया है वहीं अब इसकी जांच और कार्रवाई की मांग तेज हो चुकी है नगर पंचायत बम्हनीडीह के नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने भी इस भ्रष्टाचार के मुद्दे को प्रमुखता से लेते हुए इसकी पुरी जांच कराने की योजना बना ली है नगरवासीयो का कहना है की सीएमओ ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए कुछ स्थानीय नेताओं से साठ गांठ कर इस मुक्ति धाम मरम्मत और सौंदर्यीकरण कार्य के नाम पर बड़ा भ्रष्टाचार किया है और अब इसके पोल खुलने की पारी आई तो उच्च अधिकारीयों से सांठगांठ कर अपना स्थानांतरण करा कर यहां से चलने की पुरी तैयारी कर ली है जिससे इस पुरे भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल रहे और इसकी पोल न खुले जाये।

पूर्व सरपंच प्रतिनिधि से अवैध उगाही का भी लग चुका है आरोप

नगर पंचायत बम्हनीडीह के सीएमओ राधाचरण तिवारी पर बम्हनीडीह के पूर्व सरपंच प्रतिनिधि राज कुमार पटेल से भी बील भुगतान के नाम पर फोन पे के माध्यम से पैसा लेने का आरोप लग चुका है जिसकी शिकायत नगरीय प्रशासन विभाग रायपुर में की गई थी जिस पर विभाग ने किसी तरह की कोई भी जांच करने में कोई रूचि नहीं ली है जिससे अवैध उगाही के मामले में जांच नहीं होने

से सीएमओ के हौसले बुलंद हैं और वह एक एक कर नगर पंचायत बम्हनीडीह की शासकीय राशि में अनियमितता करने में कोई कसर नहीं छोड़ा है राज कुमार पटेल ने आरोप लगाया है की सीएमओ के इस अवैध उगाही में उच्च अधिकारी के संरक्षण होने के कारण सीएमओ के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो रही है

सामान खरीदी से लेकर फ्लेक्स खरीदी तक में लाखों का घोटाला

नगर पंचायत बम्हनीडीह में जब से सीएमओ राधाचरण तिवारी ने परभार ग्रहण किया है तब से यहां भ्रष्टाचार की गंगा बहाने लगी है नगरवासीयो का आरोप है की सीएमओ ने सामान खरीद और फ्लेक्स खरीदी तक में बडा भ्रष्टाचार किया है नगरवासीयो का आरोप है की सीएमओ ने सारे खरीदी किये गये सामानों का बील बलौदा का लगाकर लाखो रुपए निकाल कर हजम कर लिया है इसके साथ ही हर बील में निर्धारित दर से अधिक के रकम का उल्लेख कर राशि निकाली गई है जिसकी जांच होनी अतिआवश्यक है । वहीं इस आरोप की पुष्टि करने के लिए सीएमओ राधाचरण तिवारी को फोन किया गया परन्तु उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया।

चलते ट्रक पर चढ़कर चावल चोरी, आरोपी गिरफ्तार

सक्ती। जिले में चलती ट्रक से चावल चोरी करने के मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है, जबकि घटना में शामिल उसके दो अन्य साथियों की तलाश जारी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, वार्ड क्रमांक 14 सक्ती निवासी संकेत गोयल ने थाना सक्ती में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 9 जून 2026 को उसके ट्रक में मारुति एग्रोवेट राइस मिल सरवानी से 580 बोरी सीएमआर चावल लोड कर शासकीय गोदाम टेमर भेजा गया था। गोदाम में माल उतारने के दौरान 50-50 किलोग्राम की तीन बोरी चावल कम पाई गई। चालक से पूछताछ करने पर उसे घटना की कोई जानकारी नहीं थी।मामले की

जांच के दौरान प्रार्थी ने सरवानी से टेमर मार्ग पर लगे विभिन्न सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। 14 जून को टेमर स्थित एक फर्नीचर दुकान के सीसीटीवी फुटेज में एक युवक चलते ट्रक पर चढ़कर चावल की बोरियां नीचे गिराते हुए दिखाई दिया। वहीं, दो अन्य व्यक्ति मोटरसाइकिल पर सवार होकर उससे बातचीत करते नजर आए। फुटेज के आधार पर तीनों द्वारा मिलकर चोरी की वारदात को अंजाम देने की पुष्टि होने पर थाना सक्ती में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई। गठित टीम ने जांच के दौरान मुख्य आरोपी की पहचान नितिन कुमार पटेल (21 वर्ष), निवासी नंदेली, थाना सक्ती के रूप में की। पूछताछ में आरोपी ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर तीन बोरी चावल चोरी करना स्वीकार किया। उसके हिस्से में आए 50 किलोग्राम चावल को पुलिस ने बरामद कर जप्त कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले में फरार अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

जमीन सीमांकन के दौरान दो पक्षों में मारपीट, मामला दर्ज

लखनपुर/नवप्रदेश। ज़मीन सम्बंधि विवाद में अक्सर मारपीट होने की शिकायत रही है। इतिहास गवाह है ज़माने में कईयो ने अपने जान तक गंवा चुके हैं। लेकिन जमीन विवाद है कि ख़त्म होने का नाम नहीं ले रहा। इसी कड़ी में थाना लखनपुर क्षेत्र के ग्राम पंचायत तराज़ू में जमीन सीमांकन के दौरान दो पक्षों में मारपीट होने का मामला सामने आया है पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मुनेश्वर राम वल्द गावटू राम 60 वर्ष ग्राम तराज़ू और तिवारी सिंह का ज़मीन लगा हुआ है।

समर कैंप व आकर 2026 का समापन

लखनपुर/नवप्रदेश। 1 जून 2026 से आयोजित 15 दिवसीय समर कैंप तथा 8 जून 2026 से 7 दिवसीय संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग द्वारा आयोजित आकर 2026 के कार्यक्रम का आज 14 जून सोमवार को समापन किया गया।

आकर 2026 कार्यक्रम के अंतर्गत नृत्य, नाटक, वाद्य यंत्र, चित्रकला ,क्ले आर्ट ,न्यूरल आर्ट, हस्तकला ,ड्राई फ्लावर, कोरसिया रजवाड़ भीटी चित्र, मेहंदी, मृदा शिल्प ,गोदना, बास कला विधाओं को सीखने के लिए 20 कला गुरु के साथ कार्यक्रम

संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री प्रतिनिधि राकेश अग्रवाल राहुल अग्रवाल एसएमडीसी अध्यक्ष पीएम लखनपुर रवि अग्रवाल के मार्गदर्शन में प्रारंभ किया गया था। . कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विद्यालय के प्राचार्य एवं आकर प्रभारी अनूप कुमार किंडो अविनाश शर्मा आशीष इक्का एवं शिक्षकों प्रशिक्षार्थियों के द्वारा मंत्री प्रतिनिधि राकेश अग्रवाल शाला विकास एवं प्रबंधन समिति अध्यक्ष रवि अग्रवाल राजेंद्र जैसवाल अग्रवाल सचिन अग्रवाल तथा कला गुरुओं को सम्मान पुष्प भेंट कर किया गया तथा आकर प्रभारी अनूप कुमार किंडो ने उद्घाटन सत्र में प्रशिक्षार्थियों को कार्यक्रम अच्छे से सीखने एवं इसका पूर्ण लाभ लेकर अपने दैनिक जीवन में उपयोग करने की बात कही तथा उनके द्वारा बताया गया।

।। कार्यालय नगर पालिक निगम, दुर्ग ।।

EmailId- durgmc2019@gmail.com Phone -0788-2322148

-: ई-प्रोक्योरमेंट निविदा आमंत्रण सूचना ::

क्रमांक/489/लो.क.वि./2026 दिनांक 15/06/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत अनुभवी ठेकेदारों से नीचे उल्लेखित कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आंमत्रित की जाती है-

क्र.	कार्य का नाम	लागत (लाख में)	निविदा जारी दिनांक
1	वार्ड क्रमांक 10, दुर्गा चौक से बुद्ध बिहार तक बी.टी. रिनिवल कार्य। System No. 193384, Dated-15.06.2026	रू. 25.08	
2	वार्ड क्रमांक 11, शंकर नगर बुद्ध विहार चौक से कुर्मी भवन एवं अन्य स्थानों पर बी.टी. रिनिवल कार्य। System No. 193385, Dated-15.06.2026	रू. 16.93	
3	वार्ड क्रमांक 13, गुप्ता नर्सिंग होम से चन्द्राकर जी के घर तक बी.टी. रिनिवल कार्य। System No. 193386, Dated-15.06.2026	रू. 23.22	
4	वार्ड क्रमांक 13, मोहन नगर में कश्यप घर से ईश्वर वर्मा घर एवं आकाश दानी गली से लाल बिल्डिंग एवं हैंड पंप से शीतला मंदिर तक बी.टी. रिनिवल कार्य। System No. 193387, Dated-15.06.2026	रू. 21.42	ऑनलाईन निविदा दिनांक 15.06.2026 से 06.07.2026
5	वार्ड क्रमांक 15,16 जयस्तंभ चौक से हनुमान मंदिर तक बी.टी.रिनिवल कार्य। System No. 193388, Dated-15.06.2026	रू. 15.09	
6	वार्ड क्रमांक 19,22 सूर्या होटल से लेकर कैलाश नगर होते हुए स्वामी आत्मानंद स्कूल से प्लाजा तक बी.टी. रिनिवल कार्य। System No. 193389, Dated-15.06.2026	रू. 25.38	
7	वार्ड क्रमांक 29, गौरव पथ रोड, निगम कार्यालय में बी.टी.रिनिवल कार्य। System No. 193390, Dated-15.06.2026	रू. 28.11	निविदा फिजिकल जमा करने की तिथि 08.07.2026
8	वार्ड क्रमांक 31 लंगूरवीर मंदिर चौक से गवली पारा रोड तक बी.टी. रिनिवल कार्य । System No. 193391, Dated-15.06.2026	रू. 13.22	
9	वार्ड क्रमांक 32,33 गवली पारा चौक से से पंचमुखी हनुमान मंदिर तक बी.टी. रिनिवल कार्य। System No. 193393, Dated-15.06.2026	रू. 12.92	
10	वार्ड क्रमांक 40, ग्रीन टेंट हाउस से बाबा आटा चक्की तक एवं राशन दुकान गली लाईन में बी.टी. रिनिवल कार्य। System No. 193394, Dated-15.06.2026	रू. 16.98	खोलने की तिथि 09.07.2026
11	वार्ड क्रमांक 42, शिव मंदिर से नाला तक एवं विभिन्न गलियामें में बी.टी. रिनिवल कार्य। System No. 193396, Dated-15.06.2026	रू. 14.35	
12	वार्ड क्रमांक 43, आदर्श नगर, अजय तिवारी के घर के पास नाला से प्रदीप प्लाजा एवं विभिन्न गलियों में बी.टी. रिनियल कार्य। System No. 193397, Dated-15.06.2026	रू. 14.35	
13	वार्ड क्रमांक 50 बोरसी भाठा पैराडाईज अपार्टमेंट कॉलोनी एवं शैल बिन्दु कॉलोनी में बी.टी. रिनिवल कार्य। System No. 193399, Dated-15.06.2026	रू. 17.49	
14	वार्ड क्रमांक 51, प्रगति नगर, विराट नगर एवं मधुबन नगर में बी.टी. रिनिवल कार्य। System No. 193400, Dated-15.06.2026	रू. 11.80	

कार्यपालन अभियंता

निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है अथवा ई-प्रोक्यूरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in एवं विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड की जा सकती है।

आयुष्मान कार्ड निर्माण में मुंगेली ने रचा कीर्तिमान, प्रदेश में हासिल किया दूसरा स्थान

मुंगेली/नवप्रदेश। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में जिले ने उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए पूरे छत्तीसगढ़ में द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने और प्रत्येक पात्र हितग्राही को स्वास्थ्य सुरक्षा कवच प्रदान करने की दिशा में किए गए सतत प्रयासों का परिणाम है।

जिले को निर्धारित 08 लाख 26 हजार 980 आयुष्मान कार्ड निर्माण के लक्ष्य के विरुद्ध अब तक 07 लाख 95 हजार 330 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं। इस प्रकार जिले ने 96.17 प्रतिशत कवरेज प्राप्त कर राज्य स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है।

यह सफलता जिला प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग, विकासखंड स्तरीय अधिकारियों, आयुष्मान मित्रों तथा मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के समन्वित एवं समर्पित प्रयासों का प्रतिफल है। शेष पात्र हितग्राहियों तक योजना का लाभ पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिससे जिले में शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड कवरेज सुनिश्चित किया जा सके। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार आयुष्मान कार्ड की उपयोगिता बढ़ाने पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा की अध्यक्षता में जिले के सभी विकासखंडों के चिकित्सा अधिकारियों एवं कर्मचारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में सभी शासकीय अस्पतालों को निर्देशित किया गया कि भर्ती होने वाले पात्र मरीजों का उपचार आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए तथा क्लेम प्रक्रिया का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाए, ताकि अधिक से अधिक हितग्राही योजना का लाभ प्राप्त कर सकें। वरिष्ठ नागरिकों के स्वास्थ्य सुरक्षा कवच को मजबूत बनाने के लिए 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के नागरिकों हेतु वय वंदना कार्ड पंजीयन अभियान भी तेज गति से संचालित किया जा रहा है। राज्य स्तर से निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप जिले में पंजीयन कार्य युद्धस्तर पर जारी है। योजना के सुचारू संचालन और क्लेम प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए जिले के समस्त संबंधित ऑपरेटरों को एक दिवसीय विशेष प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण में आयुष्मान पोर्टल संचालन, मरीज पंजीयन, भर्ती प्रक्रिया, क्लेम प्रबंधन एवं तकनीकी पहलुओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। डॉ. साहा ने बताया कि आयुष्मान एवं वय वंदना कार्ड निर्माण के साथ-साथ कार्डों की उपयोगिता बढ़ाने पर विशेष फोकस किया जा रहा है। इसके लिए शासकीय एवं निजी अस्पतालों में नियमित मॉनिटरिंग, साप्ताहिक समीक्षा और व्यापक जनजागरूकता अभियान संचालित किए जाएंगे।

न्यूज गैलरी

'नैनो उर्वरक' से सरगांवा के किसान बिराज की आय में हुई वृद्धि

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कृषि में नवाचार, आधुनिक तकनीक और फसल विविधीकरण को अपनाकर ग्राम सरगांवा के उन्नत कृषक बिराज विश्वास ने खेती को घाटे के सौदे से निकालकर मुनाफे के व्यवसाय में बदल दिया है। पारंपरिक धान की खेती में लगने वाली अत्यधिक मेहनत और कम मुनाफे को देखते हुए बिराज ने मक्के की खेती का रुख किया और आज वे 'नैनो उर्वरकों' के उपयोग से बंपर पैदावार ले रहे हैं। कृषक बिराज विश्वास बताते हैं कि उनके पास कुल 7 एकड़ कृषि भूमि है। उन्होंने पिछले चार सालों से धान की फसल लेना बंद कर दिया है। इसके स्थान पर वे अब मक्के की खेती कर रहे हैं। वे आधुनिक तरीके से ट्रैक्टर से खेतों की जुताई कर कतारबद्ध तरीके से उन्नत किस्म के बीजों की बुआई करते हैं। मक्के की खेती में धान की अपेक्षा लागत और मेहनत दोनों कम लगती है। वर्तमान में वे एक ही वर्ष में मक्के की तीन फसलें ले रहे हैं, जिनमें से एक फसल कच्चे भुट्टे के रूप में और शेष दो दाने के रूप में बाजार में बेची जाती है। इसके अतिरिक्त वे अपनी कुछ जमीन पर सब्जियों की भी खेती कर अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं। बिराज अपनी खेती में रासायनिक खादों का प्रयोग कम से कम करते हैं। वे भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने के लिए मुख्य रूप से गोबर की खाद और मुर्गी पालन से प्राप्त जैविक खाद का उपयोग करते हैं। इसके साथ ही उन्होंने 'नैनो खाद' को भी अपनी खेती का अहम हिस्सा बना लिया है। उन्होंने बताया कि सरकार ने जो नैनो खाद निकाला है, वह बहुत ही बेहतरीन है। पहले मैं भी इसके प्रति आशंकित था, लेकिन पिछले एक साल से इसके उपयोग के बाद मुझे इसके शानदार परिणाम मिले हैं। दानेदार डीएपी या अन्य खाद 15-20 दिनों में मिट्टी के नीचे चले जाते हैं जिससे पौधों को पूरा पोषण नहीं मिल पाता। लेकिन नैनो खाद का स्प्रे करने से पौधों को तुरंत और संपूर्ण खुराक मिल जाती है।

सुशासन तिहार : प्राप्त आवेदनों को समय पर निराकरण करने दिए निर्देश

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। कलेक्टर अजीत वसंत ने सोमवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक लेकर जिले में संचालित योजनाओं एवं कार्यक्रमों में प्रगति की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। बैठक में पूर्व में दिए गए निर्देशों पर प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक एवं रामसिंह ठाकुर, नगर निगम कमिश्नर डी एन कश्यप सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में नक्शा प्रोजेक्ट में प्रगति, एग्रिस्टेक पंजीयन, जाति प्रमाण पत्र में प्रगति, एनएचएम अंतर्गत भर्ती, ई केवाईसी में प्रगति, आयुष्मान कार्ड निर्माण, डीएमएफ अंतर्गत अपूर्ण कार्यों की स्थिति सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान जनदर्शन, जन चौपाल, जन शिकायत, पीजी पोर्टल आदि पर समीक्षा की गई। कलेक्टर वसंत ने सुशासन तिहार के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के निराकरण में प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने मांग संबंधी आवेदनों का निराकरण प्राथमिकता के आधार पर करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि मांग संबंधी सभी आवेदन जल्द से जल्द पूर्ण किए जाएं, ताकि आमजन को समय पर लाभ मिल सके। बैठक में विभिन्न विभागों के लंबित एवं निराकृत आवेदनों की विभागवार समीक्षा की गई। अधिकारियों से आवेदन निराकरण की स्थिति, प्रगति तथा शेष मामलो की जानकारी ली गई। समीक्षा के दौरान यह भी निर्देश दिए गए कि आवेदनों के निराकरण में किसी प्रकार की लापरवाही या अनावश्यक विलंब न हो। अन्य प्राप्त शिकायतों को भी गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने कहा। बैठक में सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की गई। उन्होंने कहा कि सी एम हेल्पलाइन में शिकायतों के निराकरण में प्रगति विभाग की कार्यशैली दर्शाती है, इसलिए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से निराकरण किया जाए। आमजन की समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए, कलेक्टर ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन शासन और जनता के बीच संवाद का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसलिए प्रत्येक शिकायत का गंभीरता से परीक्षण कर संतोषजनक समाधान सुनिश्चित किया जाए। साथ ही शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर उनकी समस्या के निराकरण की पुष्टि करने के भी निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि यथासंभव एल 1 स्तर पर ही शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

17 से 21 जून तक आयुष्यमान आरोग्य मंदिरों में होगा योग शिविर का आयोजन

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। जिला आयुष अधिकारी ने बताया कि संचालनालय आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनीनी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) नवा रायपुर के निर्देश के पालन में सरगुजा जिले में संचालित 10 आयुष्यमान आरोग्य मंदिर लमगॉव, लुण्ड्रा, धौरपुर, उदारी, अम्बिकापुर, दरिमा, बतौली, गेरसा, भुसू एवं उदयपुर शासकीय आयुर्वेद जिला चिकित्सालय अम्बिकापुर एवं आयुष विंग एलोपैथीक जिला चिकित्सालय में 17 जून से 21 जून 2026 तक वृहद योग शिविर का आयोजन किया जाना है। उन्होंने लोगों अधिक से अधिक संख्या में योग शिविर में भाग लेने अपील किया है।

मानसून से पहले प्रशासन अलर्ट आपदा प्रबंधन की तैयारियां तेज

मुंगेली/नवप्रदेश। आगामी मानसून को देखते हुए जिला प्रशासन ने संभावित बाढ़ एवं प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में आपदा प्रबंधन एवं राहत व्यवस्था की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर कलेक्टर जी.एल. यादव ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां समय रहते पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में संभावित बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में खाद्य सामग्री, केरोसिन, दवाइयों तथा अन्य आवश्यक जीवनरक्षक संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। अपर कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ की स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी सूचना तंत्र विकसित किया जाए तथा संवेदनशील गांवों में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति

कर किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएं।

अपर कलेक्टर ने पेयजल स्रोतों की शुद्धता बनाए रखने के लिए कुओं एवं हैंडपंपों में ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराने तथा लोगों को पानी उबालकर पीने के प्रति जागरूक करने पर बल दिया। नगरीय निकायों को नाले-नालियों की नियमित सफाई, जलभराव रोकने तथा डी-वाटरिंग पंप सहित आवश्यक संसाधनों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने जिला सेनानी को संभावित बाढ़ क्षेत्रों में नाव, लाइफ जैकेट और अन्य बचाव उपकरणों सहित एसडीआरएफकी टीमों को पर्याप्त संख्या में तैनात रखने के निर्देश दिए। पशुधन की सुरक्षा के लिए सुरक्षित शेड एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को भी कहा गया। बैठक में अति दुर्गम एवं पहुंचविहीन क्षेत्रों में राशन, पेयजल और अन्य जरूरी सामग्रियों की अग्रिम व्यवस्था करने पर भी चर्चा हुई। साथ ही बारिश के मौसम में फैलने वाली मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक दवाइयों एवं उपचार सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज, नगर पालिका सीएमओ होरी सिंह ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

नीट-यूजी परीक्षा 21 जून को होगी आयोजित

13 परीक्षा केंद्रों में 5212 परीक्षार्थी होंगे शामिल

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 2026 परीक्षा का आयोजन आगामी 21 जून को जिले में 13 परीक्षा केंद्रों में किया जाएगा, जिसमें 5212 परीक्षार्थी शामिल होंगे। कलेक्टर अजीत वसंत ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल के साथ पीजी कॉलेज परीक्षा केंद्र का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने केंद्रों में सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, विद्युत, बैठने की व्यवस्था, शौचालयों की साफ-सफाई तथा अभ्यर्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को परीक्षा के दौरान सभी व्यवस्थाएं सुचारु बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की गोपनीयता और निष्पक्षता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है। अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते सुनिश्चित की जाएं। कलेक्टर ने परीक्षा केंद्र पर निर्धारित दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने तथा यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के निर्देश भी दिए। अधिकारियों ने बताया कि परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विनय कुमार अग्रवाल, अपर कलेक्टर सुनील नायक एवं रामसिंह ठाकुर, एसडीएम अम्बिकापुर बनसिंह नेताम सहित सम्बंधित उपस्थित रहे।

नया शैक्षणिक सत्र शुरू, शाला प्रवेश उत्सव मनाया

मुंगेली/नवप्रदेश। सरकारी एवं निजी स्कूलों में आज नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के साथ ही शाला प्रवेश उत्सव का आयोजन किया गया, प्रशासन और शिक्षा विभाग का दावा था कि इस बार बच्चों का स्वागत भव्य और पूरी तैयारियों के साथ किया जाएगा। लेकिन जमीनी हकीकत इन दावों से कोसों दूर नजर आई। अधिकांश ग्रामीण और कस्बाई इलाकों में यह उत्सव महज एक औपचारिकता और आधी-अधूरी तैयारियों की भेंट चढ़ गया।

उत्सव के पहले दिन बच्चों को तिलक लगाकर और मिठाई खिलाकर स्वागत तो किया गया, लेकिन जिस मुख्य उद्देश्य के लिए वे आए थे, उस पर पानी फिर गया। कई स्कूलों में विद्यार्थियों को पूरी पाठ्यपुस्तकें नहीं मिल सकीं। शिक्षकों का कहना है कि विभाग से अभी तक केवल 30 से 40 प्रतिशत किताबें ही सप्लाई हो पाई हैं। बच्चों को नए सत्र के पहले दिन मिलने वाली स्कूल यूनिफॉर्म की राशि या कपड़े का वितरण भी अधर में लटका हुआ है। अधिकांश बच्चे पुरानी या घरेलू पोशाक में ही स्कूल पहुँचने को मजबूर हुए। स्कूल में बिजली का कनेक्शन तो है, लेकिन दो महीने से पंखे खराब पड़े हैं। इतनी उमस और गर्मी में छोटे बच्चों को बैठाना मुश्किल हो रहा था। अभिभावकों का आरोप है कि स्कूल प्रबंधन का पूरा ध्यान बच्चों की पढ़ाई या उनकी सुविधाओं पर होने के बजाय, स्थानीय नेताओं और विभागीय अधिकारियों के स्वागत-सत्कार और फोटो खिंचवाने पर अधिक था। कागजी खानापूर्ति के लिए बच्चों को घंटों धूप और गर्मी में बैठाकर रखा गया। बहरहाल, शिक्षा सत्र के पहले ही दिन दिखी इस अव्यवस्था ने यह साफकर दिया है कि केवल उत्सव मनाने और नारे गढ़ने से शिक्षा का स्तर नहीं सुधरेगा।

सरकार की योजनाओं ने करोड़ों लोगों का जीवन बदला: चंदेल

मुंगेली/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रेसवार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल ने कहा कि मोदी सरकार के 12 वर्ष विकास, विश्वास और जनकल्याण की ऐतिहासिक यात्रा के प्रतीक हैं। इन वर्षों में केंद्र सरकार ने सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और विकसित भारत के संकल्प को धरातल पर उतारते हुए देश के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का

लाभ पहुंचाने का कार्य किया है।

चंदेल ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, पीएम किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ भारत मिशन, मुद्रा योजना तथा महिला सशक्तिकरण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाते हुए डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से लाभ सीधे हितग्राहियों के खातों तक पहुंचाया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। नारायण चंदेल ने कहा कि बीते 12 वर्षों में देश ने सड़क, रेल, हवाई अड्डों, डिजिटल कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। भारत आज विश्व पटल पर एक सशक्त, आत्मनिर्भर और विश्वसनीय राष्ट्र के रूप में स्थापित हुआ है।

चौड़ीकरण प्रभावित क्षेत्रों में भूमि क्रय-विक्रय, हस्तांतरण पर प्रतिबंध

अम्बिकापुर/नवप्रदेश। राष्ट्रीय राजमार्ग-130 (कटघोरा-शिवनगर-अम्बिकापुर) के उन्नयन एवं 4-लेन निर्माण कार्य के सुचारू एवं समयबद्ध क्रियान्वयन को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर श्री अजीत वसंत द्वारा प्रभावित क्षेत्रों में भूमि क्रय-विक्रय, हस्तांतरण, खाता विभाजन एवं भूमि के व्यपवर्तन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगाया गया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के परियोजना निदेशक, परियोजना कार्यान्वयन इकाई बिलासपुर द्वारा भेजे गए प्रस्ताव के अनुसार, जिला सरगुजा अंतर्गत प्रस्तावित बायपास, री-अलाइनमेंट एवं मुख्य मार्ग चैड़ीकरण के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया प्रस्तावित है। भूमि अर्जन की कार्यवाही के दौरान निरंतर क्रय-विक्रय, नामांतरण एवं विभाजन से मुआवजा निर्धारण, स्वामित्व सत्यापन तथा हिस्सेदारी निर्धारण में जटिलताएं उत्पन्न होने की संभावना को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है।

दिन में पशु चिकित्सालय, रात में मधुशाला! व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

मुंगेली/नवप्रदेश। सरकार भले ही पशुधन के संरक्षण और संवर्धन के लिए करोड़ों रुपये पानी की तरह बहा रही हो, लेकिन जमीनी हकीकत इसके उलट बेहद खौफनाक है जिले के पशु चिकित्सालय इस समय अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। अस्पताल परिसर इलाज का केंद्र कम और गंदगी व शराबियों का अड्डा ज्यादा नजर आ रहा है, यहाँ चारों तरफ फैली गंदगी और बिखरी शराब की खाली बोतलें सीधे तौर पर मूक पशुओं के स्वास्थ्य और जिंदगी के साथ सरेआम खिलवाड़ कर रही हैं। स्थानीय निवासियों और

पशुपालकों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि शाम ढलते ही अस्पताल परिसर असमाजिक तत्वों और शराबियों का गढ़ बन जाता है। परिसर में न तो कोई सुरक्षाकर्मी तैनात है और न ही रात के समय कोई जिम्मेदार स्टाफ यहाँ रुकता है। इसी का फायदा उठाकर यहाँ धड़ल्ले से जाम छलकते हैं। हम अपने बीमार बैल को लेकर यहाँ आए थे, लेकिन यहाँ चारों तरफ कांच के टुकड़े और गंदगी फैली है। अगर किसी जानवर के पैर में कांच चुभ जाए या वो गलती से प्लास्टिक खा ले, तो उसकी जान चली जाएगी। यह अस्पताल पशुओं को जीवन देने के लिए है या उनकी जान लेने के लिए? इस पूरी अव्यवस्था को लेकर जब अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने हमेशा की तरह स्टाफकी कमी और बजट का रोना रोकर पल्ला झाड़ लिया। हालांकि, उन्होंने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच और सफाई करवाने का औपचारिक आश्वासन जरूर दिया है। मूक पशु बोल नहीं सकते, वे अपना दर्द बयां नहीं कर सकते लेकिन इसका मतलब यह कतई नहीं है कि उन्हें इस नरकीय स्थिति में धकेल दिया जाए, जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग को कुंभकर्णी नींद से जागना होगा।

पेज 1 का शेष...

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का ...

बाद उन्होंने अपनी समस्या दर्ज कराई। शिकायत दर्ज होते ही प्रशासन सक्रिय हुआ और मात्र दो घंटे के भीतर कृषि विभाग के अधिकारियों ने उनसे संपर्क कर स्थिति की जानकारी ली तथा सीधे उनके घर पहुंच गए।

अमेरिका-ईरान के बीच...

बात पर फूटा है कि अमेरिका बिना इजरायल को पूरी तरह विश्वास में लिए ईरान को इतनी बड़ी अंतरराष्ट्रीय राहत देने जा रहा है। नेतन्याहू ने वाशिंगटन और तेहरान के बीच बनी इस आपसी सहमति पर खुलकर अपनी असहमति जाहिर की है। उन्होंने मीडिया और अंतरराष्ट्रीय राजनयिकों के सामने स्पष्ट किया कि डोनाल्ड ट्रंप भले ही इस डील को क्षेत्र के हित में देख रहे हों, लेकिन इजरायल इसे पूरी तरह सुरक्षित नहीं मानता। नेतन्याहू का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर दावा किया था कि इस संयुक्त सैन्य और कूटनीतिक अभियान ने क्षेत्र से परमाणु विनाश के बड़े खतरे को फिलहाल पूरी तरह समाप्त कर दिया है।

एयरफोर्स अफसर...

महिला कहती है, 'तुम्हें लड़ने की बहुत आदत है ना, हाथ छोड़ो ना... छोड़ो।' इसके बाद वह लगातार 'मुझे छोड़ दो' कहकर रोती और विरोध करती नजर आती है। जबकि आरोपी उसके हाथ जोर से पकड़े रहता है। मामले में सोनेगांव पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले का रहने वाला आरोपी मौलाना फरार चल रहा है।

जबरन 'कबूल है' कहलवाया

महिला का दावा है कि 31 मई को अयाज उसे जबरन नागपुर के पास कलमेश्वर ले गया। वहां उसकी मुलाकात अमीन शेख और हजरत मौलाना से कराई गई। मौलाना मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले के तामिया गांव का रहने वाला है। शिकायत के मुताबिक, तीनों उसे एक सुनसान जगह पर ले गए। मौलाना ने वहां पीड़ित से जबरन 'कबूल है' कहलवाया। इसके बाद उसे धर्मांतरण पूरा होने की बात कही गई और बताया कि उसका अयाज मदारे से निकाह हो चुका है।

डीएम-एसएसपी के ...

महासचिव चंपत राय से चढ़ावा चोरी को लेकर जानकारी ली थी। इसके अलावा, ट्रस्ट सदस्य गोपाल राव को एसआईटी ने बुलाकर उनसे सवाल-जवाब किए। टीम ने 42 संदिग्ध कर्मचारियों से भी पूछताछ की थी। करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष अभिनव सिंह ने राम मंदिर में चढ़ावा चोरी को हिंदुत्व की हत्या करार दिया।

डीएमएफ घोटाला: कांग्रेस...

राकेश गुप्ता के फर्म मानसून एग्रो और धमतरी जिले में ठेकेदार दीपेश गांधी के आवास पर दबिश दी गई है। ईडी की टीम यहां डॉक्यूमेंट्स और पैसों के लेनदेन की जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ में पर्यटकों के...

पूरी तरह बंद कर दिया गया है। मानसून के आगमन के साथ ही जंगलों में पर्यटन गतिविधियों पर यह अस्थायी रोक आगामी 1 अक्टूबर 2026 तक प्रभावी रहेगी। इसके बाद वन्यप्राणी सप्ताह के अवसर पर 2 अक्टूबर 2026 से जंगल सफारी और अन्य पर्यटन गतिविधियां दोबारा शुरू की जाएंगी।

वन विभाग के आला अधिकारियों के अनुसार, इस रोक के पीछे दो मुख्य कारण हैं। वर्षा ऋतु के दौरान जंगलों के भीतर स्थित कच्चे मार्ग और सफारी ट्रैक बुरी तरह प्रभावित हो जाते हैं। लगातार बारिश से नदी-नालों में उफान और रास्तों में जलभराव के कारण आवागमन बेहद कठिन और जोखिम भरा हो जाता है। मानसून का समय वन्यप्राणियों के लिए अत्यंत संवेदनशील होता है। यह अवधि अधिकांश वन्य प्रजातियों के प्रजनन और उनके शावकों के पालन-पोषण का समय होती है। इस दौरान इंसानी दखल को रोककर वन्यजीवों को एक शांत और प्राकृतिक वातावरण उपलब्ध कराया जाता है।

बंद के दौरान वन विभाग चलाएगा विशेष अभियान

पर्यटकों के लिए प्रवेश बंद रहने के दौरान वन विभाग शांत बैठने के बजाय जंगलों के भीतर कई महत्वपूर्ण कार्य संपादित करेगा। अवैध शिकार को रोकने के लिए गश्त तेज की जाएगी और वन्यजीवों की क्लोज मॉनिटरिंग होगी। जंगलों के भीतर प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण और संवर्धन किया जाएगा।

आधी रात मालगाड़ी....

जानकारी के अनुसार रात करीब 10 हाथियों का दल चारमार क्षेत्र की रेलवे पटरी पार कर जंगल की ओर जा रहा था। इसी दौरान एक मालगाड़ी की चपेट में आने से हाथी गंभीर रूप से घायल हो गया। टक्कर इतनी तेज थी कि हाथी के पिछले पैर में गहरी चोट आई और उसके शरीर से लगातार खून बहता रहा।

कमर के हिस्से में आई गंभीर चोट

हादसे में हाथी की कमर और शरीर के पिछले हिस्से में गंभीर चोटें आई थीं। हाथी खड़ा भी नहीं हो पा रहा था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शव का पंचनामा किया गया। ग्रामीणों को सुरक्षित दूरी बनाए रखने और हाथियों के झुंड के पास नहीं जाने की सलाह दी गई है।

- आशुतोष मंडावा, उप वन मंडलाधिकारी

अमेरिका-ईरान समझौते से कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट, ब्रेंट क्रूड करीब 5 प्रतिशत टूटा

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच समझौता होने तथा होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने की घोषणा के बाद सोमवार को वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में करीब 5 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में बाधा आने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो गई हैं। अंतरराष्ट्रीय तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड शुरुआती कारोबार में 4.90 प्रतिशत तक गिरकर 83.05 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 5.74 प्रतिशत टूटकर करीब 80 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते की दिशा में हुई प्रगति से निवेशकों का भरोसा बढ़ा है, जिसके चलते सप्ताह की शुरुआत में एशियाई शेयर बाजारों में जोरदार तेजी देखने को मिली। वहीं अमेरिकी फ्यूचर्स भी मजबूती के साथ कारोबार करते नजर आए।

विशेषज्ञों ने कहा, इस बीच ब्रेंट क्रूड ऑयल 4 प्रतिशत से ज्यादा गिरकर 83 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया है, जिससे महंगाई को लेकर चिंताएं कम हुई हैं और बाजार की धारणा को अतिरिक्त समर्थन मिला है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर घोषणा की कि ईरान के साथ समझौता पूरा हो चुका है।

उन्होंने लिखा, इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के साथ समझौता अब पूरा हो चुका है।इसके साथ ही उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की भी घोषणा की। यह एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है, जिसके जरिए दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से के कच्चे तेल की आपूर्ति होती है।ट्रंप ने लिखा, मैं होर्मुज जलडमरूमध्य को बिना किसी शुल्क के पूरी तरह खोलने और साथ ही अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी को तुरंत हटाने की अनुमति देता हूं। दुनिया के जहाज अपने इंजन चालू करें। तेल को बहने दें!रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका और ईरान शुक्रवार को स्विट्जरलैंड में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।इस सकारात्मक घटनाक्रम का असर वैश्विक शेयर बाजारों पर भी दिखा। जापान के निक्केई, हांगकांग के हैंग सेंग, दक्षिण कोरिया के कोस्पी और इंडोनेशिया के जकार्ता कंपोजिट जैसे प्रमुख एशियाई सूचकांक तेजी के साथ कारोबार करते नजर आए। इनमें से कुछ बाजारों में 5 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई। घरेलू बाजार में भी इसका सकारात्मक असर देखने को मिला। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों शुरुआती कारोबार में 1 प्रतिशत से अधिक की मजबूती के साथ खुले।

न्यूज गैलरी

पेट्रोल-डीजल का खेल खत्म, अब इथेनॉल ईंधन से चलेगी गाड़ियां

नई दिल्ली। देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने और विदेशों से होने वाले महंगे जीवाश्म ईंधन (फॉसिल फ्यूल) के आयात को कम करने के लिए केंद्र सरकार ने एक बेहद महत्वपूर्ण कदम उठाया है। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने भारत में 100 प्रतिशत इथेनॉल ईंधन के व्यावसायिक उपयोग को आधिकारिक और कानूनी रूप से मंजूरी दे दी है। नागपुर में एनडीए सरकार के कार्यकाल से जुड़े एक कार्यक्रम के दौरान इस ऐतिहासिक फैसले की घोषणा करते हुए उन्होंने बताया कि शनिवार रात को ही उन्होंने इस नीतिगत फाइल पर हस्ताक्षर कर नियमों को अंतिम रूप दे दिया है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इस सफर के शुरुआती संघर्षों को साझा करते हुए कहा कि जब उन्होंने पहली बार देश में पेट्रोल के विकल्प के रूप में इथेनॉल को अपनाने का विचार रखा था, तब उद्योग जगत और कई करीबियों ने उनके इस विजन का मजाक उड़ाया था। लोग इस योजना की व्यवहारिकता पर संशय जताते हुए हंसते थे, लेकिन आज यह सपना एक जमीनी हकीकत बन चुका है। यह नीति न केवल प्रदूषण को कम करेगी, बल्कि देश के भारी-भरकम तेल आयात बिल में भी बड़ी कटौती करने में मददगार साबित होगी।

शेयर बाजार: हरे निशान पर सेंसेक्स-निफ्टी, रुपया 53 पैसे मजबूत

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय मोर्चे पर आए सकारात्मक संकेतों के चलते घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत आज शानदार बढ़त के साथ हुई। ईरान और अमेरिका के बीच पिछले 107 दिनों से चला आ रहा संघर्ष समाप्त होने की आधिकारिक घोषणा के बाद न केवल भारत, बल्कि पूरे एशियाई बाजारों में जबरदस्त रौनक देखने को मिल रही है। इस भू-राजनीतिक राहत के बीच शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया भी 53 पैसे मजबूत हो गया। बाजार खुलने के साथ ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (ब्रस्ब्) का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1080 अंकों की भारी उछाल के साथ कुलांचे भरने लगा, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (ह्स्ब्) का निफ्टी भी 330 अंकों की तेजी के साथ हरे निशान पर कारोबार करता दिखा। सेंसेक्स की शीर्ष 30 कंपनियों में इंडिगो, इटरनल, बजाज फाइनेंस और एशियन पेंट्स के शेयरों में सबसे ज्यादा खरीदारी देखी गई, वहीं निफ्टी के टॉप गेनर्स में श्रीराम फाइनेंस और टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स भी शामिल रहे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौते का एलान किए जाने के बाद से ही दुनिया भर के निवेशकों का उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच गया। इस ऐतिहासिक घोषणा और व्यापार के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य के दोबारा खुलने की खबर से एशिया-प्रशांत क्षेत्र के बाजारों में तेजी की लहर दौड़ गई। जापान का निक्केई सूचकांक इंट्राडे कारोबार के दौरान 4 फीसदी से अधिक की छलांग लगाकर अपने रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह, दक्षिण कोरिया के कोस्पी सूचकांक में 4.3 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया, जबकि ऑस्ट्रेलियाई शेयर बाजार का बेंचमार्क इंडेक्स एएसएक्स200 भी 125 अंकों की बढ़त के साथ 8928 के स्तर पर ट्रेंड करता नजर आया, जहां 11 में से 7 प्रमुख सेक्टर बढ़त के साथ काम कर रहे थे।

तगड़ा झटका! अप्रैल के मुकाबले खाने-पीने का सामान हुआ महंगा

नई दिल्ली। देश में आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। अगर आप सोच रहे थे कि बाजार में सामानों की कीमतें जल्द कम होंगी, तो वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी ताजा आंकड़ों ने इन उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। देश में थोक बाजार के स्तर पर महंगाई की मार बहुत तेजी से बढ़ी है। मई में थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित महंगाई दर में तेज उछाल देखा गया है, जिसने सरकार से लेकर आम उपभोक्ता तक की चिंताएं बढ़ा दी हैं। सोमवार को वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मई 2026 में देश की थोक महंगाई दर उछलकर 9.68 प्रतिशत पर पहुंच गई है।

कभी फिल्म इंडस्ट्री छोड़ना चाहती थीं निवेथा पेथुराज, 'सिंग गीतम' बना करियर का टर्निंग पॉइंट

साउथ फिल्म इंडस्ट्री को कई सफल फिल्में देने वाली अभिनेत्री निवेथा पेथुराज ने बताया कि साल 2023 में उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने का मन बना लिया था। हालांकि, बाद में परिस्थितियां बदलीं और उन्हें निर्देशक सिंगीतम श्रीनिवास राव की फिल्म 'सिंग गीतम' का हिस्सा बनने का अवसर मिला, जिसने उनके करियर को नई दिशा दी। फिल्म 'सिंग गीतम' की सफलता के बाद आयोजित थैंक्सगिविंग इवेंट में निवेथा ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा था जब वह अभिनय की दुनिया से दूर जाना चाहती थीं। उनके अनुसार, जीवन कभी-कभी ऐसे रास्तों पर ले जाता है, जहां से उसे अपने लिए सही मंजिल का पता चलता है। उन्होंने कहा कि अगर उन्होंने उस समय सिनेमा छोड़ने का फैसला कायम रखा होता, तो शायद आज वह इस खास फिल्म का हिस्सा नहीं बन पातीं।निवेथा ने फिल्म के निर्माता नाग अश्विन का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि नाग अश्विन ने उन्हें दोबारा आत्मविश्वास दिया और अभिनय की दुनिया में लौटने के लिए प्रेरित किया।

केंद्र ने डीजल और एटीएफ के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स बढ़ाया

पेट्रोल पर शुल्क में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार से डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर विंडफॉल गेन टैक्स बढ़ा दिया है। हालांकि, पेट्रोल पर शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया है। विंडफॉल गेन टैक्स की समीक्षा हर 15 दिन में की जाती है और कच्चे तेल की कीमतों के आधार पर भी इसका निर्धारण किया जाता है।

वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन में कहा गया कि सरकार ने डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) को बढ़ाकर 14 रुपए प्रति लीटर कर दिया है, जो कि पहले 13.5 रुपए प्रति लीटर था। वही, एटीएफ पर एसएईडी को बढ़ाकर 12.5 रुपए प्रति लीटर कर दिया है, जो कि पहले 9.5 रुपए प्रति लीटर है।

हालांकि, पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया गया है और इसे 1.5 रुपए प्रति लीटर पर जारी रखा गया है।

सरकार ने घरेलू खपत के लिए उपयोग होने वाले पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले उत्पाद शुल्क में कोई बदलाव नहीं किया है और इससे घरेलू स्तर पर ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं होगा। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के कारण वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला है। इसके कारण सरकार ने 26 मार्च को डीजल और एटीएफ के निर्यात पर शुल्क लगाने का फैसला किया था। 16 मई को पेट्रोल पर निर्यात शुल्क लगाया गया था। विंडफॉल टैक्स के जरिए सरकार की कोशिश घरेलू स्तर पर ईंधन की कीमतों को स्थिर रखना था। इस कदम का मकसद निर्यातकों को कीमतों के अंतर का गलत फायदा उठाने से रोकना है, क्योंकि युद्ध शुरू होने के बाद से दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गई हैं साथ ही, इसका उद्देश्य वेस्ट एशिया संकट के बीच निर्यात को हतोत्साहित करके पेट्रोलियम उत्पादों की घरेलू उपलब्धता सुनिश्चित करना है।

सोने-चांदी के दामों में गिरावट भाव 1.47 प्रतिशत तक लुढ़का

मुंबई। लगातार दो सत्रों की तेजी के बाद सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को गिरावट देखने को मिली। इससे दोनों कीमती धातुओं का दाम करीब 1.47 प्रतिशत तक कम हो गया है। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अगस्त 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,52,916 रुपए के मुकाबले 25 रुपए की मामूली गिरावट के साथ 1,52,891 रुपए पर खुला। दोपहर 12 बजे यह 0.27 प्रतिशत या 420 रुपए की कमजोरी के साथ 1,52,496 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोने ने 1,52,358 रुपए का निचला स्तर और 1,53,161 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। इसी प्रकार चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली है। चांदी का 3 जुलाई 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,51,458 रुपए के मुकाबले 2,50,457 रुपए पर खुला। फिलहाल यह 3,709 रुपए या 1.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,47,749 रुपए पर था। अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,46,544 रुपए का निचला स्तर और 2,51,467 रुपए का उच्चतम स्तर छुआ है। वायदा के साथ हाजिर बाजार में भी कीमतों में बदलाव देखने को मिला है।

इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 552 रुपए कम होकर 1,50,094 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,50,646 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 22 कैरेट सोने का दाम 1,37,922 रुपए प्रति 10 ग्राम से कम होकर 1,37,486 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

श्रीनिवास मंगपुरम में अभिनेता मोहन बाबू का फर्स्ट लुक जारी

डायरेक्टर अजय भूपति की नई फ़िल्म, श्रीनिवास मंगपुरम, अपने फ़र्स्ट लुक पोस्टर्स की वजह से काफ़ी चर्चा में है। इस फ़िल्म से सुपरस्टार कृष्णा के पोते और महेश बाबू के भतीजे, जया कृष्णा घटामनेनी डेब्यू कर रहे हैं। उनके साथ रवीना टंडन की बेटी, राशा थडानी भी तेलुगू फ़िल्मों में अपना डेब्यू कर रही हैं।फ़िल्म बनाने वालों ने अब मोहन बाबू का एक ज़बरदस्त फ़र्स्ट लुक जारी किया है, जिसमें वे वेंकटप्पय्या नायडू के किरदार में नज़र आ रहे हैं। वे एक गाँव के ताक़तवर मुखिया बने हैं। उनके सफ़ेद-काले बाल, घनी मूँछें और सादा सफ़ेद कुर्ता-धोती वाला पहनावा उनकी ज़बरदस्त धाक को दिखाता है; वहीं, उनके ठंडे और सख़्त हाव-भाव से लगता है कि उनके अंदर कहीं कोई दबी हुई आग सुलग रही है।

यह पोस्टर एक शानदार, दबंग और दमदार फर्स्ट लुक पेश करता है, जो उस इंसान के सार को पूरी तरह से दिखाता है जो अपने इलाके पर पक्के इरादे के साथ राज करता है।

मोहन बाबू पहले ही टीम में शामिल हो चुके हैं, और फ़िलहाल शूटिंग चल रही है। इस फ़िल्म की टेक्निकल टीम बहुत मज़बूत है; जीवी प्रकाश कुमार ने इसका म्यूज़िक तैयार किया है और जयकृष्ण आईएससी ने इसकी सिनेमैटोग्राफ़ी संभाली है।

भारत ने जापान को 2-1 से हराया

ऑकलैंड। भारत ने मंगलवार को एफआईएच हॉकी महिला नेशंस कप 2026 में पूल ए के अपने दूसरे मुकाबले में जापान को 2-1 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है। भारत ने अब तक अपने दोनों पूल मैच जीते हैं।

ऑकलैंड के नॉर्थ हार्बर नेशनल हॉकी सेंटर में खेले गए मुकाबले में कप्तान और प्लेयर ऑफ द मैच सलीमा टेटे (33वें मिनट) और लालरेमसियामी (49वें मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे, जबकि एई हिरामित्सु (35वें मिनट) जापान की एकमात्र गोल करने वाली खिलाड़ी रहीं। मिडफील्डर ज्योति के लिए यह एक यादगार मैच था, जिन्होंने अपना 100वां सीनियर इंटरनेशनल मैच खेला। पहला हाफ बेहद कड़ा मुकाबला रहा, जिसमें दोनों टीमों ने मौके बनाए लेकिन हाफ-टाइम तक कोई भी टीम बराबरी नहीं तोड़ सकी।तीसरे क्वार्टर में खेल में तब रोमांच आ गया जब भारत ने 33वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर में अपना पहला गोल किया। नवनीत कौर के शॉट को निक्की प्रधान ने बेहतरीन तरीके से सलीमा की ओर पास किया और कप्तान ने उसे गोल में तब्दील कर भारत को बढ़त दिलाई। हालांकि जापान ने 2 मिनट बाद ही मैच में पकड़ बना ली।

हिरामित्सु (35वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर से गोल दागकर बराबरी कर ली।

अंतिम क्वार्टर में भारत की लालरेमसियामी ने 49वें मिनट में विजयी गोल दागा। सुशीला चानू पुखरामबम ने सर्कल के किनारे से गोल की ओर एक सटीक पास दिया और लालरेमसियामी को गेंद को नेट में डालकर भारत को जीत दिलाई। इस जीत के साथ, अपराजित भारत, अमेरिका और जापान के खिलाफ जीत से मिले छह अंकों के साथ पूल ए में शीर्ष पर पहुंच गया है।

भारत टूर्नामेंट के अपने आखिरी मैच में 18 जून को उरुग्वे का सामना करेगा, जबकि जापान और अमेरिका पूल ए से दूसरे सेमीफाइनल स्थान के लिए भिड़ेंगे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, संभाग जगदलपुर
ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना क्र. 01/2026-27 (द्वितीय निविदा आमंत्रण)

क्रमांक / 1437 / एस.ए.सी./ ग्रा.यां. सेवा/2025-26 **जगदलपुर, दिनांक 9/06/2026**

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्न निर्माण कार्य हेतु निविदा **ऑनलाईन (Online) दिनांक** 19.06.2026 तक आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रूपये लाख में)	मैनुअल दस्तावेज कार्यालय मे पहुँचने की अंतिम तिथि
1	2	3	4
1	एम्फीथियेटर एवं 8 शॉप का निर्माण कार्य धुड़मारास विकास खण्ड दरभा विद्युतीकरण सहित	92.33	26.06.2026

2. उक्त निर्माण कार्यों की निविदा सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि मे कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाईट **https://eproc.cgstate.gov.in** मे दिनांक 9.06.2026 से डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा
संभाग जगदलपुर

जी- 262701457/6

फीफा ने नस्लभेदी इशारा करने के आरोपों से वीएआर इवांस को बरी किया

नई दिल्ली। जर्मनी और कुराकाओ के बीच रविवार को खेले जाने वाले मुकाबले से पहले नस्लभेदी इशारा करने के आरोपी ऑस्ट्रेलियाई रेफरी शॉन इवांस को फीफा ने आरोपों से बरी कर दिया है। मुकाबले से पहले ब्रॉडकास्ट में वीडियो रिव्यू टीम ने ऑस्ट्रेलियाई एनालिस्ट को उल्टा ओके का इशारा करते हुए पाया।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मंडल, बिलासपुर

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना
Portal:http://eproc.cgstate.gov.in

छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग, बिलासपुर मण्डल, बिलासपुर में निम्नलिखित कार्य नवीन ई-पंजीयन में पंजीकृत ठेकेदार हेतु सरल क्रं. 1 से 5 हेतु दिनांक 24.06.2026, सरल क्र. 6 से 13 हेतु दिनांक 30.06.2026 एवं सरल क्र. 14 से 17 हेतु दिनांक 06.07.2026 तक निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	नि.आ.सू.क्र / दिनांक	कार्य का नाम	लागत (लाख में)
1	125	जिला मुंगेली के अंतर्गत राज्य मार्गो पर जंक्शन सुधार का कार्य एवं आई.आर.सी. के प्रावधानुसार क्रेश बेरियर लगाने का कार्य। पंचम आमंत्रण। संभाग मुंगेली। मद संख्या-24-5054-6485	87.73
2	126	जिला बिलासपुर देवकी नंदन चौक से महामाया चौक मार्ग लं. 1.30 कि.मी. का निर्माण कार्य। तृतीय आमंत्रण। संभाग क्रं.-1 बिलासपुर। मद संख्या-24-5054-2457	182.84
3	127	जिला बिलासपुर के सेंदरी बस स्टैण्ड से रमतला मार्ग लंबाई 1.20 कि.मी. का निर्माण कार्य। तृतीय आमंत्रण। संभाग क्रं.-1 बिलासपुर। मद संख्या-24-5054-4557	62.60
4	128	जिला बिलासपुर के लिम्हा से बरपाली मार्ग लंबाई 1.00 कि.मी. का निर्माण कार्य। तृतीय आमंत्रण। संभाग क्रं.-1 बिलासपुर। मद संख्या-24-5054-2457	101.61
5	129	जिला रायगढ़ के कारीछापर पहुंच मार्ग लं. 2.80 कि.मी. का डामर नवीनीकरण कार्य एवं तड़ोला पहुंच मार्ग लं. 2.50 कि.मी. का डामर नवीनीकरण का कार्य। तृतीय आमंत्रण। संभाग रायगढ़। मद संख्या-24-5054-2457	164.24
6	130	जिला रायगढ़ वर्तमान जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ के साल्हेपाली पहुंच मार्ग लंबाई 1.00 कि.मी. निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण। संभाग रायगढ़। मद संख्या-64-5054-9002	160.22
7	131	संभागीय कार्यालय लोक निर्माण विभाग (भ./स.) संभाग सारंगढ़ का निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण। संभाग रायगढ़। मद संख्या-67-4059-3855	170.23
8	132	STRENGTHING AND RENEWAL WORK OF CIVIL COURT APPROACH ROAD (LENGTH=600.00 M) AND BODSARASIONI (VR) ROAD FROM KM 1/2 TO KM 4/6 = 3600 M.(C.G.) द्वितीय आमंत्रण। संभाग चांपा। मद संख्या-8443 Deposit Work	66.85
9	133	B.T. Renewal Work of (1) Janjgir Kere Sheorinarayan Road From Km. 3/6 to 3/10 = 0.60 Km. (2) Collecotorate Approach Road Length 0.795 Km. Under Sbu Division Janjgir, Distt. Janjgir-Champa (C.G.) द्वितीय आमंत्रण। संभाग चांपा। मद संख्या-8443 Deposit Work	73.68
10	134	B.T. Renewal Work of Tarod Kirari-Dharashiva Road (M.D.R.) Length = 1.00 K.m & Upgradation Work of N.H.-49 to Arjuni App. Road (V.R.) Length 1.00 K.M. Under Sub - Division Janjgir Distt- Janjgir-Champa द्वितीय आमंत्रण। संभाग चांपा। मद संख्या-8443 Deposit Work	71.90
11	135	B.T. Renewal Work of (1) Arjuni to Karumahu Road (V.R.) Length - 2.00 K.m. (2) Akaltara to Jarve (Khond) Road (V.R.) Length 1.00 K.m. & (3) Strenghthening of Banari App. Road (V.R.) Length = 0.70 km, Under Sub Division Janjgir-Champa. द्वितीय आमंत्रण। संभाग चांपा। मद संख्या-8443 Deposit Work	74.21
12	136	Strengthing and Renewal work of janjgir Bypass (ODR) Road From Km. 1/2 to 2/4 (100M) = 1.30 Km द्वितीय आमंत्रण। संभाग चांपा। मद संख्या-8443 Deposit Work	77.26
13	137	जिला मुंगेली के हरदी से किरना (नहर के उपर) पहुंच मार्ग लंबाई 2.00 कि.मी. का निर्माण कार्य। द्वितीय आमंत्रण। संभाग मुंगेली। मद संख्या-24-5054-1222	127.08
14	138	वर्ष 2026-27 के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग हाईकोर्ट उपसंभाग क्रं.-2 बिलासपुर के अंतर्गत माननीय उच्च न्यायालय मुख्य भवन एवं परिसर में स्थित गैर आवासीय भवनों का मरम्मत एवं संधारण कार्य। प्रथम आमंत्रण। संभाग क्रं.-2 बिलासपुर। मद संख्या-67-2059-2449	100.00
15	139	वर्ष 2026-27 के अंतर्गत लोक निर्माण विभाग हाईकोर्ट उपसंभाग क्रं.-2 बिलासपुर के अंतर्गत माननीय उच्च न्यायालय आवासीय परिसर के भवनों का मरम्मत एवं संधारण कार्य। प्रथम आमंत्रण। संभाग क्र.-2 बिलासपुर। मद संख्या-67-2216-2450	100.00
16	140	लोक निर्माण विभाग, उपसंभाग कोरबा / भैसमा अंतर्गत आवासीय / गैर आवासीय भवनों का रंगाई पोताई का कार्य। प्रथम आमंत्रण। संभाग कोरबा। मद संख्या-67-2059/67-2216	100.00
17	141	जिला रायगढ़ के घरघोड़ा में विश्रामगृह में अतिरिक्त कक्ष का निर्माण कार्य। प्रथम आमंत्रण। संभाग रायगढ़। मद संख्या-67-4059-3855	54.34

निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाईट में देखें जा सकते है।

अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि., बिलासपुर मण्डल बिलासपुर

जी- 262701470/4

सड़कों पर मौत का सफर: साल में 370 जानें गईं, हेलमेट और शराब बने सबसे बड़े दुश्मन

■ यातायात पुलिस का अभियान जारी, लेकिन लापरवाही और तेज रफ्तार पर नहीं लग पा रही लगाम

■ राष्ट्रीय राजमार्गों के ब्लैक स्पॉट बने हादसों के केंद्र, ग्रामीण सड़कों पर भी बढ़ा मौत का ग्राफ

अनिल सामंत

जगदलपुर/नव प्रदेश। बस्तर जिले में सड़क दुर्घटनाएं अब केवल यातायात व्यवस्था की चुनौती नहीं, बल्कि गंभीर सामाजिक संकट का रूप लेती जा रही हैं। पिछले एक वर्ष (जून 2025 से जून 2026) के दौरान जिले में सड़क हादसों में 370 लोगों की मौत दर्ज की गई, जबकि गंभीर और सामान्य घायलों की संख्या इससे कई गुना अधिक रही। दुर्घटनाओं के विश्लेषण में सबसे बड़ी वजह बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाना,शराब सेवन कर वाहन संचालन और तेज रफ्तार सामने आई है।

यातायात विभाग के अनुसार अधिकांश घातक दुर्घटनाओं में मृतक बाइक सवार थे,जिन्होंने हेलमेट नहीं पहना था। वहीं हेलमेट पहनने वाले कई मामलों में भी शराब के नशे में वाहन चलाने के कारण जान गंवानी पड़ी। राष्ट्रीय राजमार्गों से लेकर ग्रामीण संपर्क मार्गों तक दुर्घटनाओं का दायरा लगातार बढ़ रहा है, जिससे सुरक्षा उपायों की प्रभावशीलता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

राष्ट्रीय राजमार्गों पर दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए यातायात पुलिस द्वारा लगातार जागरूकता अभियान, चालानी कार्रवाई, स्पीड मॉनिटरिंग और ब्रेथ एनालाइजर से जांच की जा रही है। इसके बावजूद नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालक हादसों को न्योता देने से बाज नहीं आ रहे हैं। विशेष रूप से सड़क किनारे खड़े भारी ट्रकों से टकराने की घटनाएं भी लगातार सामने आ रही हैं। कई स्थानों पर 10, 14 और 16 चक्का ट्रकों की अवैध पार्किंग दुर्घटनाओं का कारण बन रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण और पुलिस विभाग द्वारा तैयार ब्लैक स्पॉट रिपोर्ट के अनुसार बस्तर जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग-30 और राष्ट्रीय राजमार्ग-63 पर कुल 9 प्रमुख ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं। वर्ष 2023 से 2025 के बीच इन स्थानों पर 102 सड़क दुर्घटनाएं हुईं, जिनमें 68 लोगों की मौत दर्ज की गई। सबसे अधिक दुर्घटनाएं एनएच-63 पर बोधघाट और कोतवाली थाना क्षेत्र के बीच स्थित संवेदनशील हिस्सों में सामने आई हैं। वहीं आनंद ढाबा, कुम्हरावंड, नेगीगुड़ा, कावापाल और गुड़ियापाल क्षेत्र भी दुर्घटना संभावित जोन के रूप में चिन्हित किए गए हैं।

यातायात उप पुलिस अधीक्षक संतोष जैन के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए निरंतर जागरूकता कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर विशेष कैमरों से वाहनों की गति पर निगरानी रखी जा रही है तथा निर्धारित सीमा से अधिक रफ्तार मिलने पर कार्रवाई की जा रही है। वहीं यातायात प्रभारी मधुसूदन नाग ने बताया कि ओड़िशा मार्ग पर सड़क किनारे खड़े भारी वाहनों के खिलाफ जुर्माना और जब्ती की कार्रवाई लगातार जारी है।

अधिकारियों का मानना है कि केवल पुलिस कार्रवाई से समस्या का समाधान संभव नहीं है। सड़क सुरक्षा के प्रति आम नागरिकों की जिम्मेदारी और नियमों के पालन की संस्कृति विकसित किए बिना दुर्घटनाओं में कमी लाना मुश्किल होगा।

ब्लैक स्पॉट रिपोर्ट,जहां सबसे ज्यादा हादसे और मौतें

बस्तर जिले में चिन्हित 9 ब्लैक स्पॉट में सबसे अधिक 16 दुर्घटनाएं और 9 मौतें एनएच-63 के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित विशेष दुर्घटना जोन में दर्ज की गईं। वहीं गुड़ियापाल पेट्रोल पंप से एक्सेल स्कूल मार्ग के बीच 14 दुर्घटनाओं में 12 लोगों की मौत हुई, जो जिले का सबसे घातक ब्लैक स्पॉट माना जा रहा है। आनंद ढाबा क्षेत्र में 15 दुर्घटनाओं में 8 मौतें, कुम्हरावंड क्षेत्र में 13 दुर्घटनाओं में 9 मौतें तथा नेगीगुड़ा-कावापाल मार्ग पर 11 दुर्घटनाओं में 11 मौतें दर्ज की गईं। तीन वर्षों में इन नौ ब्लैक स्पॉट पर कुल 102 दुर्घटनाएं और 68 मौतें दर्ज होना बताता है कि राष्ट्रीय राजमार्गों के इन हिस्सों पर तत्काल इंजीनियरिंग सुधार,संकेतक, प्रकाश व्यवस्था और सख्त निगरानी की आवश्यकता है।

दो करोड़ से अधिक के मादक पदार्थों का नष्टीकरण, 61 प्रकरणों में जब्त सामग्री नष्ट

■ 2234 किलो से अधिक गांजा और 6500 मिलीलीटर नशीली सिरप का किया गया निपटान

■ एनसीबी के दिशा-निर्देशों के तहत पूरी की गई कार्रवाई

जगदलपुर। नवप्रदेश। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के दिशा-निर्देशों के अनुरूप जिला बस्तर पुलिस ने मादक पदार्थों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत 2 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के जब्त मादक पदार्थों का विधिवत नष्टीकरण किया। जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में दर्ज कुल 61 प्रकरणों में जब्त 2234.648 किलोग्राम गांजा तथा 6500 मिलीलीटर नशीली सिरप को निर्धारित प्रक्रिया के तहत नष्ट किया गया। इन मादक पदार्थों का अनुमानित बाजार मूल्य 2 करोड़ 2 लाख 97 हजार 560 रुपये बताया गया है। नष्टीकरण की कार्रवाई के दौरान गांजा को एनएमडीसी के फर्नेस भट्ठी में जलाकर नष्ट किया गया, जबकि नशीली सिरप को बोतलों से निकालकर निर्धारित मानकों के अनुसार गड्ढे में डालकर निपटाया गया। पर्यावरणीय मानकों का पालन करते हुए खाली प्लास्टिक बोतलों को पुनर्चक्रण के लिए प्लास्टिक फैक्ट्री भेजा गया। इस पूरी कार्रवाई में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में पारदर्शी प्रक्रिया अपनाई गई। जिला पुलिस का कहना है कि नशीले पदार्थों की तस्करी और अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है तथा समाज को नशामुक्त बनाने की दिशा में सख्ती से कार्य किया जा रहा है।

पर्यावरणीय और कानूनी मानकों का विशेष ध्यान रखा

जिला बस्तर पुलिस द्वारा नष्ट किए गए मादक पदार्थों में 2234.648 किलोग्राम गांजा और 6500 मिलीलीटर नशीली सिरप शामिल है। कुल 61 मामलों से संबंधित इन जब्त सामग्रियों का बाजार मूल्य 2.03 करोड़ रुपये से अधिक आंका गया। कार्रवाई के दौरान पर्यावरणीय और कानूनी मानकों का विशेष ध्यान रखा गया तथा नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध आगे भी लगातार अभियान जारी रखने की बात कही गई।

नीतिगत सुधार, आंतरिक सुरक्षा और सुशासन के बेमिसाल 12 वर्ष : वेदप्रकाश पाण्डेय

मोदी सरकार के फैसलों ने बदली देश की दिशा और दशा

जगदलपुर/नवप्रदेश। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि यह कार्यकाल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण को समर्पित रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने अनेक ऐतिहासिक और दूरगामी प्रभाव वाले निर्णय देखे हैं, जिन्होंने भारत को आंतरिक रूप से अधिक सुरक्षित तथा आर्थिक रूप से अधिक सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि धारा 370 की समाप्ति, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण तथा राष्ट्रीय सुरक्षा नीति में आए व्यापक बदलाव प्रधानमंत्री मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और दूरदर्शी नेतृत्व का परिणाम हैं। वहीं जीएसटी, जनधन योजना और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) जैसी व्यवस्थाओं ने भ्रष्टाचार पर प्रभावी अंकुश लगाते हुए सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने का कार्य किया है। वेदप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं ने छत्तीसगढ़ सहित देश के पिछड़े क्षेत्रों में विकास की नई संभावनाएं पैदा की हैं। स्टार्टअप इंडिया, मुद्रा योजना और अन्य स्वरोजगार योजनाओं के माध्यम से युवाओं को रोजगार एवं उद्यमिता के नए अवसर प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध केंद्र सरकार की सख्त नीति और सतत प्रयासों से बस्तर में शांति एवं विकास का वातावरण मजबूत हुआ है तथा क्षेत्र तेजी से प्रगति की ओर बढ़ रहा है।

इंद्रावती विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष शरद अवस्थी का भव्य स्वागत

■ पदभार ग्रहण के बाद प्रथम नगर आगमन पर निकली बाइक रैली मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना कर बस्तर की खुशहाली की कामना

जगदलपुर/नव प्रदेश। इंद्रावती विकास प्राधिकरण के नवनियुक्त उपाध्यक्ष शरद अवस्थी के पदभार ग्रहण करने के बाद प्रथम नगर आगमन पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका जोरदार एवं आत्मीय स्वागत किया। लालबाग चौक से मोटरसाइकिल रैली निकालकर कार्यकर्ताओं ने उनका अभिनंदन किया। रैली शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए मां दंतेश्वरी मंदिर पहुंची,जहां शरद अवस्थी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर छत्तीसगढ़ और बस्तर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं विकास की कामना की। इसके बाद सिटी कोतवाली चौक में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं तथा आतिशबाजी के साथ उनका स्वागत किया। स्वागत रैली मेन रोड,गोलबाजार चौक,सीरासार चौक और दंतेश्वरी मंदिर मार्ग से होते हुए भाजपा जिला कार्यालय पहुंची। जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में शरद अवस्थी नेकार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए संगठन के शीर्ष नेतृत्व तथा पार्टी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि उन्हें मिली जिम्मेदारी बस्तर के सर्वांगीण विकास और जनहित के कार्यों को गति देने के लिए है तथा वे पूरी निष्ठा से इस दायित्व का निर्वहन करेंगे। इस दौरान पूर्व विधायक डॉ सुभाऊ कश्यप,विद्याशरण तिवारी,भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय,जिला सहकारी बैंक उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा,महापौर संजय पाण्डेय,निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संगठन ने उनके प्रति विश्वास और समर्थन व्यक्त किया

इंद्रावती विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी मिलने के बाद शरद अवस्थी के प्रथम नगर आगमन को भाजपा कार्यकर्ताओं ने उत्सव के रूप में मनाया। स्वागत रैली,मंदिर दर्शन और कार्यकर्ता सम्मेलन के माध्यम से संगठन ने उनके प्रति विश्वास और समर्थन व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला और बस्तर क्षेत्र के विकास को लेकर सकारात्मक संदेश दिया गया। पूर्व विधायक डॉ. सुभाऊ कश्यप, विद्याशरण तिवारी,भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय,जिला सहकारी बैंक उपाध्यक्ष श्रीनिवास मिश्रा,महापौर संजय पाण्डेय,निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बैडमिंटन टूर्नामेंट का भव्य समापन खिलाड़ियों को मिला सम्मान

■ जिला स्तरीय प्रतियोगिता में 130 से अधिक खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

जगदलपुर। नव प्रदेश। प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम के बैडमिंटन हॉल में बस्तर जिला बैडमिंटन संघ द्वारा आयोजित जिला स्तरीय सब जूनियर एवं जूनियर बैडमिंटन प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। समापन समारोह में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण सिंह देव मुख्य अतिथि तथा महापौर संजय पांडे अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। अतिथियों ने विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दो दिवसीय प्रतियोगिता में जिले के 130 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के तहत अंडर-11, अंडर-13 और अंडर-17 वर्गों में सिंगल्स एवं डबल्स मुकाबले आयोजित किए गए। खिलाड़ियों ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान शानदार खेल कौशल, चुस्ती, फुर्ती और रणनीतिक क्षमता का प्रदर्शन किया। अतिथियों ने कहा कि खेल युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का विकास करते हैं। इस दौरान किरण सिंह देव ने खेल प्रतिभाओं को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय खेल परिसरों और प्रशिक्षण सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता पर बल दिया।बस्तर जिला बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष संजय विश्वकर्मा एवं सचिव राजेश त्रिपाठी ने बताया कि प्रतियोगिता में नए खिलाड़ियों के साथ अनुभवी युवा प्रतिभागियों ने भी हिस्सा लिया, जिससे मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। आयोजन को सफल बनाने में संघ के पदाधिकारियों, प्रशिक्षकों और स्वयंसेवकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रतियोगिता के प्रमुख विजेता

अंडर-11 बालक वर्ग में रियान कुरैन विजेता और चेरी उपविजेता रहे। अंडर-11 बालिका वर्ग में दिया कटमारेड्डी ने खिताब जीता जबकि स्वेच्छा नक्का उपविजेता रहीं। अंडर-13 बालक वर्ग में शिखर टाह विजेता और जयंत उपविजेता बने।

लंबित पेंशन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण की मांग

जगदलपुर। नवप्रदेश। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ बस्तर संभाग के प्रतिनिधिमंडल ने संभागीय अध्यक्ष राम नारायण ताटी के नेतृत्व में संयुक्त संचालक कोष, लेखा एवं पेंशन कमलेश रायस्त से सौजन्य भेंट कर पेंशनरों के विभिन्न लंबित एवं महत्वपूर्ण प्रकरणों के शीघ्र निराकरण का आग्रह किया। बैठक में सेवा निवृत्त कर्मचारियों से जुड़े कई मामलों को प्रमुखता से उठाया गया। प्रतिनिधिमंडल ने लोक निर्माण विभाग भोपालपटनम से समयपाल पद से सेवानिवृत्त एक कर्मचारी के पेंशन निर्धारण में फिटमेंट फैक्टर का समुचित लाभ नहीं मिलने का मामला उठाया। इस संबंध में संयुक्त संचालक ने सेवा पुस्तिका सहित आवेदन प्रस्तुत करने पर प्रकरण का परीक्षण कर त्रुटि पाए जाने पर संशोधित पीपीओ जारी करने का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान दंतेवाड़ा के पंचायत विभाग से सेवानिवृत्त एक लिपिक के लंबित ईआरएन प्रकरण की भी जानकारी दी गई।

महापौर के फैसले पर नेता प्रतिपक्ष का हमला

■ बाजार क्षेत्र में पेयजल सुविधा बहाल करने की मांग

■ ग्रामीणों, मजदूरों और राहगीरों को हो रही दिक्कत का दावा

■ जनसुविधाओं को बंद करने के बजाय उनका विस्तार किया जाना चाहिए

जगदलपुर/नवप्रदेश। नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष ने शहर के व्यावसायिक क्षेत्रों में पेयजल सुविधाएं बंद किए जाने का आरोप लगाते हुए महापौर के निर्णय पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि कांग्रेस शासनकाल में स्थापित वाटर एटीएम बंद होने के बाद अब विभिन्न बाजार क्षेत्रों में संचालित सार्वजनिक नलों पर भी ताला लगा दिया गया है,जिससे ग्रामीण अंचलों से आने वाले छोटे व्यापारियों, मजदूरों,हमालों और राहगीरों को पीने के पानी के लिए भटकना पड़ रहा है।

नेता प्रतिपक्ष के अनुसार गोलबाजार, संजय बाजार, प्रतापगंज पारा, सदर वार्ड और ठाकुर रोड जैसे व्यावसायिक क्षेत्रों में सार्वजनिक नल लंबे समय से लोगों की जरूरत पूरी कर रहे थे। इन नलों का उपयोग चाय-ठेला संचालक, सब्जी विक्रेता, मिट्टी के बर्तन बेचने वाले छोटे व्यापारी तथा अन्य दुकानदार पेयजल संग्रहण के लिए करते थे। नल बंद होने से अब लोगों को या तो पानी खरीदना पड़ रहा है अथवा घर से पानी लाने को मजबूर होना पड़ रहा है।

उन्होंने आरोप लगाया कि शहरवासियों से किए गए कई वादे अब तक धरातल पर नहीं उतर सके हैं। सार्वजनिक शौचालय, पिंक टॉयलेट, स्वच्छ पेयजल, बेहतर सफाई व्यवस्था और कचरा संग्रहण जैसी सुविधाओं को लेकर किए गए दावों के बावजूद नागरिकों को अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उनका कहना है कि नगर निगम प्रशासन की कार्यशैली के कारण आम लोगों को रोजमर्रा की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

समस्या को लेकर उन्होंने नगर निगम प्रशासन से सार्वजनिक नलों की सुविधा तत्काल पूर्ववत शुरू करने की मांग की है, ताकि बाजार क्षेत्रों में आने वाले ग्रामीण,छोटे व्यापारी,मजदूर, खरीददार और राहगीरों को राहत मिल सके।

नगर निगम में नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी ने कहा कि वाटर एटीएम और सार्वजनिक नल बंद होने से शहर के व्यावसायिक क्षेत्रों में पेयजल संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है। उन्होंने महापौर से जनसुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए बंद सार्वजनिक नलों को शीघ्र शुरू कराने की मांग की है।

जनता को पानी चाहिए,ताले नहीं : राजेश चौधरी

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि सार्वजनिक पेयजल व्यवस्था आम लोगों की बुनियादी आवश्यकता से जुड़ा विषय है। बाजार क्षेत्रों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण,मजदूर,हमाल और छोटे व्यापारी पहुंचते हैं,जिन्हें पीने के पानी की सुविधा उपलब्ध कराना नगर निगम की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जनसुविधाओं को बंद करने के बजाय उनका विस्तार किया जाना चाहिए। यदि सार्वजनिक नलों को शीघ्र शुरू नहीं किया गया तो इससे आम नागरिकों की परेशानी और बढ़ेगी। जनता को सुविधाएं चाहिए, ताले नहीं।

पीएम आवास योजना के लाभार्थियों से मिले विधायक किरण सिंह देव

जगदलपुर/नवप्रदेश। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर चलाए जा रहे 12 साल बेमिसाल अभियान के तहत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव ने सोमवार को जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम तिंतिरगांव और करनपुर का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों, पंचायत प्रतिनिधियों तथा प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों से मुलाकात कर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और उनके प्रभाव की जानकारी ली। दौरे के दौरान किरण सिंह देव प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के घर पहुंचे और उनसे संवाद किया। लाभार्थियों ने बताया कि पक्के मकान मिलने से उनका जीवन अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक हुआ है। विशेषकर बरसात के मौसम में होने वाली समस्याओं से उन्हें बड़ी राहत मिली है। ग्रामीणों ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। किरण सिंह देव ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है तथा पात्र हितग्राहियों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जा रहा है।

हितग्राहियों को योजनाओं का अधिक से अधिक मिले लाभ: निगम कमिश्नर

■ नगर निगम में पीएम स्वनिधि समृद्धि योजना शिविर का आयोजन

बिलासपुर/नवप्रदेश। पी.एम. स्वनिधि लोक कल्याण महोत्सव के अन्तर्गत् विकास भवन के दृष्टि सभा कक्ष में प्रातः समय 11.00 बजे से पथ विक्रेताओं, शहरी गरीबों एवं अंसगठित श्रमिकों के लिये पी.एम. स्वनिधि समृद्धि योजना शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में श्रमविभाग, महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग की योजना की जानकारी दी गई। आज के कार्यक्रम में वेण्डरों को डिजिटल साक्षरता पर विस्तृत जानकारी बैंक अधिकारियों द्वारा दी गई।

बैठक में निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने कहा की शासन की सभी योजनाओं का लाभ आम हितग्राहियों को समय पर प्राप्त हो सके ऐसी व्यवस्था बनाई जाएं साथ ही उन्होंने योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक हितग्राहियों को मिलें इस दिशा में प्रयास करने के निर्देश दिए। निगम कमिश्नर ने बैंकों से आए हुए समस्त क्षेत्रीय प्रबंधकों से कहा कि बैंकों में लंबित स्व निधि योजना के लोन प्रकरण का निपटान करें। उक्त शिविर में निगम कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे, संयुक्त संचालक वित्त दिनेश निर्मलकर, अपर आयुक्त खजांची कुम्हार, रेणुका पिंगले (समाज कल्याण अधिकारी) के साथ बैंक ऑफ बड़ोदा के प्रबंधक रीतिका खाखा, आई.सी.आई.सी.आई बैंक से गौरंग रजक, भारतीय स्टेट बैंक कलेक्टोरेट से रामेश्वर सिंह, आई.डी.बी.आई. बैंक से सोवम नायर, पंजाब नेशनल बैंक से सुनील कुमार, पंजाब नेशनल बैंक मोपका रोजी एक्का, श्रम विभाग से रवि कुमार एवं सीएमएचओ ऑफिस से संतोष कुमार गुप्ता शामिल हुये। सभी प्रबंधकों द्वारा पी.एम. समृद्धि शिविर का लाभ उठाते हुये कर्मचारियों को योजना के द्वारा आ रही समस्याओं का भी समाधान किया गया एवं पी.एम. स्वनिधि के बैंको में लंबित आवेदनों को शीघ्र स्वीकृति किये जाने हेतु कहा गया।

अधूरे पीएम आवासों को जल्द पूरा करने हितग्राहियों से निगम कमिश्नर ने की चर्चा

नगर पालिक निगम बिलासपुर कमिश्नर प्रकाश कुमार सर्वे ने आज देवरीखुर्द क्षेत्र में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बीएलसी घटक के हितग्राहियों से सीधे संवाद कर आवास निर्माण की प्रगति की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने ऐसे हितग्राहियों से मुलाकात की, जिन्होंने अब तक अपने आवास निर्माण कार्य प्रारंभ नहीं किया है अथवा जिनके आवास निर्माणाधीन हैं। आयुक्त श्री सर्वे ने हितग्राहियों से चर्चा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना शासन की महत्वाकांक्षी योजना है, जिसका उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को अपना पक्का घर उपलब्ध कराना है। उन्होंने हितग्राहियों से अपील की कि वे शासन से प्राप्त सहायता राशि का सदुपयोग करते हुए शीघ्र ही आवास निर्माण कार्य प्रारंभ करें तथा जिनके आवास निर्माणाधीन हैं, वे निर्धारित समय-सीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करें उन्होंने हितग्राहियों की समस्याओं और आवश्यकताओं की भी जानकारी ली तथा उन्हें योजना के लाभों के बारे में विस्तार से बताते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाने के लिए प्रेरित किया। आयुक्त ने कहा कि समय पर आवास निर्माण पूर्ण होने से हितग्राहियों को अपने स्वयं के सुरक्षित और सुविधायुक्त घर का लाभ मिल सकेगा तथा योजना के उद्देश्यों की भी प्रभावी पूर्ति होगी। इस अवसर पर निगम अधिकारियों ने भी हितग्राहियों को आवास निर्माण से संबंधित आवश्यक जानकारी प्रदान की और उन्हें निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित किया।

समर्थ भारत कॉन्क्लेव में एआई आधारित कौशल विकास और विकसित भारत पर हुआ मंथन

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग मानव सेवा और मानव कल्याण के लिए हो: राज्यपाल डेका

बिलासपुर/नवप्रदेश। डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय एवं आईसेक्ट इंडिया ग्रुप के संयुक्त तत्वावधान में राजधानी रायपुर के होटल बेबीलोन में दो दिवसीय 'समर्थ भारत कॉन्क्लेव' का शुभारंभ हुआ। 16 एवं 17 जून को आयोजित इस कॉन्क्लेव का विषय Reimagining Impact: AI-Driven Skilling, Financial Inclusion and Social Enterprises for Viksit Bharat रखा गया है। कार्यक्रम में विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत, स्किल इंडिया, वित्तीय समावेशन, सामाजिक उद्यमिता तथा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कौशल विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा की जा रही है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के महामहिम राज्यपाल रमेन डेका थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग मानव सेवा और मानव कल्याण के लिए होना चाहिए। किसी भी नई तकनीक के सकारात्मक उपयोग को बढ़ावा देना आवश्यक है, वहीं उसके दुरुपयोग के प्रति भी समाज को सजग रहना होगा। उन्होंने कहा कि डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय और आईसेक्ट इंडिया ग्रुप द्वारा ग्रामीण युवाओं को केंद्र में रखकर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कौशल रथ की शुरुआत की गई है, जो एक दूरदर्शी और महत्वपूर्ण पहल है। राज्यपाल ने कहा कि भारत के गांवों तक तकनीक और नवाचार का लाभ पहुंचाना समय की आवश्यकता है। आईसेक्ट इंडिया ग्रुप और डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि तकनीक को जीवन में सहायक के रूप में अपनाया जाना चाहिए, न कि उसे किसी खतरे के रूप में स्थान दिया जाना चाहिए। एआई मानव का सहयोगी है, लेकिन यह मानव बुद्धि और संवेदनशीलता का विकल्प नहीं बन सकता। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और इको-फ्रेंडली जीवनशैली को अपनाने पर भी जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने एआई कौशल रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित छत्तीसगढ़ शासन के तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहिब ने कहा कि आईसेक्ट इंडिया ग्रुप पिछले चार दशकों से कंप्यूटर शिक्षा और तकनीकी जागरूकता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

गांव-गांव तक जानकारी पहुंचाना उद्देश्य: डॉ. चतुर्वेदी

आईसेक्ट इंडिया ग्रुप के एक्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने कहा कि एआई कौशल रथ का उद्देश्य आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की जानकारी को गांव-गांव तक पहुंचाना है। मध्यप्रदेश के बाद अब छत्तीसगढ़ में इसकी शुरुआत की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में तकनीक, कौशल और नवाचार की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। छत्तीसगढ़ के युवा इस दिशा में उल्लेखनीय योगदान देने की क्षमता रखते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में भारत वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभाएगा और छत्तीसगढ़ इस परिवर्तन का महत्वपूर्ण भागीदार बनेगा।

विवि एआई आधारित शिक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास को प्राथमिकता दे रहा: प्रो. घोष

कार्यक्रम में डॉ. सी. वी. रमन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रदीप कुमार घोष ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्वविद्यालय एआई आधारित शिक्षा, अनुसंधान और कौशल विकास को प्राथमिकता दे रहा है। उन्होंने बताया कि आधुनिक तकनीक के माध्यम से विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रदान की जा रही है, जिससे वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा के अनुरूप अपनी क्षमताओं का विकास कर सकें। उन्होंने कहा कि एआई आज केवल तकनीक नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बन चुका है। कॉन्क्लेव में पद्मश्री अजय मांडवी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में उद्यमिता, संघर्ष और सफलता से जुड़े अपने जीवन के अनुभव साझा किए। उन्होंने ग्रामीण उद्यमियों को चुनौतियों से घबराने के बजाय अवसरों की पहचान करने और निरंतर प्रयास करते रहने की प्रेरणा दी। उनके अनुभवों ने उपस्थित प्रतिभागियों को नई ऊर्जा और आत्मविश्वास प्रदान किया। दो दिवसीय कॉन्क्लेव के दौरान विभिन्न तकनीकी एवं विषयगत सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत, कौशल विकास, डिजिटल सशक्तिकरण, वित्तीय समावेशन, सामाजिक उद्यमिता और ग्रामीण नवाचार जैसे विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विचार रखे जा रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं, उद्यमियों और समाज के विभिन्न वर्गों को नई तकनीकों से जोड़ते हुए उन्हें आत्मनिर्भर और सक्षम बनाना है। इस अवसर पर कौशल प्रशिक्षित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किया गया।

अरुण साव के बयान पर भड़के शैलेश बोले- जनता का दर्द सुनना सीखिए

बिलासपुर/नवप्रदेश। प्रदेश सरकार की 12 वर्ष की उपलब्धियों को लेकर उपमुख्यमंत्री अरुण साव द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। बिलासपुर के पूर्व विधायक शैलेश पांडेय ने महंगाई और जनता की समस्याओं को लेकर उपमुख्यमंत्री के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सरकार पर जनता के दर्द से कटे होने का आरोप लगाया है।

शैलेश पांडेय ने कहा कि डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस और रोजमर्रा की वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से केवल कांग्रेस नहीं, बल्कि प्रदेश का हर आम नागरिक प्रभावित है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या महंगाई से सिर्फ विपक्ष को परेशानी है, भाजपा के कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों को इसका असर महसूस नहीं होता? पूर्व विधायक ने कहा कि जनता की समस्याओं को उठाना विपक्ष का दायित्व है और इसे राजनीतिक चश्मे से देखने के बजाय सरकार को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की जनता महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक दबाव से जूझ रही है, लेकिन सरकार अपनी उपलब्धियों के प्रचार में व्यस्त है। शैलेश पांडेय ने उपमुख्यमंत्री अरुण साव के उस बयान पर भी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने विरोध करने वालों को पाकिस्तान जाने की बात कही थी। पांडेय ने कहा कि लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना हर नागरिक का अधिकार है। महंगाई और जनसरोकार के मुद्दों पर आवाज उठाने वालों को देशभक्ति का प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि जनता की परेशानी को समझने के बजाय यदि सत्ता पक्ष सवाल उठाने वालों को ही निशाने पर लेगा तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत होगा। सरकार को विपक्ष के सवालों का जवाब देना चाहिए, न कि जनता की आवाज को दबाने का प्रयास करना चाहिए। पूर्व विधायक ने दावा किया कि प्रदेश की जनता बढ़ती महंगाई और जीवन-यापन की कठिनाइयों से परेशान है तथा सरकार को जमीनी हकीकत पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष जनता की आवाज उठाता रहेगा और जनहित के मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगता रहेगा।

न्यूज गैलरी

विपश्यना शिविर में शिक्षकों व छात्रों ने किया ध्यान

बिलासपुर/नवप्रदेश। साइंस कॉलेज में एलुमनी एसोसिएशन द्वारा तीन दिवसीय विपश्यना ध्यान शिविर का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व छात्र-छात्राओं, वर्तमान विद्यार्थियों, महाविद्यालय स्टाफ एवं नागरिकों ने सहभागिता की। शिविर में समर्थ गुरु धारा के आचार्य योगेश पांडेय ने ध्यान साधना कराते हुए प्रतिभागियों को आंतरिक शांति, एकाग्रता और सकारात्मक जीवनशैली का संदेश दिया। ध्यान सत्र की शुरुआत ऊर्जा जागरण की विशेष प्रक्रिया से हुई। इसके बाद आचार्य पांडेय ने प्रतिभागियों को अनापानसति योग ध्यान का अभ्यास कराया। उन्होंने कहा कि नियमित ध्यान साधना मन को शांत, संतुलित और सकारात्मक बनाती है तथा जीवन की चुनौतियों का सामना करने की शक्ति प्रदान करती है। ध्यान सत्र के दौरान उपस्थित साधकों ने गहन ध्यान का अनुभव किया और मानसिक शांति का लाभ प्राप्त किया।

शशि बिलासा वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष नियुक्त

बिलासपुर/नवप्रदेश। बिलासा वरिष्ठ नागरिक मंच बिलासपुर का नौवां वार्षिक अधिवेशन मां वैष्णो देवी मंदिर सभागार में हुआ। इसमें मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ लघु उद्योग संघ के अध्यक्ष हरीश केडिया व विशिष्ट अतिथि डीएलएस कॉलेज के संरक्षक संजय शर्मा रहे। अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष शशि प्रकाश मिश्रा ने की। अधिवेशन के द्वितीय सत्र में चुनाव अधिकारी पूर्व न्यायाधीश एनडी एक्का की मौजूदगी में मंच के पदाधिकारियों का चुनाव हुआ। इसमें शशि प्रकाश मिश्रा अगले 3 सालों के लिए निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मिश्रा ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा की।

अवैध बिक्री करते 93 पाव देसी शराब सहित एक युवक गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। देसी शराब की अवैध बिक्री करने वाले एक युवक को 93 पाव शराब सहित मल्हार पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार मल्हार क्षेत्र ग्राम ठाकुरदेवा पर अवैध शराब की बिक्री किया जा रहा है इस प्रकार से सूचना प्राप्त हो रही थी जिस पर शराब बेचने वाले की गतिविधियों पर निगाह रखी जा रही थी कि 15 जून को मुखबिर से सूचना मिली ग्राम ठाकुर देवा में अवैध रूप से शराब लाकर आरोपी अंजोर दास बंसल के द्वारा बेचा जा रहा जिस संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराकर दिशा निर्देश प्राप्त कर टीम बनाकर ग्राम ठाकुर देवा आरोपी अंजोर दास बंसल के द्वारा शराब बेचने की सूचना को तस्दीक करने पर सूचना सही पाए जाने पर मल्हार पुलिस के द्वारा आरोपी को पकड़ने के लिए उसके घर के पास घेराबंदी की गई जो आरोपी शराब को लुकाने व छिपाने के दौरान आरोपी को 93 नग देसी प्लेन शराब के साथ पकड़ा गया जिसे जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत कार्रवाई कर आरोपी को न्यायालय पेश किया गया है। उक्त कार्रवाई में विशेष योगदान मल्हार के उप निरीक्षक अवधेश सिंह प्रधान आरक्षक, मनोज राजपूत, नुवास तिग्गा, आरक्षक रमेश साहू आरक्षक किशन राय आरक्षक विकास अंचल की विशेष भूमिका रही।

व्यापारी से दो लाख की धोखाधड़ी, आरोपी गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। व्यापार विहार में गल्ला किराना व्यापारी से धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को तारबाहर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने अपने आप को आयोध्या का पंडित बताकर प्रार्थी से 2.5 लाख रूपए की धोखाधड़ी किया था। तारबाहर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई कर एक आरोपी को दुर्ग से गिरफ्तार किया है। मामले में दूसरे आरोपी की तलाश की जा रही है। आरोपी के विरुद्ध पूर्व में ठगी व चोरी के कई मामले पंजीबद्ध है।

पुलिस के अनुसार जनकराम साहू पिता स्व. हीरालाल साहू उम्र 57 साल निवासी ग्राम रोगदा, थाना नवागढ़, जिला जाजगीर-चांपा. जो 12 जून को एक थैला में रकम लेकर ब्यापार बिहार बिलासपुर गल्ला किराना सामान खरीदने के लिए गया था, ब्यापार बिहार में दो अज्ञात व्यक्ति मिले, जो अपने को अयोध्या का पंडित होना बताकर प्रार्थी को अमीर बनाने का लालच देकर ढाई लाख रूपये से भरे थैला को लेकर भाग गये है। प्रार्थी के रिपोर्ट पर थाना तारबाहर बिलासपुर में विषयांकित अपराध धारा कायम कर विवे. में लिया गया था घटना गंभीर होने से पुलिस उप महानिरीक्षक व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह को अवगत कराते व उनके द्वारा तत्काल कार्रवाई करने निर्देशित किया गया। उनके निर्देशानुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) पंकज कुमार पटेल एवं नगर पुलिस अधीक्षक सिटी कोतवाली गगन कुमार के मार्गदर्शन पर निरी. रविन्द्र अनंत थाना प्रभारी थाना तारबाहर एवं एसीसीयू की टीम द्वारा आसपास के सीसीटीवी फुटेज एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर उक्त आरोपी को दुर्ग से घेराबंदी कर पकड़ा गया है। उक्त आरोपी के विरुद्ध पूर्व में चोरी एवं ठगी के कई मामले पंजीबद्ध होना पाया गया है 7 प्रकरण के एक अन्य आरोपी वासिम खान पिता वकार अहमद खान सा केला बाड़ी जिला दुर्ग फरार है जिसकी पतासाजी की जा रही है। आरोपी हैदर अली को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया गया है। उक्त कार्रवाई में निरी. रविन्द्र अनंत, सउनि संजय शर्मा, आर.नुरूल कादिर, आर. राजेश श्रीवासका सराहनीय योगदान रहा।

चाकू लहराते दो युवक गिरफ्तार

बिलासपुर/नवप्रदेश। चकरभाठा क्षेत्र में लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास व वासु मंगलम के सामने धारदार लोहे का तलवार व गड़ासा लेकर लहराते हुए आम लोगों को डराने धमकाने वाले दो बदमाशों को चकरभाठा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी के कब्जे से एक धारदार लोहे का तलवार व एक लोहे का गड़ासा जब्त किया है। दोनों आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत कार्रवाई की गई। पुलिस के अनुसार चकरभाठा क्षेत्र में लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास एवं वासु मंगलम के सामने दो बदमाशों द्वारा अपने अपने हाथों में एक धारदार लोहे का तलवार व एक लोहे का गड़ासा लेकर लहराते हुए लोगों को डरा धमका रहे हैं कि सूचना पर त्वरित कार्यवाही करते हुए तत्काल उपरोक्त दोनों बदमाशों को अभिरक्षा में लेकर उनके कब्जे से एक धारदार लोहे का तलवार व एक लोहे का गड़ासा जप्त किया गया है। दोनों आरोपी के विरुद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत विधिवत कार्यवाही कर न्यायालय पेश किया गया है। आरोपी में राहुल दास मानिकपुरी पिता स्व. ईनम दास मानिकपुरी उम्र 22 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 14 चकरभाठा, रुद्र उर्फ बाबू शुक्ला पिता संतोष शुक्ला उम्र 19 वर्ष निवासी वार्ड नंबर 8 राम मंदिर के पास चकरभाठा शामिल हैं।

कैंप: परीक्षा के माध्यम से प्रतिभागियों के स्काउटिंग व गाइडिंग संबंधी ज्ञान का किया गया मूल्यांकन

टेस्टिंग कैंप में 150 से अधिक स्काउट्स-गाइड्स ने दी ऑनलाइन परीक्षा

बिलासपुर/नवप्रदेश। साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, बिलासपुर जिला द्वारा 15 से 17 जून तक जिला स्तरीय टेस्टिंग कैंप-2026 का आयोजन किया जा रहा है। इस तीन दिवसीय शिविर में द्वितीय सोपान, तृतीय सोपान, राज्य पुरस्कार, राष्ट्रपति स्काउट/गाइड, निपुण तथा राष्ट्रपति रोवर/रेंजर पुरस्कार हेतु विभिन्न परीक्षाएं एवं मूल्यांकन गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

कैंप के प्रथम दिवस 15 जून को ऑनलाइन कंप्यूटर आधारित परीक्षा का सफल आयोजन बिलासपुर मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय परिसर के सीबीटी परीक्षा केंद्र में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स एवं रेंजर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा के माध्यम से प्रतिभागियों के स्काउटिंग एवं गाइडिंग संबंधी ज्ञान, सिद्धांतों तथा प्रशिक्षण की समझ का मूल्यांकन किया गया। इस जिला स्तरीय टेस्टिंग कैंप में बिलासपुर जिले के लगभग 150 प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं, जिनमें स्काउट्स, गाइड्स, रोवर्स, रेंजर्स, यूनिट लीडर्स, सर्विस टीम के सदस्य एवं परीक्षक सम्मिलित हैं। शिविर के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न प्रायोगिक एवं सैद्धांतिक परीक्षणों से गुजरना होगा। इन परीक्षणों के माध्यम से उनकी नेतृत्व क्षमता, समाज सेवा, आउटडोर कौशल, टीम भावना, अनुशासन तथा समग्र व्यक्तित्व विकास का आकलन किया जाएगा। यह शिविर युवा सदस्यों को अपनी प्रतिभा एवं क्षमताओं का प्रदर्शन करने तथा राज्य पुरस्कार एवं राष्ट्रपति पुरस्कार जैसे प्रतिष्ठित सम्मानों के लिए अर्हता प्राप्त करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रहा है। साथ ही यह कार्यक्रम स्काउटिंग एवं गाइडिंग आंदोलन के मूल उद्देश्यों-चरित्र निर्माण, नेतृत्व विकास, अनुशासन, आत्मनिर्भरता एवं समाज सेवा-को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह आयोजन अनुराग कुमार सिंह, जिला आयुक्त (स्काउट्स) एवं वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, बिलासपुर तथा नेहा सिंह, जिला आयुक्त (गाइड्स), बिलासपुर के मार्गदर्शन एवं जिला संगठन के पदाधिकारियों के सहयोग से सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है।

हॉकी खिलाड़ी अवि को मिले सम्मान और विशेष प्रोत्साहन राशि: केशरवानी

बिलासपुर/नवप्रदेश। शहर के युवा हॉकी खिलाड़ी अवि मानिकपुरी ने अपनी मेहनत, संघर्ष, अनुशासन और शानदार खेल प्रतिभा के दम पर भारतीय हॉकी में छत्तीसगढ़ का गौरव बढ़ाया है। भारतीय अंडर-18 हॉकी टीम के एशिया कप विजेता सदस्य रहे अवि मानिकपुरी ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर यह साबित किया है कि बिलासपुर और छत्तीसगढ़ की मिट्टी में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। उनकी इस उपलब्धि से आज पूरा बिलासपुर, पूरा छत्तीसगढ़ और देश गौरवान्वित महसूस कर रहा है। अवि मानिकपुरी की सफलता केवल एक खिलाड़ी की व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि

यह उन हजारों युवा खिलाड़ियों के सपनों की जीत है, जो सीमित संसाधनों के बावजूद खेल के क्षेत्र में देश का नाम रोशन करने का सपना देखते हैं। बिलासपुर के गौरव हॉकी खिलाड़ी अवि मानिकपुरी को राज्य सरकार द्वारा विशेष सम्मान प्रदान किया जाए। भारतीय हॉकी में उनकी उपलब्धि को देखते हुए उचित आर्थिक प्रोत्साहन राशि दी जाए। प्रदेश के खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण, आधुनिक खेल सुविधाएं और आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं।

स्कूलों में मंत्रोच्चारण पर उठ रहे सवाल...

विरोध-समर्थन के ताने-बाने में नौनिहालों का भविष्य...!

शशांक खरे

रायपुर/नवप्रदेश। 16 जून (मंगलवार) से शिक्षा सत्र 2026 का आगाज जहां एक ओर राष्ट्रगान, राष्ट्र गीत, मंत्रोच्चारण के साथ शुरू हुआ, वहीं इस नए प्रयोग को लेकर विरोध के स्वर भी उठने लगे हैं। कुछ प्रबुद्ध लोगों का तर्क है, शिक्षा के नाम पर प्रोपेगंडा किया जा रहा है। किसी विशेष विचारधारा को थोपने की कुत्सित चाल है। शिक्षा के मंदिर में मंत्रों का क्या काम? फिर झाड़-फूंक भी सिखाया जाना चाहिए, बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ किया जा रहा है। समय की बर्बादी है। इससे बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर, कलेक्टर नहीं बनेंगे, बल्कि बच्चे किसी ख़ास विचारधारा से बंधकर अपना भविष्य, अपना कैरियर, अस्तित्व तक खो देंगे।

कुछ प्रबुद्धजनों का कहना है कि सरकार ने वर्षों बाद इस दिशा में एक अच्छी और सार्थक पहल की है। बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों, अपनी संस्कृति, परंपरा से जोड़ने एक अच्छी पहल की गई है। यह काम काफी पहले हो जाना था। किंतु, देर से लिया गया फैसला है। लेकिन, देर आयद दुरुस्त आयद... इसके चिरकालिक परिणाम सकारात्मक ही आएंगे। नौनिहालों में शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी है। आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। बच्चों के दिमाग़ में केवल पाठ्यपुस्तकीय ज्ञान की ही नहीं, बल्कि अपनी संस्कृति के बारे में गहरा ज्ञान रखना भी जरूरी है। हर अच्छी चीज का विरोध होता है. स्कूली बच्चों को राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, राज्यगीत समेत तमाम वैदिक मंत्रों से परिचय कराना समय की मांग है।

बच्चों में राष्ट्र प्रेम और अच्छा संस्कार डालने का प्रयास

गिरीश पंकज, प्रांतीय अध्यक्ष, राष्ट्रभाषा प्रचार समिति छत्तीसगढ़

भारत में सदियों से गुरुकुल में प्रार्थना और भोजन मंत्र अनिवार्य थे। यही तो हमारी सनातन परंपरा रही है। देश की स्वतंत्रता के बाद राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत भी जुड़ गया। अगर इन सबको एक साथ स्मरण कर दोहराया भी जाता है, तो बमुश्किल 5-7 मिनट का समय ही लगेगा। भोजन मंत्र भी बहुत लंबा नहीं है। कुछ सेकेण्ड का है। स्कूल से लौटते वक्त भी अगर प्रार्थना की जाती है तो इन सारी चीजों का निष्कर्ष यही है कि हम बच्चे में एक नैतिक संस्कार और राष्ट्र तथा समाज के प्रति प्रेम और आदर का भाव ही विकसित करते हैं। इसका हृदय से स्वागत करना चाहिए। लेकिन इन सबके साथ इस बात का भी ध्यान रहे कि पढ़ाई पूरी होनी चाहिए।

नव प्रदेश विशेष

फोटो- महेन्द्र पटेल और आनंद पत्रकारश्री

सरकार नवाचार पर विशेष जोर दे रही

प्रदेश में शिक्षा को और बेहतर तथा रूचिकर बनाने सरकार नवाचार पर विशेष जोर दे रही है। राष्ट्र गान, राष्ट्र गीत, राज्य गीत के अलावा अन्य मंत्रों का उच्चारण नवाचार का हिस्सा है। हम निरंतर आगे और बेहतर परिणाम देंगे। संस्कृति और संस्कार हमारी धरोहर है। शिक्षा और संस्कार दोनों...समय की मांग है। नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति से विमुख नहीं किया जा सकता।

-**गजेन्द्र यादव**, शिक्षा मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन

ज्ञान और नैतिक शिक्षा की दृष्टि से देखें, तो बेहतर होगा...

जयंत थोरात, आईपीएस (सेवानिवृत्त पुलिस उप महानिरीक्षक) रायपुर, छत्तीसगढ़

शाला प्रवेश महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रीय गान व राज्य गान का गायन सर्वथा उचित व स्वागत योग्य है। इनकी जानकारी प्रारम्भ से ही बच्चों को होनी चाहिए। जहां तक अन्य मंत्रों को उच्चारित करने की बात है। इस पर मैं यह कहना चाहूँगा कि इसे सांप्रदायिकता की दृष्टि से न देखकर ज्ञान व नैतिक शिक्षा की दृष्टि से देखना उचित होगा, क्योंकि इनमें वे बातें निहित हैं, जो बच्चों में नैतिक गुणों का विकास करने व चरित्र निर्माण में सहायक होते हैं। हमें किसी भी कीमत पर अच्छे कदमों का स्वागत करना चाहिए, न कि हर चीज को सियासी दृष्टि से देखने की कुचेष्टा करनी चाहिए। शिक्षा में नवाचार समय की मांग है। अगर कुछ नया है तो सभी स्वागत करें।

हमें गर्व होता है अपनी संस्कृति और समाज पर...

डॉ. वर्णिका शर्मा, अध्यक्ष, बाल संरक्षण आयोग छत्तीसगढ़

प्रार्थना में असीम शक्ति होती है. आज की पीढ़ी को शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति का, अपनी महान परम्पराओं का, भारतीय जीवन दर्शन का ज्ञान अति आवश्यक है। मोबाइल की संस्कृति ने पूरे समाज को दिशाहीन कर दिया है। इसका सबसे ज़्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है। नए शिक्षा सत्र में यदि हमारी संस्कृति के संरक्षण के लिए वैदिक मंत्रों सहारा लिया जा रहा है, तो इसमें किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए. रहा सवाल राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत और राज्यगीत का तो हमें इसके गायन में बेहद गर्व होना चाहिए. भारतीय जीवन दर्शन व्यक्ति को जड़ से जोड़ता है। हमारी शिक्षा पद्धति विशिष्ट और संस्कृति का तो कोई जवाब ही नहीं है।

आरएसएस की विचारधारा विशुद्ध रूप से भारतीय...

रामेश्वर वैष्णव, वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार, रायपुर, छत्तीसगढ़

मंत्रोच्चारण कोई ग़लत बात नहीं। संस्कृत के श्लोकों में जीवन दर्शन एवं उचित मार्ग दर्शन निहित है। नैतिकता और व्यवहारिकता को संविधान की कसौटी में कसना विकृत मानसिकता का परिचायक है। क्या संविधान में लिखा है क्या कि भारतीय आदर्शवादिता का विरोध करना चाहिए। मंत्रोच्चारण में भी नैतिकता का उद्घोष है। आयातित विचारधारा के प्रति इतना आग्रह एक षड़यंत्र है। आरएसएस की विचारधारा शुद्ध भारतीय है। इसमें राजनीति की संकीर्णता, धर्म की कट्टरता और विचारधारा का प्रदूषण बिल्कुल नहीं है। भारतीयता में जो सहजता, सरलता एवं उदारता है उसका ही प्रतिबिंब है यह। इससे उन्हीं लोगों को तकलीफ हो सकती है, जो कहते कुछ हैं और करते कुछ हैं। सनातन का विरोध दर असल राष्ट्रद्रोह है। भारत के टुकड़े करने की मानसिकता छिपा हुआ ऐजेंडा है। हिन्दुओं को एक होने एवं इस षड़यंत्र को ध्वस्त करने की महती जिम्मेदारी है। खुशी की बात है कि हिन्दुओं में जाग्रति आ रही है और इसी कारण विरोधी घबराए हुए हैं।

बच्चों में संस्कार के बीज बोने अच्छी पहल...

पूर्वा श्रीवास्तव, वरिष्ठ कवियित्री एवं साहित्यकार रायपुर

नए शिक्षा सत्र में राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, राज्य गीत, सरस्वती वंदना तथा गुरु वंदना को भी स्थान दिया गया है, जो कि सराहनीय है। बच्चों में संस्कार के बीज रोपित करने की अच्छी पहल है। परंतु उसका अर्थ व उचित उच्चारण के साथ महत्व भी बताना जरूरी है, यह सिर्फ औपचारिकता नहीं होनी चाहिए। प्रवेश उत्सव सिर्फएक दिन के लिए नहीं, वरन संपूर्ण वर्ष बच्चों के लिए शाला जाना प्रसन्नता का विषय होना चाहिए। शिक्षा की गुणवत्ता तथा उचित शिक्षकों का चयन, जर्जर हो चुके विद्यालयों का नवीनीकरण तथा बच्चों को शिक्षा का उचित माहौल ही प्रवेश उत्सव को सही मायने में एक उत्सव का रूप प्रदान करेगा। नवाचार सराहनीय है।

सांस्कृतिक चेतना और समर्पण का संदेश है...

अशोक शर्मा, वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार महासमुंद, छत्तीसगढ़

स्कूलों में विद्यार्थियों के लिए लागू किए गए राष्ट्र गीत, राष्ट्र गान,राज्य गीत व अन्य मंत्रों के पाठ में बहुत सूक्ष्मदर्शी या नुक़्ताचीनी होने की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए। शिक्षा का उद्देश्य बच्चों के शैक्षणिक विकास के साथ-साथ सांस्कारिक विकास भी है। हमारे राष्ट्र गीत, राष्ट्र गान, राज्य गीत हमारे मन में हमारी मातृभूमि के प्रति हमारे भावनात्मक जुड़ाव, श्रद्धा और कर्त्तव्यपरायणता के भाव जागृत करते हैं। भोजन मंत्र सहयोग, एकता, भाई-चारा तथा गायत्री मंत्र सर्वव्यापी दैवीय शक्ति से यह प्रार्थना है कि हमारे विचार शुद्ध हों, हम सबके कल्याण के लिए अपनी बुद्धि का विवेकपूर्ण उपयोग करें। इसलिए समग्र रूप में देखें तो इनके दैनिक पाठ के माध्यम से हम अपनी गौरवशाली सांस्कारिक विरासत और सांस्कृतिक चेतना के प्रति सजगता और समर्पण का संदेश प्रसारित कर रहे हैं, जो वर्तमान संक्रमण काल में अधिक ज़रूरी भी है, मेरे विचार से इसके विरोध की कोई बात नहीं होनी चाहिए।

भारतीय संस्कृति और संस्कारों के पुनर्जागरण की ठोस पहल

संजीव ठाकुर, लेखक, साहित्यकार, अंतरराष्ट्रीय कवि रायपुर, छत्तीसगढ़

पाठशालाओं में कक्षाओं के प्रारंभ से पूर्व मंत्रोच्चारण, वंदे मातरम् तथा संस्कृत श्लोकों का पाठ भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण और नैतिक मूल्यों के पुनरुत्थान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हो सकता है। यह परंपरा विद्यार्थियों में राष्ट्रप्रेम, अनुशासन, संस्कार, आत्मविश्वास और आध्यात्मिक चेतना का विकास करेगी। आज के बच्चे ही कल के नागरिक हैं, इसलिए उन्हें सशक्त वैचारिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि प्रदान करना समय की आवश्यकता है। ऐतिहासिक दृष्टि से देखा जाए तो औपनिवेशिक काल में लागू की गई मैकाले की शिक्षा पद्धति ने भारतीय ज्ञान-परंपरा और सांस्कृतिक मूल्यों को काफी हद तक शिक्षा से अलग कर दिया था। विद्यालयों में भारतीय परंपरा आधारित प्रार्थना, श्लोक और राष्ट्रभक्ति के गीतों का समावेश उस कमी को दूर करने का माध्यम बन सकता है। यदि इस व्यवस्था को व्यापक रूप से लागू किया जाए तो यह भारतीय सनातन संस्कृति, नैतिक शिक्षा और राष्ट्रीय चेतना के पुनर्जागरण का आधार बन सकती है।

नवाचार समय की मांग है, यह पहल स्वागतेय...

परसराम साहू, राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त, सेवानिवृत्त शिक्षक, कुम्हारी दुर्ग, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन विद्यालय में कितना होगा हमें पता नहीं। बच्चे आज राष्ट्र गान को ठीक से गा नहीं पाते हैं। किन्तु शासन की मंशा जाहिर होती दिखाई दे रही है कि बच्चों में राष्ट्र प्रेम, नैतिक मूल्यों, अनुशासन, अपने कर्तव्यों के प्रति संकल्पित हों। इन गीतों और मंत्रों को पहले शिक्षक और छात्रों को कंठस्थ करना होगा। उनके भावार्थ को भी समझें। मेरा मानना है कि जब इतने सारे गान,आदि जोड़ दिया गया है और सर्वधर्म प्रार्थना का ना होना, प्रश्न चिन्ह लगाता है। फिर भी अच्छा प्रयास है शिक्षा विभाग को बधाई। नवाचार करते ही रहना चाहिए, यह समय की मांग भी है।

हमारे समाज में गुरु को ईश्वर से ऊपर का दर्जा प्राप्त है। गुरु की स्तुति या वंदना करना हम भारतीयों के संस्कार का हिस्सा है। विरोध किसी घटिया राजनीतिक सोच का ही परिणाम है। विरोध करने वाले पूर्वाग्रह से ग्रसित हैं। राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, राज्यगीत... का महत्व बच्चों को अगर समय रहते नहीं बताया जाएगा, तो कब सीखेंगे। शिक्षा के मंदिर में शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी अति आवश्यक है। बिना उत्तम संस्कार के व्यक्तित्व पूर्ण नहीं होता। कामयाबी के लिए शिक्षा आवश्यक है, तो व्यक्ति (एक अच्छा नागरिक) बनने के लिए शिक्षा और संस्कार दोनों आवश्यक है। फिलहाल, अवरोध-विरोध-समर्थन के बीच नए शिक्षा सत्र साल 2026 का शानदार आगाज़ हो चुका है। सरकार के नए फ़रमान का शिक्षा व्यवस्था पर क्या असर पड़ेगा? नौनिहालों के व्यक्तित्व और कॅरियर पर क्या असर पड़ेगा? सरकार का ये नया प्रयोग बच्चों के मन-मस्तिष्क पर कितना सकारात्मक प्रभाव डालेगा? यह भविष्य के गर्भ में है। विरोध करने वालों का तर्क यह भी है, कि हमारा संविधान शैक्षिक संस्थाओं में किसी धार्मिक मंत्रों के उच्चारण, गायन की अनुमति नहीं देता है। उन्हें राष्ट्रगान से कोई ऐतराज़ नहीं है। किंतु, धार्मिक मंत्र थोपना सरासर ग़लत है। सरकारी स्कूलों में इस नए प्रयोग पर क्या कहता है समाज का प्रबुद्ध वर्ग, हमने उनसे उनकी प्रतिक्रिया जानने की कोशिश की। प्रस्तुत है, बुद्धिजीवियों के विचार....

प्रार्थना से व्यक्तित्व का होता है निर्माण...

डॉ गजेंद्र तिवारी, शिक्षाविद, पाली बिलासपुर, छत्तीसगढ़

विद्यालय की प्रार्थना एवं मंत्र विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। यह केवल एक दैनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि संस्कारों के बीजारोपण का सशक्त माध्यम है। प्रार्थना बच्चों को आत्मचिंतन और आत्मानुशासन की प्रेरणा देती है। मंत्रोच्चार मन, वचन और कर्म की शुद्धता का संदेश देता है। इससे विद्यार्थियों में एकाग्रता, धैर्य और आत्मविश्वास का विकास होता है। सामूहिक प्रार्थना सहयोग, समरसता और भाई-चारे की भावना को मजबूत करती है। प्रार्थना विद्यार्थियों को चुनौतियों का सामना करने की मानसिक शक्ति प्रदान करती है। नैतिक शिक्षा और आध्यात्मिक चेतना का यह सुंदर संगम है। प्रार्थना से शिक्षा केवल ज्ञान तक सीमित नहीं रहती, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण का माध्यम बनती है।

दूरगामी परिणाम सकारात्मक ही आएंगे...

बंधु राजेश्वर खरे, वरिष्ठ कवि व साहित्यकार महासमुंद, छत्तीसगढ़

नए शिक्षण सत्र से विद्यालय आरंभ के समय राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सांस्कृतिक व वैदिक पाठ, महापुरुषों की जीवनी तथा सामान्य ज्ञान आधारित चर्चा होगी। यह तो बहुत ही अच्छा प्रयास है। मध्यान्ह भोजन के समय भोजन मंत्र का पाठ होगा। शाम के समय छत्तीसगढ़ राज्य गीत, गायत्री मंत्र और शांतिपाठ के बाद छुट्टी की घंटी बजेगी। बच्चों को संस्कारवान बनाने शासन की अच्छी पहल है। इसमें बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का उद्देश्य निहित है। इसके प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष बहुत सारे लाभ हैं। दूरगामी अच्छे परिणाम सामने आयेंगे। हर अच्छी पहल का स्वागत व सम्मान होना चाहिए।

सरकार का कदम वंदनीय है...

छबिराम सोनी, वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार रायपुर, छत्तीसगढ़

पुरानी सनातन संस्कृति, परंपरा अनुसार पहले गुरुकुल हुआ करता था, जहां बच्चों को हर तरह की शिक्षा दी जाती थी जो हमारे धर्मग्रंथों पर उल्लेखित है, रामायण, भगवत गीता आदि इसके गवाह हैं, आधुनिकता के चलते लोग इससे दूर होते जा रहे हैं, जबकि पुरानी सनातन संस्कृति व शिक्षा आज बहुत ही जरूरी है। नई शिक्षा नीति में इसे लागू करना अनुकरणीय, अनुसरणीय व स्वागतेय है। मैं सरकार की इस नई पहल का स्वागत करता हूं।

सरकार का कदम स्वागतेय है...

रामाधार शर्मा, समाजसेवी कुम्हारी जिला दुर्ग, छत्तीसगढ़

प्रतिदिन राष्ट्रगान राष्ट्रगीत दीप मंत्र, मां सरस्वती वंदना, गुरु मंत्र महापुरुषों के जीवन की गाथा पर चर्चा समय की मांग है। यह बच्चों के बौद्धिक विकास एवं भारतीय संस्कृति तथा शिक्षा ग्रहण कर रहे सभी विद्यार्थियों के लिए आवश्यक है। राष्ट्र के प्रति, गुरुजनों के प्रति एवं अपने माता-पिता का सम्मान, अपने राष्ट्र के प्रति सम्मान तो होना ही चाहिए। आज के बच्चे कल के भविष्य हैं। इसलिए यह जानकारी सभी विद्यार्थियों बच्चों को होनी चाहिए। सरकार का यह कदम स्वागत योग्य है। सरकार को साधुवाद।

बच्चों को शिक्षा और संस्कार मिलेगा...

दूजेराम धीवर, समाजसेवी, पीपला फाउंडेशन आरंग, छत्तीसगढ़

छत्तीसगढ़ शासन स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा संचालित यह गतिविधि नि:संदेह अच्छा प्रयास है। इस प्रकार स्कूल में सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण निर्मित होगा, शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी बच्चों को देने का प्रयास है। किंतु छत्तीसगढ़ में वर्तमान समय में सरकारी स्कूलों की दुर्दशा किसी से छुपी नहीं हैं। आशा है कि इस गतिविधि से बच्चों के साथ साथ सरकार शिक्षा व्यवस्था पर भी ध्यान दे। नि:संदेह बच्चों का सर्वांगीण विकास होगा, इससे इनकार नहीं किया जा सकता है।

गढ़रीवां हायर सेकंडरी स्कूल में बच्चों को पुस्तक वितरण किया गया।

अनुशासन के साइंटिफिक फायदे हैं...

योगेश तिवारी , प्रदेश अध्यक्ष अखंड ब्रह्मण समाज सेवा समिति, रायपुर

बौद्धिक विकास, सांस्कृतिक जागरूकता, अनुशासन, नैतिक मूल्य और राष्ट्रप्रेम बढ़ेगा। ये कदम 'भारतीय संस्कृति, मूल्य आधारित शिक्षा और चरित्र निर्माण के लिए अच्छा है। गायत्री मंत्र में ज्ञान और कल्याण का सार्वभौमिक संदेश है, इसे राजनीतिक चश्मे से न देखें। इससे बच्चों में अनुशासन, भोजन के प्रति सम्मान और परंपरा की समझ बढ़ेगी। मंत्र-ध्यान से फोकस, तनाव कम होना और अनुशासन के साइंटिफिक फायदे हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक प्रधान संपादक यशवंत धोटे द्वारा, मिनल पब्लिकेशन एंड प्रोडक्शन प्रा.लि. शेड नंबर 74, सेक्टर-सी, उरला इंडस्ट्रीयल एरिया रायपुर, से मुद्रित कर तृतीय तल, सुपर मार्केट कॉम्पलेक्स, राजा रघुराज सिंह स्टेडियम के सामने अग्रसेन चौक, बिलासपुर से प्रकाशित, RNI NO.CHHHIN/2015/62431, संपादक-चन्द्रशेखर* (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए उत्तरदायी), स्थानीय संपादक-विक्रम सिंह ठाकुर, समाचार संपादक-संदीप दीवान, फोन नंबर : 07752-468654, navpradeshbilaspur01@gmail.com